RNI No. : MPHIN/2010/38129 | MP/IDC/1375/2020-22 | www.hariyalikeraste.com | email : hariyalikeraste2010@gmail.com

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

» वर्ष : 12 » अंक : 2-3 » दिसंबर 2021-जनवरी 2022 » मूल्य : 40 रु.

नई उम्मीदों का नव वर्ष 2022

गहरी छाप छोड़ते मोदी

समस्त किसान भाइयों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
श्री चंद्रमोहन ठाकुर (कलेक्टर एवं प्रशासक)
श्री संजय दलेला (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री महेन्द्र दीक्षित (उपायुक्त सहकारिता)
श्री कमल मकाश्रे (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री मुकेश श्रीवास्तव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. सीहोर

अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
नूतन वर्ष पर सभी किसान भाइयों और नागरिकों का हार्दिक अभिनंदन...
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री सुनील सिंह (उपायुक्त सहकारिता)
श्री एम.ए.कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री पी.एन. यादव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. मंदसौर

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

» वर्ष : 12 » अंक : 2-3 » दिसंबर 2021-जनवरी 2022 » मूल्य : 40 रु.

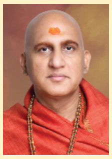

» विशेष संरक्षक : जूनापीठाधीश्वर
आचार्य महामंडलेश्वर अनन्त श्री विभूषित
स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज
» संरक्षक : विष्णु नारायण त्रिपाठी
» प्रधान संपादक : बृजेश त्रिपाठी
» प्रबंध संपादक : अर्चना त्रिपाठी
» सलाहकार मंडल :
व्ही.जी. धर्माधिकारी (सेवानिवृत्त सचिव एवं आयुक्त सहकारिता)
एल.डी. पंडित (सहकारी विशेषज्ञ)
सुशील मिश्र (पूर्व अपर आयुक्त सहकारिता)
मणिशंकर उपाध्याय (कृषि विशेषज्ञ)
एम.एस. भटनागर (कृषि रत्न, बीज विशेषज्ञ, सलाहकार बीज संघ)
सुरेशचंद्र ताम्रकर (वरिष्ठ पत्रकार)
डॉ. आर.ए. शर्मा (पूर्व डीन, कृषि महाविद्यालय, इंदौर)
डॉ. वी.एन. श्रॉफ (कृषि वैज्ञानिक)
यशोवर्धन पाठक (व्याख्याता जबलपुर)
पं. रामचंद्र शर्मा 'वैदिक' (अध्यक्ष, म.प्र. ज्योतिष एवं विद्वत् परिषद)
डॉ. राजीव शर्मा (प्रोफेसर एवं कवि, इंदौर)
डॉ. भरत शर्मा (समाजसेवी)
हरप्रसाद मोदी (वरिष्ठ पत्रकार, झाँसी-ललितपुर)
अरुण के. बंसल (फ्यूचर पॉइंट प्रा.लि., नई दिल्ली)
पं. रतन वशिष्ठ (ज्योतिषाचार्य एवं कथावाचक)
लेफ्टिनेंट कर्नल अजय (वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य)
कैप्टन (डॉ.) लेखराज शर्मा (ज्योतिषाचार्य)
» विशेष संवाददाता
इंदौर-उज्जैन संभाग : परीक्षित शर्मा (मो. 7999692727)
भोपाल संभाग : शिवम त्रिपाठी (मो. 9669779674)
होशंगाबाद संभाग : धनराज मालवीय (मो. 9827744248)
छत्तीसगढ़ (रायपुर) : पी.एल. चुरहे (मो. 7389652211)
» प्रकाशक : बृजेश त्रिपाठी
111/ए-ब्लॉक, शहनाई-II रेसीडेंसी, कनाड़िया रोड, इंदौर
मो. 8989179472, 8989991569, 9752558186
» लेआउट-डिजाइन : नितिन पंजाबी (मो. 9893126800)
ई-मेल : nitinpunjabi5@gmail.com
» मुद्रक : वी.एम. ग्राफिक्स
के-29, एल.आय.जी. कॉलोनी, इंदौर

12वाँ स्थापना वर्ष

3
गहरी छाप छोड़ते मोदी

6
तीसरी लहर में बदलिये तरीका

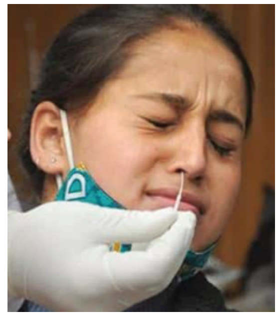

9
नई उम्मीदों का नव वर्ष

19
सहकारिता में रोजगार और विकास की संभावनाएँ

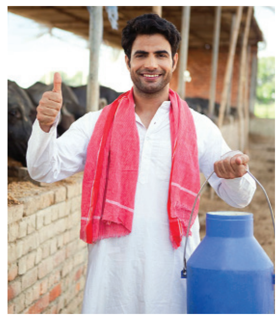

29
जनभागीदारी से जनकल्याण

60
रश्मि मंदाना ने बढ़ाई फीस

संपादकीय

12 वाँ स्थापना वर्ष

कैथल की राह पर चलें किसान

मोदी सरकार ने किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृषि सुधार कानून पेश किए थे लेकिन चंद विघ्नसंतोषी तत्वों की वजह से इन्हें वापस लेना पड़ा। विडंबना देखिए कि उसी रास्ते पर चल कर कुछ समझदार किसानों ने आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा भी दिए हैं। कैथल हरियाणा के बारहवीं पास गुरमेल ने पहले तो अकेले प्रयास आरंभ किया उन्हें लाभ अर्जित करते देख लोग जुड़ते गए और कारवां बनता गया। वैसे तो गुरुमेल सिंह ने साल 2016 में ही कैथल फार्मर्स वेजिटेबल प्रोड्यूसर कंपनी की स्थापना कर दी थी। पेप्सिको, हल्दीराम और मैकेन जैसी कंपनियों से जुड़कर किसानों की यह कंपनी अपना उत्पाद उन्हें बेचती है और अच्छा लाभ कमाती है। कुछ किसान आलू की फसल उगाते हैं और कुछ टमाटर आदि अन्य फसलें लेते हैं। कृषि कानून में भी तो यही व्यवस्था थी कि किसान कंपनियों से अनुबंध कर कारपोरेट खेती करें। लेकिन चंद विरोधियों ने आशंका जताई कि कंपनियां किसानों की जमीनें हड़प लेंगीं। अब अन्य किसानों को भी गुरुमेल सिंह के मार्ग पर चलकर नए साल में नवोन्मेषी खेती के ऐसे प्रयोग करने चाहिए। समय के साथ जो कदम मिलाकर चलते हैं, उन्हें तो मंजिल मिल जाती है और जो ऐसा नहीं करते वे पीछे छूट जाते हैं। हमारे देश में छोटे किसानों की संख्या अधिक है। छोटी जोत में खेती करना वर्तमान समय में अलाभकारी है। ऐसे किसानों को गुरुमेल गुरुमंत्र लेकर अपनी राह बदलनी होगी। छोटी जोत में आधुनिक यंत्रों का इस्तेमाल महंगा सौदा है। अगर सब मिलकर सामुदायिक खेती करें तो लागत घटाकर अधिक लाभ अर्जित किया जा सकता है। गुरुमेल सिंह का अगला कदम है इंटीग्रेटेड फार्म हाऊस का निर्माण। यह एक कोल्ड स्टोरेज की तरह होगा। फ़रवरी 2022 में यह आरंभ हो जाएगा। किसान इसमें फल और सब्जियों की उपज को सुरक्षित रख सकेंगे। फल और सब्जियों की सुरक्षा बहुत जरूरी है वरना ये शीघ्र नष्ट होने लगती हैं। अभी हम देखते हैं कि कभी तो टमाटर 100 रुपए किलो बिकता है और कभी 10 रुपए किलो। अगर इनके संरक्षण की व्यवस्था हो तो मूल्य स्थिर रह सकते हैं। 10 रुपए किलो में सोचिए किसानों को क्या मिलेगा! अगर किसान कोल्ड स्टोरेज के साथ साथ सहकारिता के आधार पर प्रसंस्करण उद्योग भी स्थापित करें तो टमाटर की सास और कैच अप बनाकर अच्छा लाभ कमा सकते हैं। इन इकाइयों में ग्रामीण युवाओं को रोजगार भी मिलेगा और किसानों की आमदनी भी बढ़ेगी। नए वर्ष में नए संकल्प के साथ कदम बढ़ाने की आवश्यकता है। किसान चाहें तो क्या नहीं कर सकते बिना सरकारी सहायता के भी ऐसे कार्य सहकारिता के माध्यम से किए जा सकते हैं। वैसे सरकार ऐसे कामों के लिए 80 - 90 प्रतिशत तक अनुदान देती है। आजकल जैविक उत्पादों की अच्छी खासी मांग है। जैविक फसलों के दाम भी अच्छे मिलते हैं। जैविक खेती से हम अपना औरों का और पर्यावरण का भी भला कर सकते हैं। जैविक खेती में लागत कम और लाभ अधिक है। प्राचीन काल में हमारे किसान जैविक खेती ही करते रहे हैं। पश्चिम ने हमें गुमराह कर रासायनिक खेती की ओर मोड़ दिया और हमने अपनी परंपरा को छोड़ दिया। अब पश्चिम वाले गाय, गोबर और जैविक खेती को अपना रहे हैं। हमें भी अपनी परंपरागत खेती को पुनः अपनाना होगा। आइए इस नववर्ष में हम संकल्प लें और प्रयास आरंभ करें। नववर्ष सभी के लिए मंगलमय हो। हरियाली के रास्ते की ओर से सभी स्नेहियों को शुभकामनाएं।

गहरी छाप छोड़ते मोदी

■ **श्री एम.**

आध्यात्मिक गुरु

भारतवर्ष की पावन धरा ज्ञान, विज्ञान, कला, अध्यात्म एवं महानतम संस्कृतियों की जननी है। सदियों से इस भूमि ने मानवता को राह दिखाई है और वसुधैव कुटुंबकम के संकल्प के साथ संपूर्ण विश्व के कल्याण का संदेश दिया है। भारतीय संस्कृति का मूल इतना गहरा और व्यापक है कि इसके प्रवाह में आई बड़ी-बड़ी रुकावटें भी कभी बाधा न बन सकीं। नमन है इस भूमि को, जिसने ऋषियों-मुनियों के साथ-साथ ईश्वर को भी अपनी गोदी में खिलाकर चिरंतन संस्कृति की निरंतर गंगा बहाई।

मुस्लिम परिवार में जन्म होने के बावजूद शायद पुनर्जन्म के किसी प्रयोजन से मात्र अठारह वर्ष की आयु में मैं हिमालय चला गया। मुझे शुरू से ही सत्य व सनातन को समझने और अध्यात्म की ऊर्जा को अपने में आत्मसात करने की प्रबल लालसा थी। सत्य की खोज और ज्ञान की प्राप्ति के लिए ही मैंने हिमालय को अपना रास्ता बनाया। उस यात्रा के दौरान मैंने बाबा केदार के दर्शन किए और पहली बार मुझे मराठा साम्राज्य की प्रसिद्ध महारानी देवी अहिल्याबाई होल्कर के बारे में जानकारी मिली, जिन्होंने

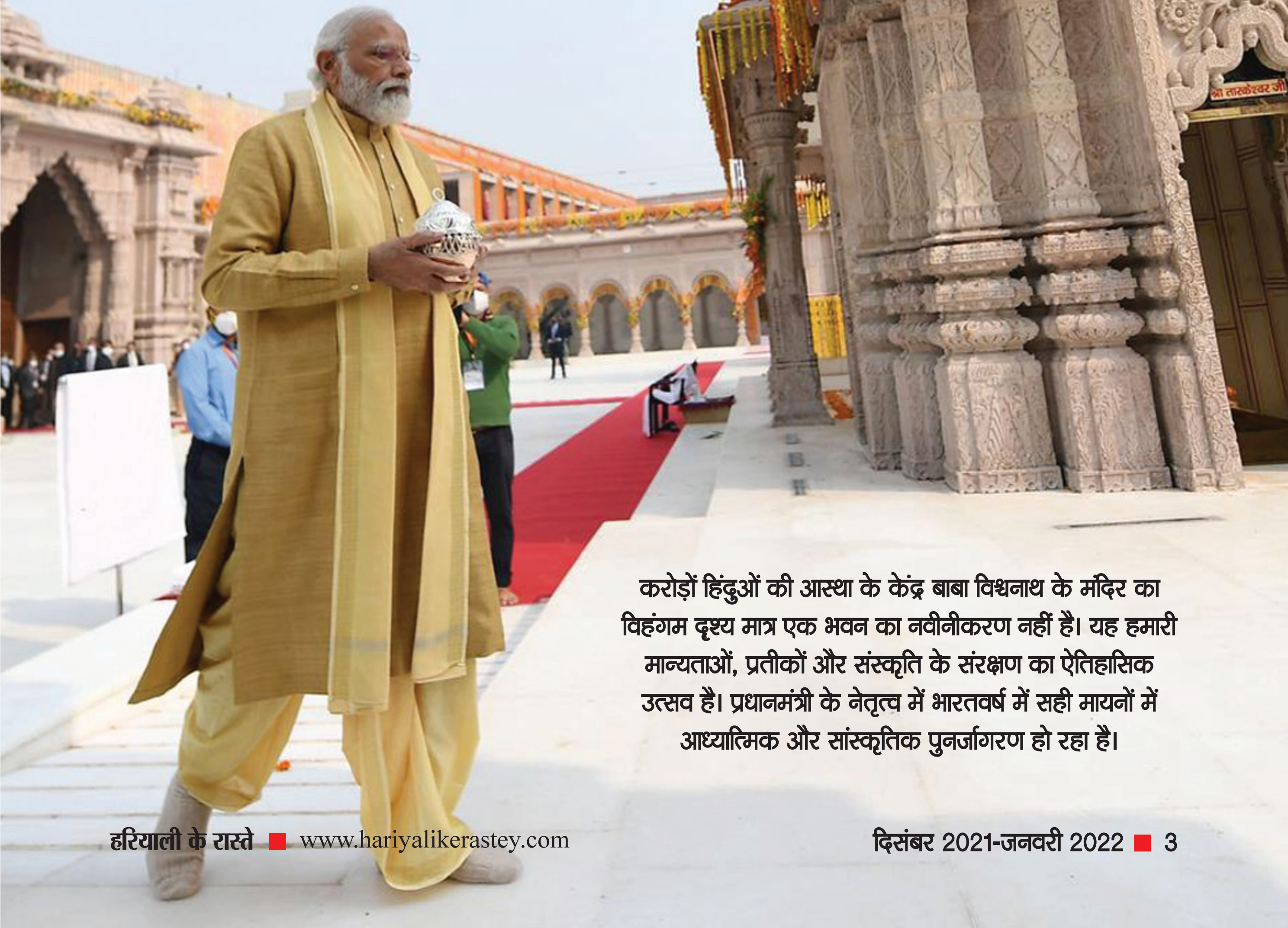

करोड़ों हिंदुओं की आस्था के केंद्र बाबा विश्वनाथ के मंदिर का विहंगम दृश्य मात्र एक भवन का नवीनीकरण नहीं है। यह हमारी मान्यताओं, प्रतीकों और संस्कृति के संरक्षण का ऐतिहासिक उत्सव है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारतवर्ष में सही मायनों में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण हो रहा है।

आतताइयों द्वारा खंडित सनातनी प्रतीकों, मठ-मंदिरों की पुनर्स्थापना और पुनर्निर्माण के लिए ऐतिहासिक कार्य किया।

देश भर के भ्रमण के दौरान मैं कई मंदिरों में गया और हर जगह मुझे असीम ऊर्जा की अनुभूति हुई। जीवन को एक अलग रूप में जानने का अवसर भी मिला। अध्यात्म की गहराई में उतरने, अपने को जानने, पहचानने और कुछ सीखने की लालसा में मैं बाबा काशी विश्वनाथ के चरणों में पहुंचा, जहां आध्यात्मिक ऊर्जा के नए आयामों से मेरा परिचय हुआ। मैं तब सोचता था कि जिस तरह समग्र संसार के कल्याण के लिए देश के कोने-कोने में स्थापित आध्यात्मिक ऊर्जा के इन सशक्त केंद्रों को आक्रांताओं द्वारा पददलित किया गया, उसके जीर्णोद्धार का कार्य लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की तरह आगे कौन करेगा? क्योंकि ये केवल मिट्टी, पत्थर-धातु के ढांचे नहीं हैं, ये हमारी संस्कृति, सभ्यता व सनातनी मानस के प्रतीक हैं। ये जीवंत और जागृत पावर हाउस हैं, जिन्हें हमारे मनीषियों ने अपने तपोबल से संजोकर रखा।

अब, जब मैं बाबा काशी विश्वनाथ धाम के प्रथम चरण का लोकार्पण देख रहा हूं, तब यह विश्वास भी बना है कि महान सनातन परंपरा के प्रतीक इन आध्यात्मिक शक्ति केंद्रों से असीम ऊर्जा के प्रवाह में कभी कमी नहीं आएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमारी इस आशा और विश्वास के प्रतिबिंब बनकर आगे आए हैं। उनके नेतृत्व में भारत आजादी के अमृत काल में आत्मनिर्भर और परिपक्व कदमों से हर दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है। यह सोचना ही रोमांच से भर देता है कि अब काशी विश्वनाथ धाम के मंदिर से ही प्रत्यक्ष जीवनदायिनी और मोक्षदायिनी मां गंगा के दुर्लभ दर्शन हो पाएंगे। निस्संदेह यह ऐतिहासिक क्षण है। अपने जीवन में अनेक चुनौतियों और अड़चनों का सामना करते हुए भी लोकमाता ने जिस तरह भारतीय संस्कृति की नींव को मजबूत करने में अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया, उन्हीं प्रेरणामूर्ति के कदमों पर चलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने देश के आध्यात्मिक केंद्रों के जीर्णोद्धार और उनको भव्य स्वरूप देने का बीड़ा उठाया है। इसे धार्मिक पक्ष से कहीं अधिक सभ्यता, संस्कृति और सनातनी प्रतिमानों के संरक्षण के रूप में देखना चाहिए।

हमने आपदा के बाद नए रूप में विकसित होती केदारपुरी और आस्था के प्रतीक केदारनाथ धाम से विश्व को जोड़ने वाले पूज्य आदि शंकराचार्य से देश की नई पीढ़ी का परिचय होते देखा है। हममें से किसी ने भी अयोध्या में भगवान श्रीराम की जन्मभूमि से जुड़े मुद्दे के इस तरह शांति के साथ समाधान हो जाने की कल्पना नहीं की थी। आज भगवान राम की जन्मभूमि पर उनका भव्य मंदिर बन रहा है। धर्म के प्रति आस्था के साथ-साथ सामाजिक सद्भाव का वातावरण एक बड़ी जिम्मेदारी है, जिसे प्रधानमंत्री बखूबी निभा रहे हैं। कहा जा रहा है कि देश ही नहीं, उन्होंने विदेश में भी आध्यात्मिक और आस्था के ऐसे केंद्रों के जीर्णोद्धार में रुचि दिखाई है, जिसका स्वागत किया जाना चाहिए।

यहां भारत की महान सांस्कृतिक परंपरा की चर्चा जरूरी है। शरीर, मन और आत्मा को एकाकार करने वाला विज्ञान 'योग' हमारे ऋषि-मुनियों द्वारा मानव जाति के लिए असीम उपहार है। जो लोग अध्यात्म और आस्था संबंधी बातों में रुचि नहीं रखते, उनके लिए भी योग बेहतर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की ओर जाने का एक सही रास्ता है। आधुनिक विज्ञान ने भी इसे स्वीकार किया है। लंबे कालखंड के बाद प्रधानमंत्री के सतत व अथक प्रयासों के बल पर योग एक बार पुनः प्रतिष्ठित हुआ है। कोरोना महामारी के दौरान योग के महत्व को पूरी दुनिया ने स्वीकार किया है।

वाकई, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारतवर्ष में सही मायनों में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण हो रहा है। वह अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में ब्राजील के जोनस मसेटी का जिक्र करते हैं, तो प्रवासी भारतीयों को भी एक कर विश्व कल्याण में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करते हैं। जिस तरह लोकमाता ने जीवन में सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ लड़ाई लड़ी और आध्यात्मिक केंद्रों के पुनर्जागरण का मंत्र लेकर जीवन को समर्पित किया, ठीक उसी तरह प्रधानमंत्री भी तमाम चुनौतियों और बाधाओं को पार करते हुए हमारी महान सभ्यता, संस्कृति और अध्यात्म के संस्कार को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रहे हैं। इसके साथ ही खुले में शौच से मुक्ति, स्वच्छ भारत अभियान, उज्ज्वला योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, जल संरक्षण और नमामि गंगे जैसे अभियानों के जरिये समाज को आगे बढ़ने का रास्ता तैयार किया जा रहा है। ये सभी अभियान पुनर्जागरण और लोक-कल्याण की दृष्टि से देखे जाने चाहिए।

जाहिर है, करोड़ों हिंदुओं की आस्था के केंद्र बाबा विश्वनाथ के मंदिर का विहंगम दृश्य मात्र एक भवन का नवीनीकरण नहीं है। यह हमारी मान्यताओं, प्रतीकों और संस्कृति के संरक्षण का ऐतिहासिक उत्सव है। ●

नूतन वर्ष पर समस्त प्रदेशवासियों का

हार्दिक अभिनंदन

नए वर्ष की प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाइयाँ। कोरोना संकट को दूर करने में हम सब मिलकर कार्य करेंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने के लिए हम सभी आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में सहभागी बनें।

● **श्री शिवराजसिंह चौहान**
मुख्यमंत्री

विभिन्न धर्म, भाषा और संस्कृतियों के साथ नववर्ष का आयोजन किया जाता है। नववर्ष में प्रदेशवासियों की सक्रिय भागीदारी से आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करेगा। प्रदेशवासियों के स्वस्थ और सुखद भविष्य की कामना करता हूँ।

● **श्री गोपाल भार्गव**
मंत्री, लोक निर्माण, कुटीर तथा ग्रामोद्योग विभाग

नूतन वर्ष हर प्रदेशवासी के जीवन में सुख, समृद्धि और उन्नति का उजियारा लाए। सहकारिता से सभी नागरिकों के जीवन में खुशियाँ आए। कोरोना की तीसरी लहर के प्रति सभी नागरिक सजग रहें। कोरोना गाइडलाइन का पालन करें।

● **डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया**
मंत्री, सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन

नया वर्ष सभी के लिए शुभ और मंगलमय हो और सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और उन्नति लाए। नए वर्ष में प्रदेश एवं देश के विकास में सभी अपना पूरा सहयोग दें। समस्त प्रदेशवासियों के जीवन में नई ऊर्जा का संचार हो।

● **श्री कमल पटेल**
मंत्री, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग

नूतन वर्ष में प्रदेश के सभी नागरिक अपने प्रदेश की प्रगति के लिए शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं में सहभागी बनें। कोरोना की तीसरी लहर के प्रति सजग रहें। शारीरिक दूरी बनाए रखें, मास्क लगाएँ, भीड़भाड़ में जाने से बचें।

● **श्री तुलसी सिलावट**
मंत्री, जल संसाधन एवं मछुआ कल्याण विभाग

नए वर्ष पर मैं समस्त प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना करती हूँ। नूतन वर्ष में प्रदेश के सभी नागरिक अपने प्रदेश की प्रगति के लिए शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं में सहभागी बनें। प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने में सहभागी बनें।

● **सुश्री उषा ठाकुर**
मंत्री, पर्यटन एवं आध्यात्मिक विभाग

तीसरी लहर में बदलिए तरीका

■ **जुगल किशोर**

वरिष्ठ जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ

टीकाकरण से पहले अभिभावकों को यह जरूर तय करना चाहिए कि उनके बच्चों को अभी टीके की दरकार है, जब सामुदायिक संक्रमण की वजह से उसके संक्रमण होने की आशंका अधिक हो। अगर संक्रमित शरीर में अन्य कोई रोग हो, तो उसे कोरोना के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता बनाने में काफी मेहनत करनी पड़ सकती है।

भारत इस समय कोरोना की तीसरी लहर से जूझ रहा है। दूसरी लहर के लिए जिम्मेदार डेल्टा वेरिएंट की तुलना में ओमीक्रोन में ज्यादा संक्रमण दिख रहा है। यह एक ऐसा वेरिएंट है, जिसमें डेल्टा से ज्यादा म्यूटेशन भी हुए हैं। 32 के करीब म्यूटेशन तो इसके 'सरफेस एंटीजन' (इसको स्पाइक प्रोटीन कहा जाता है) में देखे गए हैं। फिर, इसमें शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को भेदने की भी ताकत है। चूंकि कोवैक्सीन को छोड़कर तमाम टीके स्पाइक प्रोटीन के आधार पर ही विकसित किए गए हैं और ओमीक्रोन में स्पाइक प्रोटीन में ही बदलाव हुआ है, इसलिए टीका ले चुके लोग भी कोरोना से संक्रमित हो रहे हैं। फिर भी, सुखद बात यह है कि इसमें गंभीर रोगी तुलनात्मक रूप से बहुत कम दिख रहे हैं।

ओमीक्रोन का कहर ऐसा है कि जिन देशों में पूर्ण टीकाकरण हो चुका है, वहां भी लोग संक्रमित हो रहे हैं और जिन देशों में टीकाकरण की गति बहुत धीमी है, वहां भी यह नया रूप लोगों को परेशान कर रहा है। हां, एक प्रवृत्ति यह जरूर दिख रही है कि जिनको पहले कोरोना हो चुका है, उनको बहुत ज्यादा परेशानी नहीं हो रही। यानी, पूर्व में संक्रमण की वजह से शरीर में जो नैसर्गिक प्रतिरोधक क्षमता बनी है, वह कुछ हद तक ओमीक्रोन के खिलाफ कारगर है।

हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि दोबारा संक्रमण नहीं हो सकता। कुछ मामलों में 'री-इंफेक्शन' देखे गए हैं, पर लक्षण बहुत मामूली हैं। वैसे, डेल्टा की तुलना में इसमें हल्के संक्रमण ही दिख रहे हैं। डेल्टा की वजह से मरीजों का श्वसन तंत्र प्रभावित हुआ था, जिससे उनको सांस लेने में दिक्कतें होने लगी थीं। मगर ओमीक्रोन में ऐसा कुछ नहीं है। यह बहुत ज्यादा परेशानी नहीं कर रहा। इसमें मृत्यु-दर भी डेल्टा की तुलना में बहुत कम है।

फिर भी, यह डर बना हुआ है कि अगर संक्रमण काफी तेजी से फैलता रहा, तो स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। इस चुनौती से पार पाने के लिए हमें कुछ अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। यह सही है कि जब कोई संक्रमण समुदाय के स्तर पर फैल जाए, तो अस्पतालों पर बोझ बढ़ जाता है। सर्दियों में वैसे ही अपने यहां फ्लू के मरीज काफी आने लगते हैं। मगर ओमीक्रोन

में सभी मरीजों का अस्पताल आना अनिवार्य नहीं है। भारत में महज 10 फीसदी आबादी को ओपीडी में और एक प्रतिशत आबादी को अस्पताल में संभालने की क्षमता है। अगर इससे ज्यादा मरीज आने लगेंगे, तो अस्पताल हांफने लगेंगे। दुनिया के किसी भी देश में ऐसी स्वास्थ्य सेवा नहीं है, जो अपने तमाम लोगों का एक साथ इलाज कर सके। इसलिए, हमें अपनी रणनीति बदलनी होगी। इसी हिसाब से लोगों को सलाह भी दी जा रही है। जैसे, हल्के लक्षण वाले मरीजों का घर पर ही इलाज किया जा रहा है। हम घरेलू नुस्खों और सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों से तीन से पांच दिनों में मरीज को ठीक कर सकते हैं। चूंकि मरीजों में गंभीर लक्षण नहीं दिख रहे, इसलिए घर पर आराम करना ही बेहतर विकल्प है। बुखार, खांसी, जुकाम आदि होने पर डॉक्टर के परामर्श के मुताबिक मरीज को दवा लेनी चाहिए। इसमें डरने की कतई जरूरत नहीं है।

हां, टीकाकरण को लेकर अब भी आम लोगों में संदेह है, जो उचित नहीं है। यह सही है कि ओमीक्रोन में स्पाइक प्रोटीन बदल जाने की वजह से टीके बहुत कारगर साबित नहीं हुए हैं, फिर भी, इसका फायदा दिखा है। हालांकि, बूस्टर डोज देने का अभी सही वक्त नहीं है। बूस्टर खुराक की जरूरत इसलिए होती है, ताकि शरीर में कम हुई प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाई जा सके। मगर ओमीक्रोन में बूस्टर डोज बहुत फायदेमंद नहीं है। शरीर जिस स्पाइक प्रोटीन के खिलाफ तैयार होगा, वह तो ओमीक्रोन में बदल चुका है। इसी तरह, जब संक्रमण समुदायों में फैल चुका हो और हर व्यक्ति के संक्रमित होने की आशंका हो, तब यदि शरीर में बूस्टर खुराक दी जाएगी, तो शरीर को दोतरफा लड़ाई लड़नी होगी। एक तरफ, वह कुदरती संक्रमण के खिलाफ लड़ेगा, और दूसरी तरफ, टीके की वजह से पैदा किए गए संक्रमण से। इसमें अगर किसी व्यक्ति का शरीर कमजोर हो, तो टीका लेने के बाद उसे परेशानी हो सकती है। बूस्टर खुराक के लिए हमें या तो तीसरी लहर के खत्म होने का इंतजार करना चाहिए अथवा दूसरी लहर के बाद ही इसकी शुरुआत कर देनी चाहिए थी।

यहां यह समझने की भूल न करें कि अगली खुराक कोवैक्सीन लेकर हम वायरस के खिलाफ रक्षा कवच बना लेंगे। ऐसा करना सही नहीं होगा। पहली खुराक जिस टीके की लगी हो, वही दूसरी या बूस्टर में भी लगनी चाहिए। दूसरी या बूस्टर खुराक का मतलब ही यही होता है कि टीके से शरीर में जो प्रतिरोधक क्षमता बनी है, उसकी ताकत और बढ़ाई जाए। यदि हम दोनों बार दो अलग-अलग टीके लगाएंगे, तो मुमकिन है कि शरीर दोनों बार अलग-अलग प्रतिरोधक क्षमता तैयार करे। सरकार ने भी बूस्टर में समान टीका लगाने का निर्देश दिया है। वैक्सीन को 'मिक्स' करके देने की चर्चा पिछले दिनों खूब चली थी, लेकिन हमें तीसरी लहर के खत्म होने का इंतजार करना चाहिए। ऐसा कोई भी प्रयोग अभी अस्पतालों पर बोझ ही बढ़ाएगा।

कई लोगों की एक उलझन यह भी है कि जो किशोर हाल-फिलहाल में 18 वर्ष पूरे कर रहे हैं, तो उन्हें बच्चों के टीके लेने चाहिए अथवा कुछ समय इंतजार करना चाहिए। यहां यह समझना होगा कि शरीर को लेकर ऐसा कोई मापदंड नहीं है कि 18 साल पूरा होने के बाद वह कुछ अतिरिक्त प्रतिक्रिया देगा। दो-चार महीने के आगे-पीछे का कोई मतलब नहीं है। इसलिए टीका लिया जा सकता है। मगर टीकाकरण से पहले अभिभावकों को यह जरूर तय करना चाहिए कि उनके बच्चों को अभी टीके की दरकार है, जब सामुदायिक संक्रमण की वजह से उसके संक्रमित होने की आशंका अधिक हो। अगर संक्रमित शरीर में अन्य कोई रोग हो, तो उसे कोरोना के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता बनाने में काफी मेहनत करनी पड़ सकती है। वैसे भी, अब तक का वैश्विक अध्ययन यही बताता है कि बच्चों को कोविड-टीकाकरण से कोई खास फायदा नहीं होता। •

अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
नवीन वर्ष आप सभी के जीवन में ढेरों खुशियाँ लाए
समस्त किसान भाइयों को 0% ब्याज दर पर फसल ऋण
श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री पी.एन. गोडरिया (प्रशासक एवं उपायुक्त)
श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री पी.एस. धनवाल (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. धार

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
नववर्ष पर आप सभी का हार्दिक अभिनंदन
श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री एम.एल. गजभिये (प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)
श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री अनिल हर्षवाल (प्रभारी सीईओ)
सौजन्य से : इंदौर प्रीमियर को-ऑपरेटिव बैंक लि., इंदौर

2022
नई उम्मीदों का नववर्ष

■ **शशि शेखर**

सन 2022 को समूची दुनिया के लोग अभूतपूर्व उम्मीदों के वर्ष के तौर पर देख रहे हैं। मैं यहां 'अभूतपूर्व' शब्द का इस्तेमाल जान-बूझकर कर रहा हूं, क्योंकि अब तक दुनिया की तीन सबसे बड़ी आफतों- स्पेनिश फ्लू, प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के बाद निराशा का माहौल था, पर पिछले वर्ष कोरोना के कहर के बाद दुनिया जैसे खुद को नई चुनौती के लिए तैयार किए बैठी है।

कोरोना पिछले महीने से अपने नए वेरिएंट ओमीक्रोन के जरिये फिर से झपट्टा मार रहा है, पर वैज्ञानिक हलकों में तय माना जा रहा है कि इस वर्ष यह 'पैंडेमिक' से 'एंडेमिक' में तब्दील हो जाएगा। उम्मीद है कि इसी वर्ष बचाव की गोलियां भी बाजार में उपलब्ध हो जाएंगी। इसी के साथ आर्थिक पुनरोत्थान का दौर भी जोर पकड़ता जाएगा। इसके साथ ही तय हो जाएगा कि दुनिया पुराने ढर्रे पर चलेगी या बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपनी रीति-नीति में बदलाव करेंगी? पिछले वर्ष समूची दुनिया की आपूर्ति व्यवस्था बाधित हो जाने से जीवन-रक्षक दवाओं से लेकर लग्जरी कारों और घड़ियों तक का निर्माण ठप पड़ गया था। ठप पड़ते उत्पादन से चिड़चिड़ाए वॉक्सवैगन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और जर्मनी की तत्कालीन चांसलर एंजेला मर्केल ने कहा था कि हमें चीन-भारत की फैक्टरियों से निर्भरता खत्म करनी पड़ेगी।

यही वजह है कि तमाम विकासशील देश अपने संसाधनों में अपनी आबादी को कैसे खुशहाल रखें की जुगत पर माथापच्ची कर रहे हैं। भारत बहुरंगी जलवायु और विशाल आबादी वाला मुल्क है। यह स्थिति हमें आत्मनिर्भर बनाने के लिए आदर्श है। यहां मैं याद दिलाना चाहूंगा कि 1757 में जब रॉबर्ट क्लाइव ने मुर्शिदाबाद की लड़ाई जीतकर भारत पर ब्रिटिश हुकूमत का रास्ता साफ कर दिया था, तब समूची दुनिया की विकास दर में हमारी हिस्सेदारी लगभग 27 फीसदी थी। अगर इसमें चीन को मिला लें, तो समूची दुनिया की विकास दर के लगभग आधे पर हिन्दुस्तानियों और चीनियों का कब्जा था। क्या कालचक्र अब उल्टी दिशा में घूमने वाला है?

अमेरिका में 'फ्यूचर फोरम' के एक ताजा सर्वे में पाया गया है कि अब दफ्तरों की तस्वीर पहले जैसी नहीं रह जाएगी। शोध के अनुसार, सिर्फ तीन प्रतिशत अश्वेत कामगार पूर्णकालिक रूप से दफ्तर लौटना चाहते हैं, जबकि श्वेत कामगारों में यह संख्या 21 प्रतिशत पाई गई। 97 फीसदी अश्वेत कामगार दूरस्थ केंद्रों से नौकरी के मॉडल विकसित करने की अपेक्षा कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि 2022 में लचीला रुख रखने वाले दक्ष नौजवानों को काम अधिक

मिलेंगे और उनकी तरक्की होगी। इससे कार्यस्थलों पर लैंगिक, जातीय और उम्रगत विषमता बढ़ सकती है। यही नहीं, वास्तुविद अब 20 मिनट की दूरी में सभी सुविधाओं से लैस आबादियों की वकालत कर रहे हैं। ये रिहाइशें आत्मनिर्भर होंगी। कुछ समाजशास्त्री इस अवधारणा से असहमत हैं। उनका मानना है कि इससे एकाकीपन को बढ़ावा मिलेगा। पिछला साल वैसे भी अवसाद और आत्महत्याओं पर सवार होकर आया था। यह साल अंतरिक्ष में एक नई होड़ का भी होगा। स्पेसएक्स, ब्लू ओरिजिन और वर्जिन गैलेक्टिक जैसी अमेरिकी कंपनियों ने तो पहले से ही इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्द्धा को हवा दे रखी है, पर चीन ने पिछले महीने सबको चौंका दिया। उसकी स्पेस शटल में मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों ने पृथ्वी की कक्षा से बहुत परे जाकर स्कूली बच्चों को संबोधित किया। यह अपने आप में अनूठा प्रयास था। अन्य देशों के भी बहुत से संस्थान इस दिशा में काम कर रहे हैं, पर तय है कि चीन और अमेरिका के बीच पनपते शीतयुद्ध में अंतरिक्ष की आपाधापी भी योगदान करेगी।

चीन और अमेरिका के बीच चल रही गलाकाट आर्थिक लड़ाई के भी इस साल अगले मुकाम पर पहुंचने की उम्मीद है। क्या हम एक नए शीतयुद्ध की ओर बढ़ रहे हैं? ऐसा है, तो इसमें भारत की क्या भूमिका होगी? इस साल इन सवालों के अगर पूरे नहीं, तो आंशिक जवाब मिल ही जाएंगे, पर नई दिल्ली के सामने एक और चुनौती है- सीमाओं को सुरक्षित रखने की। ड्रैगन हमें चारों ओर से घेर रहा है। 2020 की गलवान झड़प हमारी यादों में भले ही धुंधली होने लगे, परंतु उससे उपजी आशंकाएं कायम हैं। यह वर्ष भारतीय सत्ता-प्रतिष्ठान के लिए चुनौती भरा है। किसान सरकार के आश्वासनों के बाद दिल्ली के दर से लौट गए हैं, परंतु वे संतुष्ट नहीं हैं। क्या सरकार उन्हें सुधारों के लिए समझा पाएगी? किसान आंदोलन ने यकीनन अन्य श्रमिक संघों को हौसला प्रदान किया है। भारत को चीन से कदमताल करने के लिए अपने यहां तेज आर्थिक सुधार की आवश्यकता है, पर सुधार कामगारों के एक वर्ग में असंतोष पैदा करते हैं। 1991 में जब नरसिंह राव और मनमोहन सिंह की जोड़ी आर्थिक सुधार कार्यक्रम लेकर आई थी, तब भी काफी हो-हल्ला हुआ था। केंद्र सरकार को आने वाले दिनों में यकीनन मशक्कत करनी होगी।

यह ठीक है कि भारत ने कोरोना से लड़ाई में अभी तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। समाज और सरकार के साझा सहयोग से अर्थव्यवस्था भी पटरी पर लौटती दीख रही है। उम्मीदों से भरे इस साल में क्या हम अपेक्षा के अनुरूप विकास दर हासिल कर सकेंगे? क्या मध्यम और लघु उद्योगों के साथ असंगठित क्षेत्र पर छाया अंधियारा छंट सकेगा? बेरोजगारी और मंदी दूर करने के लिए ऐसा होना जरूरी है।

सन 2022 राजनीतिक दलों के लिए भी अग्नि-परीक्षा लेकर आया है। कुछ महीनों में पांच राज्यों में चुनाव हैं। इनमें उत्तर प्रदेश सबसे अहम है। कहावत है कि दिल्ली के सत्ता-सदन की राह लखनऊ से गुजरती है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद को पूरी तरह से उत्तर प्रदेश के रण में झोंक दिया है। क्या यह नपा-तुला जोखिम है? प्रधानमंत्री जमीनी हकीकतों को जानने वाले राजनेता हैं। वह जानते हैं कि यदि इसके बाद भी उत्तर प्रदेश में भाजपा बहुमत न ला सकी, तो 2024 के लोकसभा चुनावों में पार्टी को झटका लग सकता है। इस चुनावी धरती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति जनता में अरुचि दिखाई नहीं पड़ती, पर अखिलेश यादव की सभाओं में भी जबरदस्त भीड़ जुट रही है। अखिलेश यादव ने जातीय समीकरणों को बखूबी साधा है। यही वजह है कि चुनाव द्विपक्षीय बनता जा रहा है। बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस चाहकर भी मनचाही मौजूदगी दर्ज कराने में अभी तक असफल रही हैं। साथ ही यह सवाल भी उठ रहा है कि किसान लौट तो गए हैं, पर क्या उनका गुस्सा पूरी तरह शांत हो गया है? इस सवाल का जवाब उत्तर प्रदेश के चुनावों की दिशा तय करेगा। यकीनन यह साल आशाओं, आशंकाओं और रोमांच से भरा हुआ है। आइए, तहे दिल से इसका खैरमकदम किया जाए। आपको भी नया साल मुबारक हो! •

बीते वर्ष प्रदेश की उपलब्धियाँ

प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए पुरस्कार

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी (पीएमएवाई-यू) मिशन के कार्यान्वयन में उत्कृष्टता के लिए वर्ष 2019 के वार्षिक पुरस्कार के लिए मध्यप्रदेश को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इंदौर से कार्यक्रम में शामिल होकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से वर्चुअल रूप से यह पुरस्कार प्राप्त किया। मुख्यमंत्री चौहान ने नगर निगम छिंदवाड़ा, नगर पालिका खुरई को देश में दूसरे और पाँचवें स्थान पर चुने जाने पर बधाई दी। निर्धारित मापदंडों के आधार पर श्रेष्ठ कार्य के लिए इन निकायों का चयन किया। आवास और शहरी कार्य मंत्रालय भारत सरकार ने अनीता यादव निवासी, देवास, बबीता बोवाड़े निवासी बैतूल और रशीद काला निवासी अलीराजपुर को पुरस्कार के लिए चयनित किया गया। इन हितग्राहियों के नवनिर्मित आवास के छायाचित्र भारत सरकार को भेजे गए थे।

निजी क्षेत्र में बाँस उत्पादों की इकाइयों की स्थापना

मध्यप्रदेश में बाँस उगाने वाले किसानों की आय बढ़ाने के लिएबाँस उत्पादों की 9 उत्पादन इकाइयाँ मंजूर कर एक करोड़ 22 लाख रुपये से ज्यादा का अनुदान दिया गया है। इस वर्ष प्रदेश में 32 आधारित इकाइयाँ स्थापित करने का लक्ष्य है। राष्ट्रीय बाँस मिशन के वेबिनार में स्पष्ट हुआ है कि देश में मध्यप्रदेश एक मात्र ऐसा राज्य है जहाँ बाँस उत्पादकों की उत्पादन इकाइयों का कार्य प्रारंभ हुआ है।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण रोज़गार अभियान

कोविड के दौरान अपने प्रदेशों को लौटे प्रवासी मजदूरों के लिये आरंभ किये गये प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अभियान में मध्यप्रदेश सर्वाधिक सोलर पम्प स्थापित कर देश में सर्वप्रथम रहा। जितने सोलर पम्प पूरे देश में लगे, उससे कहीं अधिक अकेले मध्यप्रदेश में प्रवासी मजदूरों द्वारा स्थापित किये गए। प्रवासी श्रमिकों की सहायता के लिये 24 जिलों में 3 हजार 490 सोलर पम्पों की स्थापना का लक्ष्य था। इसके विरुध्द 3 हजार 224 पम्प की स्थापना कर 92.4 प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति कर ली गई। सोलर पम्प स्थापना में श्रमिकों को 15 हजार श्रमिक दिवस का रोज़गार मिला।

आपदा के समय नवाचार अवार्ड 2020

प्रदेश सरकार के प्रवासी श्रमिक एवं रोजगार सेतु पोर्टल को भारत सरकार का डिजिटल इंडिया अवार्ड 2020 आपदा के समय नवाचार श्रेणी में पुरस्कार प्रदान किया गया है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने यह अवार्ड दिया।

स्व-सहायता समूह के स्वीकृत प्रकरणों में देश में प्रथम

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बैंक लिंकेज पोर्टल पर प्रकरणों की प्रस्तुति एवं उनकी स्वीकृति की दृष्टि से मध्यप्रदेश भारत में प्रथम है। मध्यप्रदेश में अब तक स्व-सहायता समूहों को 283 करोड़ परिक्रामी निधि (रिवाल्विंग फण्ड), 773 करोड़ सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) तथा बैंक ऋण के रूप में 2303 करोड़ रुपये का वितरण किया गया है।

मनरेगा के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश भारत में प्रथम

योजना में निर्धारित लेबर बजट 25 करोड़ मानव दिवस के विरूद्ध 23 करोड़ 95 लाख मानव दिवस सृजित किए गए हैं, जो उपलब्धि का 92त्न है। योजना अंतर्गत निर्माण कार्य की संख्या में मध्यप्रदेश पूरे देश में चौथे स्थान पर है। अभी तक पूरे देश में 6 करोड़ से अधिक निर्माण कार्य पूर्ण हुए हैं, इनमें से 56 लाख से अधिक निर्माण कार्य मात्र मध्यप्रदेश में हुए हैं।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना क्रियान्वयन में प्रथम

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-1 में प्रारंभ से नवम्बर 2021 तक 878 किमी लंबाई की 1889 सड़के, 2 सड़कों तथा तथा 551 बड़े पुलों का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-2 में अब तक 4,873 किमी लंबाई के मार्ग एवं 219 पुलों का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया।

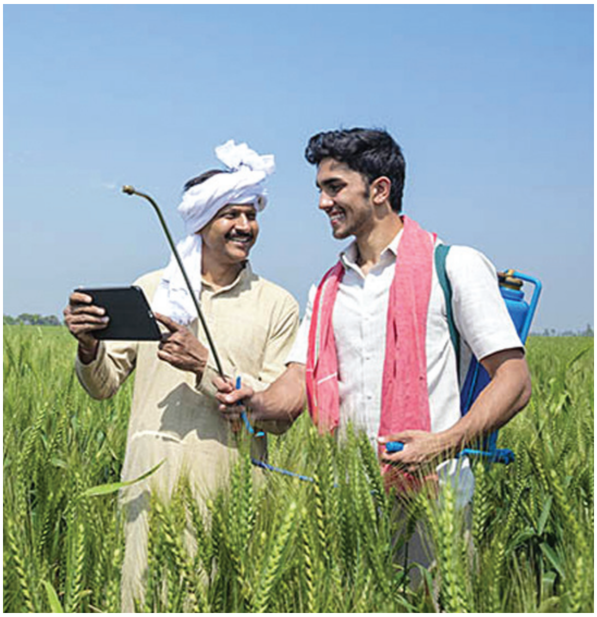

कृषि अधोसंरचना योजना में प्रदेश अव्वल

कृषि अधोसंरचना विकास के लिए ऋण प्रदाय किए जाने की केन्द्र सरकार की कृषि अधोसंरचना योजना के क्रियान्वयन में भी मध्यप्रदेश भारत में प्रथम स्थान पर है। मध्यप्रदेश से 1358 करोड़ 87 लाखरुपये के कुल 1788 प्रकरण सत्यापित किए गए हैं। इनमें से 1508 प्रकरणों में 852 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया गया है और 98 करोड़ रुपये के 87 प्रकरण बैंकों में लंबित हैं।

स्ट्राईव योजना में 20 शासकीय आईटीआई का चयन

विश्व बैंक द्वारा सहायता प्रदत्त भारत सरकार की स्किल स्ट्रेन्थिनिंग फॉर इंडस्ट्रियल वेल्यू एन्हेंसमेंट (स्ट्राईव) योजना में प्रदेश के 20 शासकीय आईटीआई का चयन किया गया है। प्रथम चरण में 8 शासकीय आईटीआई मण्डीदीप, खरगौन, उमरिया, रतलाम, बालाघाट, सिंगरौली, छिंदवाड़ा और एकलव्य महिला आईटीआई बैतूल शामिल हैं। दूसरे चरण में 12 शासकीय आईटीआई शिवपुरी, देवास, शाजापुर, सिवनी, कटनी, टीकमगढ़, छपारा (सिवनी जिला), हरदा, छतरपुर, अनूपपुर, झाबुआ और आईटीआई खंडवा का चयन हुआ है।

वेटलैण्ड्स हेल्थ-कार्ड बनाने में मध्यप्रदेश अग्रणी

राज्य वेटलैण्ड्स प्राधिकरण एप्को ने चिन्हित वेटलैण्ड में से लगभग 50 तालाबों के हेल्थ-कार्ड केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को भेज दिये हैं। देश में अब तक 500 वेटलैण्ड्स के हेल्थ-कार्ड बने हैं, जिनमें मध्यप्रदेश अग्रणी है। केन्द्र शासन द्वारा मध्यप्रदेश के भोज वेटलैण्ड भोपाल और सिरपुर वेटलैण्ड इंदौर का चयन किया गया है। दूसरे चरण में प्रदेश के प्रत्येक जिले से 120 तालाबों का चयन कर भारत सरकार को योजना तैयार करने के लिये भेजा गया है।

रूपे कार्ड और ई-टिकिटिंग से जुड़ने वाला पहला राज्य

राष्ट्रीय पर्यटन दिवस 25 जनवरी को पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सुउषा ठाकुर द्वारारूपे कार्ड और ई-टिकिटिंग केलोकार्पण के साथ मध्यप्रदेश ऐसा पहला राज्य बन गया जहाँ संग्रहालयों और स्मारकों में प्रवेश के लिये ई-टिकिटिंग व्यवस्था लागू की गई है।

साथी परियोजना लागू करने वाला देश का पहला राज्य

मध्यप्रदेश साथी परियोजना लागू करने वाला देश का पहला राज्य होगा। परियोजना किसानों की आय को दोगुना करने के सरकार के लक्ष्य की पूर्ति में कारगर सिध्द होगी। साथ ही आत्म-निर्भर भारत एवं आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के स्वप्न को पूरा करने में भी सहायक होगी।

प्रदेश की तीन शख्सियत को पद्म सम्मान

भारत सरकार ने मध्यप्रदेश की पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा ताई महाजन को पद्म भूषण तथा विख्यात भीली चित्रकार भूरी बाई और साहित्यकार डॉ. कपिल तिवारी को पद्मसम्मान देने की घोषणा की।

एसईडीसी, सामान्य प्रशासन, एनआईसी को पुरस्कार

कम्प्यूटर सोसायटी ऑफ इंडिया ने मध्यप्रदेश इलेक्ट्रॉनिक डेव्हलपमेंट कॉर्पोरेशन को मध्यप्रदेश में ई-ऑफिस के क्रियान्वयनमें उत्कृष्ट योगदान के लिये लखनऊ कॉन्फ्रेंस में वर्ष 2020 के लिए स्टेट केटेगरी में पुरस्कृत किया है। पुरस्कार एमपीएसईडीसी के साथ ही सामान्य प्रशासन विभाग और एनआईसी को संयुक्त रूप से दिया गया है।

दूसरी किस्त का पहला ट्रांच लेने वाला पहला राज्य

भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय ने जल जीवन मिशन के तहत मध्यप्रदेश को दूसरी किस्त के पहले ट्रांच के रूप में 320 करोड़ से अधिक राशि की ग्रांट स्वीकृत की है।दूसरी किस्त के पहले ट्रांच की ग्रांट प्राप्त करने वाला (लक्ष्य के आधार पर) देश के सात बड़े राज्यों में मध्यप्रदेश पहला राज्य है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने 11 नवम्बर, 2020 को जिला खण्डवा में नदी पुनर्जीवन के कार्य क्षेत्र में बेहतर कार्य को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया।

प्रदेश का अति सघन वन क्षेत्र 2437 वर्ग कि.मी.बढ़ा

मध्यप्रदेश में अति सघन वन क्षेत्र में 2437 वर्ग किलोमीटर अर्थात 2 लाख 43 हजार 700 हेक्टेयर की वृद्धि हुई है। यह प्रदेश के लिये बड़ी उपलब्धि है। भारतीय वन सर्वेक्षण की 2019 की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2005 में प्रदेश में अति सघन वन क्षेत्र 4239 वर्ग किलोमीटर था, जो 2019 में बढ़ कर 6676 वर्ग किलोमीटर अर्थात 6 लाख 67 हजार 600 हेक्टेयर हो गया है।

म्युनिसिपल परफॉर्मेंस इंडेक्स में इंदौर प्रथम

भारत सरकार के शहरी विकास और आवासन मंत्रालय द्वारा जारी म्युनिसिपल परफॉर्मेंस इंडेक्स में 10 लाख से अधिक आबादी के शहरों में इंदौर ने प्रथम और भोपाल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। ईज ऑफ लिविंग इंडेक्स में इंदौर को देश में 9वाँ स्थान मिला है। भारत सरकार के शहरी विकास और आवासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हरदीप सिंह पुरी ने इंदौर की सफलता पर बधाई देते हुए कहा है कि यह उपलब्धि प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सोच और उनकी कर्मठ कार्य-शैली की वजह से हासिल हुई है।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के क्रियान्वयन में प्रथम

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में मप्र को वर्ष 2020-21 में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। मध्यप्रदेश ने योजना में 152 प्रतिशत उपलब्धि अर्जित की है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त प्रथम स्थान के लिए महिला-बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई दी है।

ग्रीन इंडिया मिशन के कार्यों को विश्व बैंक ने सराहा

प्रदेश में वनों के सुधार से कार्बन संचयन और जलागम क्षेत्रों का संरक्षण कर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने, प्रशिक्षण-कौशल विकास के जरिए स्थानीय समुदाय की आजीविका को सुदृढ़ करने में ग्रीन इण्डिया मिशन योजना को विश्व बैंक द्वारा सराहा गया है।

स्ट्रीट वेंडर्स को ऋण उपलब्ध करवाने में अव्वल

प्रधानमंत्री स्वनिधि ऋण योजना के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश देश में अव्वल स्थान पर है। इसी कड़ी में ग्रामीण क्षेत्र के पथ व्यवसायियों के जीवन को आसान बनाने के लिए मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ-विक्रेता योजना प्रारंभ की गई, जिसके अच्छे परिणाम प्राप्त हो रहे हैं। योजना में ग्रामीण क्षेत्रों के छोटे-छोटे स्ट्रीट वेंडर्स को भी 10-10 हजार रुपये का ब्याज रहित ऋण दिलवाया गया है। क्रेडिट गारंटी राज्य शासन ने दी। ऋण प्रक्रिया को स्टाम्प डयूटी से भी मुक्त रखा गया है।

नगरीय निकायों ने ओडीएफ में मारी छलांग

प्रदेश के 248 नगरीय निकायों ने खुले में शौच की समस्या से मुक्ति प्राप्त करते हुए ओडीएफ से ओडीएफ ++ भारत सरकार के मानदण्डों को पूर्ण कर प्रमाणीकरण प्राप्त किया है। गत वर्ष जहाँ मध्यप्रदेश के 378 निकायमें से 108 निकाय ही ओडीएफ ++ प्रमाणीकरण प्राप्त करने में सफल हुए थे, वहीं इस वर्ष 248 नगरीय निकायने ओडीएफ ++प्रमाणीकरण प्राप्त किया है। साथ ही 71 निकाय ओडीएफप्रमाण-पत्र प्राप्त करने में सफल हुए हैं। गत वर्ष की तुलना में लगभग 2.5 गुना निकायों ने ओडीएफ ++की कड़ी परीक्षा पास की है।

सीनियर सिटीजन के लिए हेल्पलाइन शुरू की

मध्यप्रदेश देश के अन्य राज्यों की तुलना में वरिष्ठ नागरिकों के लिए हेल्पलाइन शुरू करनेमें अग्रणी है। मध्यप्रदेश में हेल्पलाइन हेल्पेज इंडिया के सहयोग से शुरू की जा रही है। फिलहाल हेल्पलाइन एल्डर लाइन का नम्बर 14567 निर्धारित किया गया है।

इंटीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डाटाबेस में दूसरा स्थान

अखिल भारतीय इंटीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डाटाबेस एप प्रोजेक्ट के 6 पायलट राज्यों में मध्यप्रदेश पुलिस का प्रदर्शन सराहनीय रहा है। मध्यप्रदेश ने इंटीग्रेटेड रो डएक्सीडेंट डाटाबेस में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। प्रदेश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रियल टाइम डाटाबेस एंट्री के लिए इंटीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डाटाबेस एप प्रदेश में पॉयलट प्रोजेक्ट के रूप में सबसे पहले प्रारंभ किया गया था, जिसमें 11 लाइट हाउस जिलों को जोड़ा गया था। मध्यप्रदेश में 47 जिलों में यह आईआरएडी एप क्रियाशील है, जिनमें सागर और जबलपुर जिला का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा है।

बाँधवगढ़ टाइगर रिज़र्व क्षेत्र में बाघों में बढ़ोत्तरी

प्रदेश के उमरिया जिले में स्थित बाँधवगढ़ टाइगर रिज़र्व क्षेत्र में बाघों के दो नवजात शावक सहित 3 से 6 माह के 8 शावकों के होने की पुष्टि हुई।मानपुर परिक्षेत्र के बड़खेड़ा बीट की एक गुफा में दो नवजात शावक, पनपथा कोर परिक्षेत्र के चन्सुरा और बिरुहली क्षेत्र में तकरीबन 3-3 माह के 4 शावक होने की पुष्टि हुई है। बाँधवगढ़ टाइगर रिज़र्व प्रबंधन को एक वर्ष तक के 41 बाघ शावक के प्रमाण मिले हैं।

मध्यप्रदेश पर्यटन की 12 इकाइयों को मिला अवॉर्ड

मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम की 12 इकाइयों को वर्ष 2021 के लिए ट्रिप एडवाइजर्स एनुअल ट्रेवलर्स अवॉर्ड और निगम की ग्वालियर स्थित इकाई तानसेन रेसीडेंसी को ट्रिप एडवाइजर्स ट्रेवलर च्वॉइस केटेगिरी का बेस्ट ऑफ द बेस्ट अवॉर्ड 2021 मिला। विश्व विख्यात पर्यटक मार्गदर्शी संस्था ट्रिप एडवाइजर यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका ने इन अवॉर्ड की घोषणा की। जिन 12 इकाइयों को यह अवॉर्ड मिला है, उनमें पलाश रेसीडेंसी भोपाल, बघीरा जंगल रिसॉर्ट मोचा, बेतवा रिट्रीट ओरछा, बायसन रिसॉर्ट मढ़ई, हॉलिडे होम्स अमरकंटक, जंगल कैम्प पन्ना, किपलिंग्स कोर्ट पेंच, मार्बल रॉक्स भेड़ाघाट, सफ़ारी लॉज़, मुक्की, शीशमहल ओरछा, व्हाइट टाइगर फॉरेस्ट लॉज़ बांधवगढ़ शामिल हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना में द्वितीय

प्रधानमंत्री आवास योजना में मध्यप्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है। प्रदेश में अब तक चालू वित्तीय वर्ष में एक लाख 97 हजार आवास स्वीकृत किए जा चुके है।22 लाख 37हजार आवास पूर्ण कर लिए गए हैं।

स्थानीय निकायों में सुधार में मध्यप्रदेश सबसे आगे

मध्यप्रदेश स्थानीय निकायों में सुधार के मामले में देश के सभी राज्यों में सबसे आगे है। इसके परिणाम स्वरूप भारत सरकार द्वारा मध्यप्रदेश खुले बाजार के लिए 2 हजार 373 करोड़ रुपए की अतिरिक्त पूँजी जुटाने की अनुमति दी गई।

एशिया का सबसे लंबा हाई स्पीड ऑटोमोबाइल ट्रेक

इंदौर को 29 जून को एशिया के सबसे लंबे हाई स्पीड ट्रेक (एचएसटी) की सौगात मिली है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्म-निर्भर भारत अभियान के तहत देश को ऑटो हब बनाने के सपने को साकार करने में अपना योगदान देगा। साथ ही प्रदेश में रोज़गार के अवसर भी उपलब्ध करवायेगा।

एक दिन में बने एक लाख 20 हजार आयुष्मान कार्ड

आयुष्मान योजना में एक दिन में 22 दिसम्बर, 2020 को एक लाख 20 हजार परिवारों के आयुष्मान कार्ड जनरेट किये गये।अप्रैल के बाद कोरोना काल की प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद अप्रैल 2020 से अब तक ढाई करोड़ से अधिककार्ड बनाये गये हैं।

एमएसएमई रिकवरी मॉडल को गुजरात अपनायेगा

गुजरात सरकार अब मध्यप्रदेश सरकार के एमएसएमई इंटरप्राइजेज फेसिलिटेशन काउंसिल यानि सुदृढ़ीकरण परिषद के मॉडल को अपनायेगी। गुजरात के अधिकारियों के दल ने मध्यप्रदेश के मॉडल का अध्ययन किया और इसे अपने प्रदेश में लागू करने की बात कही। गुजरात शासन ने मध्यप्रदेश में उद्योगों के वित्तीय लेन-देन में 45 दिन की समय-सीमा के बाद होने वाले विवाद की स्थिति में समझौते आदि करवाने के लिए प्राधिकरण की गतिविधियों में रुचि प्रदर्शित की है। मध्यप्रदेश में इस तरह के प्रकरणों में वसूली के लिए आरआरसी जारी कर वसूली का भी प्रावधान है।

एनीमिया मुक्त भारत अभियान में पुनः देश में अव्वल

एनीमिया मुक्त भारत के वर्ष 2020-21 के इण्डेक्स में मध्यप्रदेश प्रथम रहा। वर्ष 2019-20 में भी मध्यप्रदेश प्रथम स्थान पर था। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एनीमिया मुक्त भारत अभियान में प्रदेश को प्रथम स्थान मिलने पर संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को शुभकामनाएँ दी हैं।

4 जिलों में खेलो इण्डिया सेंटर के लिए 40 लाख मंजूर

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम, खेल मंत्रालय, नई दिल्ली ने मध्यप्रदेश को चार जिलों में खेलो इण्डिया सेंटर बनाने के लिए 40 लाख रुपये की मंजूरी प्रदान की है। दतिया में रोईंग, मुरैना में एथलेटिक्स, सागर में हॉकी एवं देवास में बैडमिंटन के सेंटर स्थापित किये जायेंगे।

हरदा ई-मंडी के रूप में प्रदेश की पहली कृषि उपज मंडी

कृषि उपज मंडी हरदा को ई-मंडी के पायलट प्रोजेक्ट में शामिल होकर ई-मंडी के रूप में संचालित होने वाली प्रदेश की प्रथम मंडी होगी।इस मंडी में अब किसानों को सभी सुविधाएँ इलेक्ट्रॉनिकली मिलेगी। मंडी में प्रवेश द्वार से लेकर नीलामी की प्रक्रिया, अनुबंध-पत्र, टोल पर्ची, भुगतान-पत्र, अनुज्ञा-पत्र सभी इलेक्ट्रॉनिकली जारी किए जाएंगे। पूरा सिस्टम पेपरलेस होकर ऑनलाइन होगा। कृषकों को सारी जानकारियाँ और मैसेज ऑनलाइन भेजे जाएंगे। •

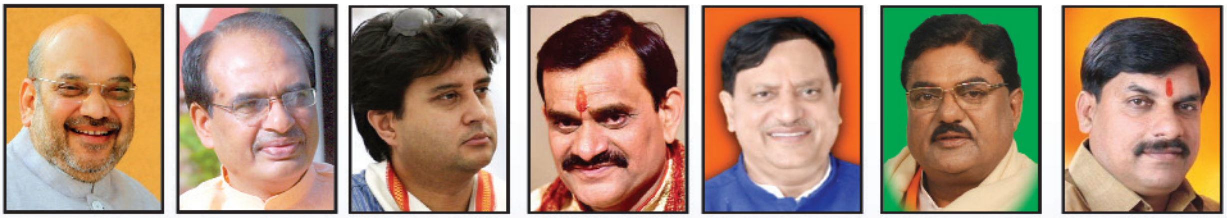

किसान क्रेडिट कार्ड

कृषि यंत्र के लिए ऋण

दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)

मत्स्य पालन हेतु ऋण

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण

नववर्ष समस्त प्रदेश वासियों के जीवन में खुशहाली लाए...

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री हर्ष दीक्षित (कलेक्टर एवं प्रशासक) | श्री संजय दलेला (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री जे.पी. सोनकुसरे (उपायुक्त सहकारिता) | श्री कमल मकाश्रे (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री दिलीप चौहान (मुख्य कार्यपालन अधिकारी)

सौजन्य से : श्री माँगीलाल शर्मा (शा.प्र. माचलपुर) । श्री अली मोहम्मद (पर्य. माचलपुर) । श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा (शा.प्र. नरसिंहगढ़) । श्री रामबाबू व्यास (पर्य. नरसिंहगढ़) । श्री सुरेन्द्रसिंह चौहान (शा.प्र. राजगढ़) । श्री मोहनलाल शर्मा (पर्य. राजगढ़)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. माचलपुर, जि.राजगढ़ श्री अली मोहम्मद (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. सूरजपोल, जि.राजगढ़ श्री गोविंद शर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. पीपल्याकुल्मी, जि.राजगढ़ श्री अली मोहम्मद (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. चैनपुरा, जि.राजगढ़ श्री भगवानसिंह चन्द्रावत (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. रामगढ़, जि.राजगढ़ श्री दिनेश कुमार तेजरा (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. बेरसिया, जि.राजगढ़ श्री गजेन्द्र श्रीवास्तव (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. भगोरा, जि.राजगढ़ श्री दिनेश कुमार तेजरा (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. भवांस, जि.राजगढ़ श्री भँवरसिंह विकावत (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. गोघटपुर, जि.राजगढ़ श्री भगवानसिंह पँवार (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. सवांसी, जि.राजगढ़ श्री भगवानसिंह हाड़ा (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. कुण्डालिया, जि.राजगढ़ श्री कैलाशसिंह मंडलोई (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. लखनवास, जि.राजगढ़ श्री रविप्रकाश पंवार (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. लखोनी, जि.राजगढ़ श्री कैलाशसिंह मंडलोई (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. आगर, जि.राजगढ़ श्री भँवरसिंह विकावत (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. कुमड़ा, जि.राजगढ़ श्री अली मोहम्मद (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. करेड़ी, जि.राजगढ़ श्री मोहनलाल शर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. आगरिया, जि.राजगढ़ श्री दिनेश कुमार तेजरा (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. चाटूखेड़ा, जि.राजगढ़ श्री रामबाबू सिसोदिया (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. ब्राह्मणगाँव, जि.राजगढ़ श्री कैलाशसिंह मंडलोई (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. फूलखेड़ी, जि.राजगढ़ श्री यादवप्रकाश शर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. आमलाबै, जि.राजगढ़ श्री भगवानसिंह पँवार (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. कालीपीठ, जि.राजगढ़ श्री छब्बीलाल दांगी (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. आंदलहेड़ा, जि.राजगढ़ श्री भगवानसिंह हाड़ा (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. पिपलबेह, जि.राजगढ़ श्री मुकेश शर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. मुंडली, जि.राजगढ़ श्री शिवपालसिंह परमार (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. माचलपुर, जि.राजगढ़ श्री रघुवीरसिंह खीँची (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. कोटरा, जि.राजगढ़ श्री गोविंद शर्मा (प्रबंधक)	समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

खेती को घोषित करें राष्ट्रीय कार्य

■ गुंजन मिश्र

देश में पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की घोषणा हो चुकी है। इसके साथ ही प्रत्येक राजनीतिक पार्टी मतदाताओं को रिझाने के लिए तमाम तरह के वादों के साथ अपने घोषणा पत्र तैयार कर रही हैं। इसी के तहत मिलेटस (मोटा अनाज) से बने सतुआ आदि जैसे तमाम पौष्टिक आहारों को छोड़कर कोई मोमोज, तो कोई पार्टी चाउमीन का स्वाद अपने-अपने घोषणा पत्र में लोगों को देना चाहती है। ठीक उसी तरह, जिस तरह बिल गेट्स ने आम लोगों को जलवायु परिवर्तन रोकने या कम करने के लिए कृत्रिम बीफ खाने का सुझाव दिया है! चुनाव के समय राजनीतिक पार्टियां यह भूल जाती हैं कि जो घोषणाएं वे कर रही हैं, सरकार में आने के बाद उन घोषणाओं को पूरा करने में वे कितनी सक्षम एवं तनाव रहित होंगी। यह तनाव उन कर्मचारियों को होता है, जो जमीनी स्तर पर लोगों से जुड़े हुए हैं।

आज जिन पर्यावरणीय समस्याओं से आम आदमी जूझ रहा है, उनका हल या उपाय ग्रीन टेक्नोलॉजी में है, ऐसा सरकारों व उद्योगपतियों का कहना है। लेकिन ऐसा संभव नहीं है, क्योंकि आर्थिक विकास असीमित नहीं हो सकता। अतः आज एक ऐसे घोषणा पत्र की जरूरत है, जिसमें समाज अपनी ऊर्जा से आगे बढ़े और अपने देश की प्रमुख बड़ी समस्याओं का स्वतः समाधान बनकर राज्य सरकारों को देश-दुनिया की समस्याओं से निजात दिलाने का मार्गदर्शक बनाए।

अब प्रश्न यह है कि कौन-से क्षेत्र को सशक्त बनाया जाए, जिससे वैश्विक और स्थानीय समस्याओं का समाधान मिले व देश उन्नति व खुशहाली के मार्ग पर चल पड़े। देश के विकास में विभिन्न सेक्टरों के योगदान को देखते हुए कृषि का क्षेत्र ही ऐसा है, जिसमें देश की कम से कम पचास फीसदी जनसंख्या जुड़ी हुई है, एवं सतत जीवन लक्ष्यों का कृषि से सीधा संबंध है। कृषि और कृषक के दोहन की समस्याएं बहुत हैं, इसलिए प्रश्न भी बहुत होना स्वाभाविक है।

अतः राजनीतिक पार्टियों को चाहिए कि वे अपने घोषणा पत्र में किसानी को प्रमुखता के साथ राष्ट्रीय कार्य घोषित करें। इसके लिए किसानों के लिए मानक तय किए जाएं। उदाहरण के लिए, ऐसे किसान, जो अपने खेत में वर्षा जल का उपयोग व संरक्षण करते हों, अपने खेत में बागवानी करते हों, जो अपने खेत के अनुपात में पशुपालन/गौपालन करते हों, अपने ही घर-गांव में कृषि उत्पाद प्रसंस्करण कार्य करते हों और ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार देते हों, जिनके पास बीज-खाद स्वयं का हो, बैलों से खेती करते हों, घरेलू उपयोग और कृषि सिंचाई पानी के लिए सौर ऊर्जा का प्रयोग करते हों, एवं बहु फसली खेती करते हों, उन्हें मानक माना जा सकता है और उन्हें प्रोत्साहित किया जा सकता है। ऐसे कदम से भू-जल समृद्धि, वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड का संतुलन, रोजगार और पौष्टिक आहार में वृद्धि हो सकती है और खेती के प्रति रुझान में कमी, पलायन, शहरों में बढ़ती आबादी के दबाव, कुपोषण जैसी समस्याओं से निजात मिल सकती है। इससे जैव-विविधता को बचाने में भी मदद मिल सकती है और किसान आत्महत्या पर अंकुश लग सकता है। किसानों को साठ वर्ष की उम्र के बाद मासिक और निश्चित सम्मान निधि दिए जाने पर भी विचार किया जाना चाहिए।

ऐसे घोषणा पत्र से राज्य और केंद्र की सरकारें कम आर्थिक बोझ महसूस करेंगी। जब चिली जैसा देश जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दे के हल के लिए एक नया संविधान तक बना सकता है, तब क्या हमारे देश की राजनीतिक पार्टियां अपने घोषणा पत्रों के केंद्र में अहिंसात्मक कृषि को नहीं रख सकतीं। कृषि में उपयोग होने वाले रासायनिकों, कीटनाशकों आदि के कारण जैवविवधता या पर्यावरण को जो नुकसान पहुंचता है, यह मादक पदार्थों की तस्करी, मानव तस्करी और जालसाजी के बाद दुनिया की चौथी सबसे बड़ी आपराधिक गतिविधि है।

यही कारण है कि प्रधानमंत्री किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि मुझे 100 अच्छे लोग अगर मिल जाएं, तो देश को खुशहाल बना दूंगा। इस मुद्दे पर तो देश का पूरा कृषि से जुड़ा वर्ग शामिल होगा। तब निश्चित ही 'सबका विकास' हो सकेगा। •

सिंधुताई सपकाल

हजारों बेसहारों की 'माई' का जाना

■ नरपत दान बारहठ

सिंधुताई सपकाल का जीवन साहस, समर्पण और सेवा की एक प्रेरक गाथा है। उन्होंने अनाथ और बेसहारा बच्चों, आदिवासियों और हाशिये की जिंदगी जीने वालों को प्रेम किया और उनकी सेवा की।

प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता सिंधुताई सपकाल का 74 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्हें महाराष्ट्र की 'मदर टेरेसा' कहा जाता है। उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी अनाथ बच्चों की सेवा में गुजारी। ताई का जन्म उस दौर में हुआ, जब लड़की का पैदा होना, वह भी एक गरीब के घर, किसी अभिशाप से कम नहीं माना जाता था। उन्हें भी एक अनचाहा अभिशाप माना गया, इसीलिए उनका नाम रखा गया, 'चिंदी' (मतलब एक फटे हुए कपड़े का टुकड़ा)। घर के हालात कुछ ऐसे थे कि चिंदी को भैंस चराने जाना पड़ता। इसी काम से कुछ वक्त निकालकर वह स्कूल जाने लगीं। पढ़ने में उनका बड़ा मन लगता था। किसी तरह उन्होंने चौथी पास की। पारिवारिक रूढ़िवादी विचारों के कारण आगे की पढ़ाई बंद हो गई। जब वह 10 साल की हुईं, तब उनकी शादी 30 वर्षीय 'श्रीहरी सपकाल' से हुई। 20 साल की उम्र में वह एक बच्ची की मां बन गईं। लेकिन एक घटना ने उनके जीवन को बदल दिया।

एक दिन सिंधुताई ने गांववालों को उनकी मजदूरी के पैसे न देनेवाले गांव के मुखिया की शिकायत जिलाधिकारी से कर दी। अपने इस अपमान का बदला लेने के लिए मुखिया ने सिंधुताई के पति श्रीहरी को उन्हें घर से बाहर निकालने के लिए दबाव डाला

और बाध्य किया। उस समय वह नौ महीने से गर्भवती थीं। उसी रात उन्होंने तबेले में (गाय-भैंसों के रहने की जगह) एक बेटी को जन्म दिया। फिर पिता के देहांत के कारण मां ने भी उन्हें अस्वीकार कर दिया।

भटकती हुई मजबूरी में अपनी बेटी के साथ वह रेलवे स्टेशन पर रहने लगीं। वह पेट भरने के लिए भीख मांगतीं और रात को खुद को और बेटी को सुरक्षित रखने के लिए श्मशान में रहतीं। इस संघर्षमयी काल में सिंधुताई अपने और अपनी बच्ची की भूख मिटाने के लिए ट्रेन में गा-गाकर भीख मांगने लगीं। जल्द ही उन्होंने देखा कि स्टेशन पर और भी कई बेसहारा बच्चे हैं, जिनका कोई नहीं है। सिंधुताई अब उनकी भी माई बन गईं।

उन्होंने 1,400 से अधिक अनाथ बच्चों को गोद लिया। ये सभी बच्चे उन्हें माई कहकर बुलाते थे। उनके इस परिवार में आज 207 दामाद और 36 बहूएं और 1,000 से भी ज्यादा पोते-पोतियां हैं। उनकी खुद की बेटी वकील है और उनके गोद लिए बहुत सारे बच्चे आज डॉक्टर, अभियंता और वकील हैं और उनमें से बहुत सारे खुद का अनाथाश्रम भी चलाते हैं। उनके अनाथाश्रम पुणे, वर्धा, सासवड (महाराष्ट्र) में स्थित हैं। उनकी बेटी भी एक अनाथालय चलाती हैं।

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय समेत करीब 172 अवॉर्ड पा चुकीं ताई कहती थीं कि मांगकर यदि इतने बच्चों का लालन-पालन हो सकता है, तो इसमें कोई हर्ज नहीं। समाज सेवा जैसे भारी शब्द भी सिंधुताई के आगे पानी भरते नजर आने लगते हैं। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने उन्हें याद करते हुए कहा, 'डॉ. सिंधुताई सपकाल का जीवन साहस, समर्पण और सेवा की एक प्रेरक गाथा है। उन्होंने अनाथ और बेसहारा बच्चों, आदिवासियों और हाशिये की जिंदगी जीने वालों को प्रेम किया और उनकी सेवा की।' पिछले साल पद्मश्री से अलंकृत सिंधुताई सचमुच करोड़ों लोगों के लिए एक मिसाल थीं और रहेंगी। •

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण	दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री बी.एल. मकवाना
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री सुनील सिंह
(प्रशासक एवं उपायुक्त)

श्री एम.ए.कमाली
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री आलोक कुमार जैन
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ

सौजन्य से

श्री भूपेन्द्र कुमार वर्मा (शा.प्र. जावरा)
श्री कमलसिंह चंद्रावत (पर्य. जावरा)

श्री दीपेन्द्र दवे (शा.प्र. रिंगनोद)
श्री राधेश्याम सोनी (पर्य. रिंगनोद)

श्री देवेन्द्र शर्मा (शा.प्र. ढोढर)
श्री कन्हैयालाल परमार (पर्य. ढोढर)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जावरा, जि.रतलाम
श्री कमलसिंह चंद्रावत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. झालवा, जि.रतलाम
श्री कमलसिंह चंद्रावत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भीमाखेड़ी, जि.रतलाम
श्री कमलसिंह चंद्रावत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हसन पालिया, जि.रतलाम
श्री राकेश उपाध्याय (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सरसी, जि.रतलाम
श्री राकेश उपाध्याय (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भूतेड़ा, जि.रतलाम
श्री राकेश उपाध्याय (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हाट पीपल्या, जि.रतलाम
श्री शरद जोशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. उपलई, जि.रतलाम
श्री शरद जोशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बहादुरपुर, जि.रतलाम
श्री शरद जोशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बिनोली, जि.रतलाम
श्री कारूलाल सावलिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. असावती, जि.रतलाम
श्री कारूलाल सावलिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रोला, जि.रतलाम
श्री कारूलाल सावलिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रिंगनोद, जि.रतलाम
श्री राधेश्याम सोनी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. माण्डवी, जि.रतलाम
श्री राधेश्याम सोनी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गोदीशंकर, जि.रतलाम
श्री राधेश्याम सोनी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ढोढर, जि.रतलाम
श्री कन्हैयालाल परमार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पिंगराला, जि.रतलाम
श्री कन्हैयालाल परमार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चिकलाना, जि.रतलाम
श्री फकीरचंद कटारिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कलालिया, जि.रतलाम
श्री फकीरचंद कटारिया (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

सहकारिता में रोज़गार और विकास की संभावनाएँ

■ अमित शाह

केंद्रीय सहकारिता मंत्री

सहकारिता क्षेत्र में रोज़गार और विकास की अनेक संभावनाएँ हैं, इसमें में करियर के लिए पोटेंशियल के साथ ही आत्मसंतोष भी है। आने वाले दिनों में भारत के पाँच ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल करने में सहकारिता मंत्रालय और सहकारिता आंदोलन की बहुत बड़ी भूमिका होगी।

सहकारी संस्थाओं ने इस देश के विकास, आज़ादी के आंदोलन और सम विकास लाने में बहुत महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह आज़ादी के 75 साल का वर्ष है, आज़ादी के अमृत महोत्सव का वर्ष है। 75 सालों में कई सरकारें आईं और गईं, मगर किसी ने सहकारिता मंत्रालय बनाने की ज़रूरत नहीं समझी। इसी वर्ष प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने यह फ़ैसला किया कि सहकारिता एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है और उसे अब एक संपूर्ण मंत्रालय देने की ज़रूरत है और उन्होंने सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की। मेरा सौभाग्य है कि मैं देश का पहला सहकारिता मंत्री बना हूँ।

सहकारिता क्षेत्र में रोज़गार और विकास की अनेक संभावनाएँ हैं, इसमें में करियर के लिए पोटेंशियल के साथ ही आत्मसंतोष भी है। आने वाले दिनों में भारत के पाँच ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल करने में सहकारिता मंत्रालय और सहकारिता आंदोलन की बहुत बड़ी भूमिका होगी। सहकारिता के क्षेत्र अमूल जैसी सहकारी संस्था देश की 36 लाख बहनों से सुबह शाम दूध एकत्र कर हर साल 52,000 करोड़ रुपये वितरित करती है। देश की अनेक सहकारी संस्थाओं ने सफलता की अनेक नई गाथाएँ रची हैं और अमूल के अलावा इफ़्को, कृभको और लिज्जत पापड़ देश की प्रतिष्ठित सहकारी संस्थाएँ हैं।

आज जब देश दुनिया के सामने आत्मनिर्भर बन कर खड़ा रहना चाहता है तो ऐसे में सहकारिता क्षेत्र की बहुत अधिक प्रासंगिकता है। आत्मनिर्भर का मतलब देश की सभी आवश्यकताओं का देश में ही उत्पादन करने के साथ ही देश के 130 करोड़ लोगों को अपना जीवन यापन करने के लिए आत्मनिर्भर बनाना भी है। 130 करोड़ लोगों को आत्मनिर्भर बनाने और देश में सम विकास लाने के लिए सहकारिता के अलावा और कोई क्षेत्र नहीं हो सकता। 130 करोड़ लोगों का

जुड़ी अनेक योजनाएँ निचले स्तर तक पहुँच रही हैं। आज देश में प्राकृतिक खेती के रूप में एक बहुत बड़ा बदलाव आ रहा है। आज हर कोई चाहता है कि वह आर्गेनिक उत्पाद खाए। बहुत सारे किसानों ने ऑर्गेनिक खेती को अपनाया है, लेकिन उन्हें अपने उत्पाद के सही दाम नहीं मिल पाते हैं क्योंकि भूमि और उत्पादों के सर्टिफिकेशन और मार्केटिंग की व्यवस्था नहीं है। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय ने तय किया है कि अमूल के साथ मिलकर ऑर्गेनिक खेती करने वाले किसानों को उसके खेत और उत्पाद के लिए विश्व स्तर पर वैध प्रमाण पत्र देने के साथ ही एक बहुत बड़ी मार्किट चेन बनाने की भी व्यवस्था करें ताकि किसानों को उनके उत्पाद का और ज़्यादा मूल्य मिल सके और वे उनका निर्यात भी कर सकें।

देश में सहकारिता क्षेत्र को बढ़ाने का फ़ैसला लिया है और और अगले 25 साल के लिये एक ऐसी सहकारिता नीति बनानी होगी जिसको लागू किया जा सके। सहकारिता मंत्रालय ने इस नीति को बनाने का काम शुरू कर दिया है और कुछ ही समय में मोदी जी के नेतृत्व में हम देश के सामने एक नई सहकारिता नीति पेश करेंगे जो देश के अंदर कोऑपरेटिव को हर गाँव तक पहुँचाएगी। जल्दी ही एक सहकारिता विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी जिससे देश भर के अनेक राज्यों के कॉलेज संबद्ध होंगे। यह एक नेशनल यूनिवर्सिटी होगी जो राज्यों के कॉलेजों को संबद्ध कर सहकारिता क्षेत्र को मज़बूत करेंगी। सहकारिता शिक्षण संस्थाओं में इस तरीक़े की व्यवस्था होनी चाहिए जिसमें सब छात्रों का प्लेसमेंट होने के बाद ही डिग्री दी जानी चाहिए। देश में सहकारिता को बढ़ावा देने, सहकारिता के माध्यम से ग़रीब से ग़रीब व्यक्ति के जीवन स्तर को ऊपर उठाने और छोटे किसानों को समृद्ध बनाने का काम सिर्फ़ युवा ही कर सकते हैं। सहकारिता क्षेत्र में रोज़गार मिलने के बाद भी युवाओं को इसे आगे बढ़ाना चाहिए। काम में तनख्वाह के साथ ही काम से संतुष्टि भी बहुत ज़रूरी है और यह तभी मिल सकती है जब आप सहकारिता के विस्तार के लिए कार्य करें।

यह बहुत ही महत्वपूर्ण वर्ष है क्योंकि यह आज़ादी के अमृत महोत्सव का वर्ष है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश की जनता के सामने आज़ादी के अमृत महोत्सव के दो उद्देश्य रखे हैं। एक देश को आज़ादी दिलाने के लिए अपना सर्वस्व बलिदान करने वाले जाने-अंजाने शहीदों को देश याद करना, उन्हें श्रद्धांजलि देना और दूसरा देश भर के युवाओं में एक बार फिर देशभक्ति की जोत जगाने के साथ ही यह संकल्प लेना कि जब आज़ादी के सौ साल होंगे तब भारत कैसा होगा। अगर हमारे देश की आज की पीढ़ी यह सोचती है कि जब आज़ादी के सौ साल होंगे तब देश कैसा होगा तभी इसकी उपयोगिता है। इसके लिए सोचने के साथ-साथ संकल्प भी लेना होगा। कुछ संकल्प देश

समावेशी, सम और सर्वस्पर्शीय विकास सहकारिता क्षेत्र ही कर सकता है। कई कारणों से सहकारिता क्षेत्र धीरे धीरे क्षीण होता जा रहा था लेकिन आज सहकारिता क्षेत्र को फिर से मज़बूत कर उसे देश की जीडीपी में सबसे बड़ा कंट्रीब्यूटर बनाना है और इसके लिये सभी को सहकारिता के क्षेत्र में मन लगाकर काम करना होगा।

सहकारिता क्षेत्र को मज़बूत बनाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अनेक महत्वपूर्ण क़दम उठाए जा रहे हैं। हम मल्टी स्टेट ऑपरेटिव एक्ट को संशोधित कर उसमें जो भी कमियां हैं उन्हें दूर करेंगे।साथ ही प्राइमरी एग्रीकल्चर सोसायटी (पैक्स) जो कि सहकारिता क्षेत्र की आत्मा है उनका संपूर्ण कंप्यूटरीकरण किया जाएगा। पैक्स को डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक के साथ, डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंकों को स्टेट कोऑपरेटिव बैंकों के साथ और स्टेट कोऑपरेटिव बैंकों को नाबार्ड से जोड़ा जाएगा और नाबार्ड से लेकर लेकर गाँव तक एक पूरी पारदर्शी एग्रीकल्चर फाइनेंस की व्यवस्था बनायी जाएगी। अगर इस देश के आधे गाँवों में पैक्स स्थापित होते हैं और वे पारदर्शी तरीक़े से चलते हैं तो इस देश के अर्थतंत्र को बहुत अधिक गति मिलेगी और देश के किसानों और ख़ासकर ग़रीब किसानों को अपनी उपज का सीधा फ़ायदा मिलेगा।

बहुत सारे विभागों में सहकारिता की बहुत सारी योजना पड़ी हुई थीं, आज तक उनका कोई मालिक नहीं था लेकिन अब सहकारिता मंत्रालय के माध्यम से 23 विभागों में सहकारिता से

कोऑपरेटिव के साथ कोई भी दोयम दर्जे का व्यवहार नहीं कर पाएगा और यह बहुत कम समय में दिखना भी शुरू होगा।

के नाते लेने होंगे, कुछ क्षेत्रों को लेने होंगे और कुछ संकल्प व्यक्ति के नाते लेने होंगे कि अगले 25 साल मैं देश के लिए क्या करूँगा। यदि 130 करोड़ लोग छोटा छोटा संकल्प लें और जीवन भर उसका पालन करें तो बहुत अधिक ऊर्जा निर्मित होगी। जब 130 करोड़ लोग संकल्प लेते हैं तो इन संकल्पों का संपुट देश इतने आगे ले जाएगा कि दुनिया की आंखें चौंधिया जाएँगीं। अगले 25 साल का समय आज़ादी का अमृत काल है, इसमें जो संकल्प लेते हैं उन्हें सिद्धि में परिवर्तित करना है,उन्हें पूरा करना है।

हमारे देश में सामूहिक संकल्प की प्रथा ही समाप्त हो गई थी, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इसे आगे बढ़ाया है। आज कोरोना की स्टडी करने के लिए दुनियाभर के कई देशों के दल आते हैं और पूछते हैं कि जब मोदी जी ने जनता कर्फ्यू का आह्वान किया तो बिना किसी पुलिस नोटिफिकेशन के प्रधानमंत्री के आह्वान पर 130 करोड़ लोगों ने अपने आपको घर में कैसे रख लिया। यह बहुत बड़ी बात है और यह घटना बताती है कि अगर हम संकल्प करते हैं तो कठिन से कठिन चीज भी हासिल कर सकते हैं। जब कोरोना आया तब पूरी दुनिया चकित थी कि भारत जैसे देश में क्या होगा, जहाँ स्वास्थ्य की सेवाओं का इंफ्रास्ट्रक्चर ही नहीं है और वास्तविकता भी यही थी, एक ही लैब था पुणे में। लेकिन आज कोई ऐसा जिला नहीं है जहाँ लैब नहीं है, ऑक्सीजन बेड 10 गुना बढे हैं, वेंटिलेटर 6 गुना बढे हैं, 50 बिस्तर से ऊपर वाले अस्पतालों में अपना ऑक्सीजन उत्पादन है। यह सारे परिवर्तन 2 साल में किये गये हैं। 130 करोड़ लोगों का वैक्सीनेशन हो रहा है। आज 155 करोड से अधिक वैक्सीन की डोज देने का काम समाप्त कर दिया है और व्यवस्था ऐसी है कि कुछ ही सेकंड में आपके मोबाइल पर सर्टिफिकेट आ जाएगा कि आपको दोनों डोज लग गए हैं। दुनिया भर में ऐसी व्यवस्था कहीं नहीं है। बच्चों ने ही कोवीन ऐप बनाया है और आज दुनियाभर के देश कोवीन ऐप मांग रहे हैं। मोदी जी ने प्रेरणा दी मगर काम तो देश के लोगों ने किया है, युवाओं ने किया।

मोदी सरकार व्यापक विचार विमर्श के बाद एक नई सहकार नीति लाने के लिए कृतसंकल्प है और कुछ ही समय में सहकारिता मंत्रालय के माध्यम से इसकी गतिविधियों को हम शुरू करेंगे। इस सहकारिता के क्षेत्र में प्रशिक्षण की दृष्टि से आमूलचूल परिवर्तन करना है। अगर प्राइमरी मेंबर का प्रशिक्षण करेंगे तभी समितियां कंट्रोल में रहेगी, तभी समितियां जवाबदेह बनेंगी, तभी पारदर्शिता आएगी। उन्होंने कहा कि सहकार के क्षेत्र के अंदर नए नए आयाम कैसे जोड़े जा सकते हैं उसके लिए भी एक टास्क फोर्स काम कर रहा है, वह भी एक नए मसौदे के साथ कुछ समय में देश की जनता के साथ सामने आएगा। देशभर में अब प्राकृतिक खेती बढ़ने लगी है, जागरूकता भी बहुत आई है। उर्वरक के कारण भूमि की उर्वरता खत्म होती जा रही है, बहुत सारे लोग प्राकृतिक खेती की ओर आगे बढ़ रहे हैं। बहुत बड़ा मार्केट है ऑर्गेनिक फूड का मगर क्या कोई किसान इसका फायदा प्राप्त कर पाएगा। कोऑपरेटिव को आगे आना पड़ेगा, इसके परीक्षण की व्यवस्था, भूमि के परीक्षण की व्यवस्था, उसके उत्पाद के परीक्षण की व्यवस्था, उसके सर्टिफिकेशन की व्यवस्था और फिर मार्केटिंग का चयन करना होगा। हम पहले दो राज्यों को हाथ में लेंगे जहां पर ऑर्गेनिक खेती के मार्केटिंग की चेन की व्यवस्था होगी, जिससे ऑर्गेनिक फार्मिंग करने वाले को इसका पूरा फायदा कोऑपरेटिव के माध्यम से उसके बैंक अकाउंट में पहुंचाया जाएगा। मोदी जी स्वयं मानते हैं कि सहकारिता के बगैर इस देश का समविकास करना असंभव है और अब कोऑपरेटिव के साथ कोई भी दोयम दर्जे का व्यवहार नहीं कर पाएगा और यह बहुत कम समय में दिखना भी शुरू होगा। •

किसान क्रेडिट कार्ड

कृषि यंत्र के लिए ऋण

खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण

दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)

मत्स्य पालन हेतु ऋण

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

समस्त प्रदेशवासियों का नववर्ष २०२२ पर

समस्त किसान भाइयों को 0% ब्याज दर पर फसल ऋण

हार्दिक अभिनंदन

सौजन्य से

श्रीमती मधुलता पटेल
(शा.प्र. बंडा)

श्री राघवेन्द्र ठाकुर
(शा.प्र. खिमलासा)

श्री पी.के. सिद्धार्थ
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री पी.आर. कावड़कर
(प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)

श्री एम.के. ओझा
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री डी.के. राय
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जगथर, जि.सागर
श्री गिरधारीलाल राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मुड़िया, जि.सागर
श्री कृष्णकुमार यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सौरई, जि.सागर
श्री जयसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बिनेका, जि.सागर
श्री मोतीलाल विश्वकर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पजनारी, जि.सागर
श्री प्रीतमसिंह लोधी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मगरधा, जि.सागर
श्री विजयसिंह लोधी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. उल्दन, जि.सागर
श्री हनुमत सिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. तीमोन, जि.सागर
श्री लालसिंह लोधी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सेसईसाजी, जि.सागर
श्री जगन्नाथ साहू (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. छापरी, जि.सागर
श्री मंगलसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चंदोखा, जि.सागर
श्री भरतसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भेड़ा, जि.सागर
श्री रमेश कुमार मिश्रा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बरा, जि.सागर
श्री रामरतन मिश्रा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पटौआ, जि.सागर
श्री रामसेवक यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बेरखेड़ी भड़राना, जि.सागर
श्री राजेश दुबे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मंजला, जि.सागर
श्री द्वारकाप्रसाद चौबे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गोराखुर्द, जि.सागर
श्री जवाहरलाल कुर्मी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खिमलासा, जि.सागर
श्री नीलेश चौबे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पथरिया जेगन, जि.सागर
श्री विनोद यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भुगावली, जि.सागर
श्री मनमोहन सेन (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दुगाहाकलां, जि.सागर
श्री राजा सेन (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बमनोरा, जि.सागर
श्री हरगोविंद चौबे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बसाहरी, जि.सागर
श्री अजय सिंह (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

टमाटर-भिण्डी का कीट प्रबंधन

वर्षा ऋतु की प्रमुख सब्जियों टमाटर, बैंगन, भिंडी, कद्दूवर्गीय सब्जियाँ इत्यादि हैं। यह सब्जियाँ प्रदेश के किसानों की आय का प्रमुख साधन है। परंतु कीट पतंगों से उत्पादन में 20 से 25 प्रतिशत तक कमी आ जाती है। यह कीट सब्जी उत्पाद की गुणवत्ता में भी कमी लाते हैं। इस लेख में हिमाचल प्रदेश में वर्षा ऋतु में उगाई जाने वाली टमाटर तथा भिंडी की फसलों के प्रमुख हानिकारक कीटों की पहचान, नुकसान के लक्षणों एवं प्रबंधन के बारे में बताया जा रहा है।

कटुआ कीट

यह एक बहुभक्षीय कीट है और इसका आक्रमण गर्मियों के मौसम की सभी सब्जियों में होता है। इस कीट के वयस्क भूरे रंग के पतंगे होते हैं जिनके अगले पंख हल्के भूरे रंग के तथा पिछले पंख सफेद होते हैं। मादा कीट की भूमि की सतह या पौधों के निचले भागों में अंडे देती है। अंडे से निकली सुंडी हल्का पीलापन लिए हुए स्लेटी रंग की होती है तथा छूने में चिकनी मालूम होती है। सुंडी को छेड़ने पर वह गोल आकार की बन जाती है। सुंडियों का प्रकोप छोटे पौधों पर अधिक होता है। सुंडियाँ दिन में जमीन में छिपी रहती है और रात के समय पौधों को जमीन की सतह से काट देती है। यह पौधों की शाखाओं व उगते हुए पौधों को जमीन की सतह से काट देती है। सुंडियाँ जितना खाती हैं उससे कई गुना अधिक पौधों को नुकसान पहुंचाती है।

नियंत्रण : पूर्णतया गली सड़ी गोबर की खाद का ही प्रयोग करें। प्रकाश प्रपंच लगाकर वयस्क कीटों को एकत्रित करके नष्ट कर दें। खेत से तथा आसपास उग रही घास खरपतवार आदि को नष्ट कर दें। कीटग्रस्त फसल की सिंचाई करें। खेत तैयार करते समय 4 लीटर क्लोरपाइरीफॉस 20 ई.सी. 50 किलोग्राम सूखी रेत में मिलाकर प्रति हैक्टेयर की दर से मिट्टी में मिलाएँ। प्रकोप होने पर 1 मि.ली. साइपरमैथरिन 10 ई.सी. प्रति लीटर पानी या 2 मि.ली. क्लरोपाइरीफॉस 20 ई.सी. प्रति लीटर पानी छोटे पौधों तथा मिट्टीकी सतह पर शाम के समय छिड़काव करें।

टमाटर का फल छेदक कीट

इस कीट की सुंडियाँ टमाटर के फूलों एवं फलों को क्षति पहुँचाती है। मादा पतंगा पत्तियों व फूलों पर अंडे देती है। अंडों से निकलकर सुंडियाँ फलों में प्रवेश कर फल के गूदे को खाती रहती है। सुंडियाँ हरे तथा भूरे रंग की होती है जो शरीर का आधा भाग फल के अंदर व आधा भाग फल के बाहर रखकर फलों को नुकसान पहुँचाती है। जिससे फल बाजार में भेजने लायक नहीं रहते हैं।

नियंत्रण : क्षतिग्रस्त फलों को सुंडियों सहित तोड़कर नष्ट कर दें। प्रकोप होने पर 2 ग्राम कार्बारिल 50 डब्ल्यू.पी. या 1 मि.ली. साइपरमैथरिन 10 ई.सी. या 1 मि.ली. डैल्टामैथरिन 2.8 ई.सी. या 0.8 मि.ली. लैम्बड़ा साइहैलोथ्रिन 5 ई.सी. प्रति लीटर पानी में घोलकर फूल आने पर छिड़काव करें। प्रकोप रहने पर 15 दिन के अंतराल पर पुनः छिड़काव करें।

फल मक्खी

इस कीट का प्रकोप खीरा, घिया, लौकी, करेला तथा अमरूद जैसे फलों में अधिक होता है। वयस्क मादा मक्खी अपने पेट के पिछले सुईनुमा भाग से फलों के अंदर छेद करके अंडे देती है।

अंडों से निकले शिशु (मैगट) फलों के गुदे पर निर्वाह करते हैं जिससे फल समय से पूर्व ही झड़ जाते हैं या पौधे पर ही सड़ जाते हैं। इस कीट का प्रकोप जून-जुलाई में शुरू होकर अक्टूबर महीने तक रहता है।

नियंत्रण : प्रभावित फलों को इकट्ठा करके गहरे में डालकर मिट्टी से ढक दें। जब जुन जुलाई के महीनों में प्रौढ़ फल मक्खी फसल पर नजर आए तभी उन्हें आकर्षित करने के लिए 50 ग्राम गुड़ या चीनी और 10 मि.ली. मैलाथियान 50 ई.सी. को 5 लीटर पानी में घोलकर पौधों तथा आसपास की झाड़ियों पर दिन के समय छिड़काव करें।

भिंडी का फल छेदक कीट

इस कीट के पतंगे पीले रंग के होते हैं। मादा पतंगा रात के समय फलों, कलियों तथा कोमल तनों पर अंडे देती है। सुंडियाँ विकसित हो रहे तनों में प्रवेश कर उन्हें नुकसान पहुँचाती है। बाद में फलों के अंदर घुसकर उन्हें खाने योग्य नहीं छोड़ती है। प्रकोप की प्रारंभिक अवस्था में टहनियाँ झड़ने लगती हैं और पौधे मर जाते हैं।

नियंत्रण : प्रकोप के लक्षण दिखाई देते ही 2 ग्राम कार्बारिल 50 डब्ल्यू.पी. प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

ब्लीस्टर भृंग

भृंग परागकण, कलियों व फूलों पर पलते हैं जिससे फल प्रभावित होता है। भृंगों के शरीर पर तीन काले व संतरी रंग के बैंड होते हैं।

नियंत्रण : भृंगों को इकट्ठा करके नष्ट कर दें। प्रकोप होने पर 2 ग्राम कार्बारिल 50 डब्ल्यू.सी. या 1 मि.ली. फेनवेलरेट 20 ई.सी. या 1 मि.ली. मैलाथियान 50 ई.सी. सी./लीटर पानी में घोलकर फूल आने पर छिड़काव करें।

सफेद मक्खी

इस कीट के शिशु पतली झिल्ली की तरह होते हैं जो पत्तों की निचली सतह पर चिपके रहते हैं। वयस्क कीट सफेद रंग की छोटी सी मक्खी के आकार के होते हैं जो पत्तों को निचली सतह ही रहते हैं। शिशु व वयस्क दोनों ही पत्तों से रस चूसते हैं जिसके कारण पत्ते पीले पड़ जाते हैं और सूख जाते हैं। यह कीट चिपचिपा पदार्थ भी छोड़ते हैं जिस पर काली फफूंदी लगने से पौधों की प्रकाश संश्लेषण क्रिया कम हो जाती है। इस कीट के प्रकोप से पौधों की बढ़ोतरी रुक जाती है तथा उपज में कमी आ जाती है।

नियंत्रण : प्रौढ़ कीटों को आकर्षित करने के लिए पीले चिपचिपे ट्रैप का प्रयोग करें। कीट रहित पौधों को ही पॉलीहाऊस में लगाएँ। रोपाई से पहले नर्सरी में 1 मि.ली. ट्राएजोफॉस 0.5 मि.ली. 40 ई.सी./लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। पौधों पर प्रकोप होने पर 1 मि.ली. ट्राएजोफॉस 40 ई.सी. या 0.05 ग्राम एसीटामेप्रिड 20 एस.पी./लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। किसी भी कीटनाशी का लगातार दो बार से अधिक प्रयोग न करें।

लाल माइट

इसका प्रकोप गर्म एवं शुष्क वातावरण में अधिक होता है। लाल माइट के पृष्ठ भाग पर प्रायः दो गाढ़े रंग के धब्बे होते हैं। ये धब्बे माइट के शरीर के अंदर के खाद्य पदार्थ के होते हैं जो कि बाहर झलकते हैं। माइट के शिशु एवं वयस्क दोनों ही पौधों के विभिन्न भागों से रस चूसते हैं जिस कारण पौधे का हरा भाग नष्ट हो जाता है। पत्तों पर पहले सुई की नोंक जैसे छोटे छोटे हल्के सफेद पीले रंग के धब्बे पड़ जाते हैं अधिक आक्रमण होने पर माइट पौधों पर रेशमी जाल बना लेती है एवं उस जाल में अंडे व माइट की सभी अवस्थाएँ पाई जाती हैं।

नियंत्रण : पौधों पर इस माइट के लक्षण दिखाई देने पर 1 मि.ली. मैलाथियान 50 ई.सी. या 1 मि.ली. प्रोपारजाईट 57 ई.सी. या 2 मि.ली. डाइकोफॉल 18.5 ई.सी. 7 से 10 दिनों के अंतराल या 3-5 वयस्क माइट (प्रति पत्ता) दिखने पर छिड़काव करें।

तम्बाकू की सुंडी

पॉलीहाऊस में उचित रखरखाव न होने के कारण इस कीट का प्रकोप अधिक होता है। वयस्क कीट भूरे रंग के पतंगे होते हैं जिनके पंखों पर काली सफेद मखमली धारियाँ होती है। यह कीट पत्तों की निचली सतह पर समूह में अंडे देते हैं तथा बड़े होने पर पत्तों को पूरी तरह नष्ट कर देती हैं। फल आने पर ये सुंडियाँ फलों को भी नष्ट कर देती हैं।

नियंत्रण : पॉलीहाऊस में कहीं शीट या जाली फटी हुई हो तो उसे ठीक करें जिससे कीट के पतंगे अंदर न जा सकें। सुंडियों को प्रारंभिक अवस्था में ही इकट्ठा कर नष्ट कर दें। बड़ी सुंडियों पर अधिकतर कीटनाशकों का असर नहीं होता है। फिर भी 1 मि.ली. साइपरमैथरिन 10 ई.सी. प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करने से नियंत्रण किया जा सकता है। जैविक कीटनाशी एन.पी.वी. से बनी सपोड़ोकिल का प्रयोग बताई गई मात्रा में छिड़काव करने से इस कीट की रोकथाम की जा सकती है।

तेला कीट

यह कीट हरे पीले रंग या हल्के काले भूरे रंग के होते हैं तथा पत्तों की शाखाओं और फूलों से जूँ की तरह चिपके रहते हैं। यह कीट समूह में रहकर पौधों से रस चूसता है व एक चिपचिपा तरल पदार्थ पत्तों पर छोड़ता है जिस पर नमी होने पर काली फफूँदी आ जाती है। इससे पौधों की प्रकाश संश्लेषण क्रिया पर बुरा प्रभाव पड़ता है। कीटों का अधिक प्रकोप होने पर पत्ते मुड़ जाते हैं और पौधों का विकास रुक जाता है। तेला कीट पौधों में विषाणु रोग भी फैलाता है।

नियंत्रण : कीट प्रकोप होने पर 1 मि.ली. मैलाथियान 50 ई.सी. या साइपरमैथरिन 10 ई.सी. या 0.8 मि.ली. लैम्बड़ा-साइहैलोथ्रिन 5 ई.सी. या 0.5 ग्राम एसिटामेपरिड 20 एस.पी. प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

पर्णखनिक कीट

यह कीट मुख्यतः टमाटर, खीरा आदि फसलों को नुकसान पहुँचाता है। मादा कीट काले रंग की होती है जो कि पत्तों के अंदर अंडे देती है। अंडों से निकले शिशु या मैगट पत्तों के ऊपर व निचली सतह के बीच टेढ़ी-मेढ़ी सुरंगे बनाकर हरे पदार्थ को नष्ट कर देती है। मैगट सुरंगों के अंदर ही रहते हैं जिस कारण

पौधों की प्रकाश संश्लेण क्रिया प्रभावित होती है। पत्ते समय से पहले सूखकर गिर जाते हैं। पौधों की वृद्धि रुक जाती है व फूलों की संख्या में कमी आती है तथा उत्पादकता में कमी आ जाती है।

नियंत्रण : कीटग्रस्त पत्तों जिन पर सुरंगें बनी हों उन्हें समय पर नष्ट करते रहें। कीट का प्रकोप होने पर 1 मि.ली. ट्राएजोफॉस 40 ई.सी. या 1 मि.ली. डेल्टामैथरिन 2.8 ई.सी./ लीटर पानी में घोलकर 10 दिन के अंतराल पर छिड़काव करें।

सूत्रकृमि

सूत्रकृमियों के प्रकोप से पौधों में ऐसे लक्षण दिखाई पड़ते हैं जैसे कि पौधों में पोषक तत्वों की कमी के कारण होते हैं। पौधों के ऊपरी भाग में दिखने वाले लक्षणों में खेत के कुछ हिस्सों में पौधों का छोटा रह जाना, पत्तियों का पीला पड़ जाना, मुरझा जाना, शाखाओं का कम संख्या में निकलना, फूलों तथा फलों का कम संख्या में बनना, फलों का आकार छोटा रहना व पौधों का ऊपर से नीचे की तरफ सूखना शामिल है। पौधे के भूमिगत भागों में दिखने वाले लक्षणों में जड़ों का कमजोर होना, जड़ों की बढ़ोतरी रुकना व झाड़ीनुमा बनना, जड़ों का गांठों से भर जाना तथा जड़ों का सड़ जाना शामिल है।

नियंत्रण : खेतों की मिट्टी की वर्ष में कम से कम एक दो बार जाँच कराएँ। सब्जियों की सूत्रकृमि प्रतिरोधी किस्में ही उगाएँ। नर्सरी को सूत्रकृमि रहित मिट्टी में उगाएँ ।वर्मी कम्पोस्ट या गले सड़े गोबर का प्रयोग करें। यदि संभव हो तो फल चक्र अपनाएँ। सूत्रकृमि ग्रसित खेतों में सब्जी पौधरोपण के समय पौधों की जड़ों के आसपास कार्बोफ्यूरान 3 जी.या फोरेट 10 जी.1 किलोग्राम प्रति 100 वर्गमीटर कर दर से मिलाएँ।

किसानों को सलाह दी जाती है कि किसी भी एक प्रकार के कीटनाशक रसायन का लगातार प्रयोग न करें। यह भी ध्यान रखें कि फसल पर कीटनाशक दवाई के अंतिम छिड़काव और तुड़ाई में कम से कम 7 दिनों का अंतर अवश्य रहे। •

जनवरी माह के कृषि कार्य

गेहूँ फसल: पत्ती व तना भेदक की रोकथाम के लिए इमिडाक्लोप्रिड 200 ग्राम प्रति हैक्टेयर या क्यूनलफॉस 25 ई.सी. दवा 250 ग्राम प्रति हैक्टेयर का प्रयोग करें। प्रोपीकोनाजोल 0.1 प्रतिशत के घोल का छिड़काव करे। गेहूँ की पछेती किस्मों में बुआई के 17 से 18 दिन बाद सिंचाई करें तथा उसके बाद 15-20 दिनों के अंतराल पर सिंचाई करते रहें। गेहूँ की फसल को चूहों से बचाने के लिए जिंक फॉस्फाइड से बने चारे अथवा एल्यूमीनियम से बनी टिकिया का प्रयोग करें।

सब्जियाँ : प्याज के पौधों की रोपाई करें। प्याज के पौधों की रोपाई के बाद सिंचाई करें तथा खरपतवार नियंत्रण के लिए रोपाई के बाद पैन्डामैथिलिन दवा 2.5 लीटर प्रति हैक्टेयर के दर से छिड़काव करें। गोभी वर्गीय फसल में सिंचाई, गुड़ाई व मिट्टी चढ़ाने का काम करें। पिछले माह रोपी गई टमाटर की फसल में स्टेकिंग यानी सहारा देने का काम करें। टमाटर व प्याज में जिंक व बोरान की कमी होने पर 20-25 किलो जिंक सल्फेट व बोरेक्स का प्रयोग करें।

दलहनी फसल : मटर में फली भेदक के नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड 200 ग्राम सक्रिय तत्व प्रति हैक्टेयर की दर से 600 से 800 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। मटर में पत्ती भेदक के लिए मेटासिस्टॉक्स 20 ईसी दवा 1 लीटर प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें। मटर में बुकनी रोग यानि पाऊडरी मिल्डयू की रोकथाम के लिए 3 किग्रा घुलनशील गंधक 800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर भूमि में 10-12 दिन के अंतराल पर छिडाव करें।

फल फसलें : आम के नवरोपित एवं अमरूद, पपीता व लीची के बागों की सिंचाई करें। आम के वृक्षों को भुनगा कीट से बचाने के लिए मोनोक्रोटोफॉस 0.04 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें। अंगूर में कटाई-छँटाई का कार्य पूरा कर लेना चाहिए। अंगूर में प्रथम वर्ष गोबर या कम्पोस्ट खाद के अलावा 100 ग्राम फॉस्फेट व 80 ग्राम पोटाश भी प्रति पौधा डालें। नींबू वर्गीय पौधों में 50 से 75 किलोग्राम कम्पोस्ट प्रति पौधा डालें। अमरूद के फलों की तुड़ाई करें। पपीते के बीजों की बुवाई पोली हाउस में करें।

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

नूतन वर्ष पर समस्त कृषक बंधुओं का

हार्दिक अभिनंदन

सौजन्य से

श्री अंबाराम मालवीय (शा.प्र. खुड़ैल)
श्री विजय कुमार वर्मा (पर्य. खुड़ैल)
श्री बी.के. तिवारी (शा.प्र. हातोद)
श्री अशोक नागर (पर्य. हातोद)
श्री इन्दरसिंह मंडलोई (शा.प्र. साकेत नगर)
श्री सत्यनारायण जोशी (पर्य. साकेत नगर)
श्री महावीर शाक्य (पर्य. साकेत नगर)
श्री मुकेश जैन (शा.प्र. किला मैदान)

श्री जगदीश कन्नौज
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री एम.एल. गजभिये
(प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)

श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री अनिल हर्षवाल
(प्रभारी सीईओ)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पेडमी, जि.इंदौर श्री महेश चौधरी (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. पालिया हैदर, जि.इंदौर श्री समंदरसिंह चौहान (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. खजराना, जि.इंदौर श्री सत्यनारायण जोशी (पर्यवेक्षक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. कम्पेल, जि.इंदौर श्री महेश चौधरी (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. हातोद, जि.इंदौर श्री नरेन्द्रसिंह कनोजिया (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. तलावली चांदा, जि.इंदौर श्री संतोष चौहान (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. खुड़ैल बुजुर्ग, जि.इंदौर श्री विजय वर्मा (पर्यवेक्षक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. बड़ी कलमेर, जि.इंदौर श्री समंदरसिंह चौहान (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. श्रीराम पानोड़, जि.इंदौर श्री ज्ञानसिंह तोमर (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. बावल्या खुर्द, जि.इंदौर श्री विजय वर्मा (पर्यवेक्षक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. बसान्द्रा, जि.इंदौर श्री लालचंद सोनगरा (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. बुरानाखेड़ी, जि.इंदौर श्री मुकेश मौर्य (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. शिवनी, जि.इंदौर श्री केदार पटेल (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. कांकरिया बोड़िया, जि.इंदौर श्री कृपाराम सिसोदिया (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. सेमल्या चाऊ, जि.इंदौर श्री शील कुमार (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. धमणाय, जि.इंदौर श्री अनिल तंवर (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. कनाड़िया, जि.इंदौर श्री रमेश परमार (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. निरंजनपुर, जि.इंदौर श्री नारायण प्रसाद निर्मल (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. पिवड़ाय, जि.इंदौर श्री सुभाष मंडलोई (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. गारी पिपल्या, जि.इंदौर श्री संदीप उमठ (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. भंवरासला, जि.इंदौर श्री नारायण प्रसाद निर्मल (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. बघाणा, जि.इंदौर श्री धीरेन्द्र सिसोदिया (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. भिचौली मर्दाना, जि.इंदौर श्री सतीश बालाराम मौर्य (प्रबंधक)	समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

तरबूज उत्पादन और प्रबंधन

• डॉ. रविन्द्र पस्तोर
डायरेक्टर ई-फसल

किसानों को यदि अपने उत्पादों की अच्छी क़ीमत चाहिए तो उन्हें अपने उत्पादों को न बेच कर उत्पादों के लाभों को बेचना चाहिए। कोई भी कम्पनी उत्पाद की क़ीमत उसकी वास्तविक लागत से निर्धारित न कर उसकी उपयोगिता से निर्धारित करती है। कम्पनियों के पास हर उत्पाद की एक ज़ोरदार कहानी होती है। इसी कहानी के आधार पर उत्पाद की ब्रांडिंग, पैकिंग तथा मार्केटिंग स्ट्रैटेजी बनाई जाती है। माँग व आपूर्ति का संतुलन बनाया जाता है। कहते हैं ना कि जो दिखता है वह बिकता है। दूसरी ओर किसान न तो अपने उत्पादों की ग्रेडिंग करते हैं, न साफ़ करते है, बिना पैकिंग के ही बेचते है। ब्रांडिंग का तो स्वप्न में भी ख्याल नहीं आता। एक साथ बोते हैं व एक साथ बेचते हैं। जिससे माँग आपूर्ति का कभी भी संतुलन नहीं रहता। इसी लिए वह हमेशा अपनी क़ीमतों को लेकर परेशान रहते हैं।

अब हम एक फल की कहानी बताते हैं कि तरबूज एक ऐसा फल है जो न केवल पानी की कमी की पूर्ति करता है, बल्कि इसके लाल रंग वाला हिस्सा एंटी ऑक्सीडेंट लाइकोपीन पोषक तत्व का पावर हाउस है। हृदय को दुरुस्त रखने के साथ ही यह कैलेस्ट्रोल को कम करने में भी सहायक होता है। हड्डी को मजबूत बनाने में भी यह कारगर होता है। यह विटामिन ए और सी प्राप्त करने का एक अच्छा स्रोत है। इसके साथ ही मोटापा कम करने और आंखों की कई बीमारियों को दूर करने में तरबूज सहायक है। अब इस कहानी के साथ यदि हम एक क्लस्टर के किसानों के साथ तरबूज़ की खेती करवाते हैं जिसमें सभी किसानों का केवल काम करने का तरीक़ा एक जैसा हो तो उनके पास एक जैसी क्वालिटी के बहुत बड़ी मात्रा में तरबूज़ होंगे। फिर हम अपने गाँव या क्षेत्र के नाम पर ब्रांडिंग करते हैं जैसे मालवा के लिए 'मालवा फ्रेश'। इसके उत्पादन की प्रक्रिया बता कर, साफ़ कर, पालिश कर, ग्रेडिंग, पैकिंग कर बेचते हैं तो आप क्या समझते हैं कि आप को तरबूज़ की जगह इस कहानी की क्या क़ीमत मिलेगी? यह काम गाँव के लोग फसल आधारित फ़ार्मर्स प्रोड्यूसर कम्पनी के माध्यम से आसानी से कर सकते हैं। फिर चाहे आप स्थानीय बाज़ार में बेचे या फिर विदेश में एक्सपोर्ट करे। यदि हम अभी के बाज़ार को समझें तो भारत के तरबूज़ 39 देशों में 3.36 मिलियन डॉलर के निर्यात किए जा रहे है। इन में यूनाइटिड अरब अमीरात, नेपाल, मालदीव, कतर तथा कुवैत प्रमुख है।

मुख्य रूप से आन्ध्रप्रदेश, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, पंजाब, हरियाणा तथा उत्तर प्रदेश राज्यों में इस की खेती की जाती है जिस का रक़बा हर साल बढ़ रहा है। हर साल बाज़ार में ओपी बीजों के साथ नये नये हाईब्रिड बीज उपलब्ध हो रहे है जिनमें सिमोन कम्पनी का बाहूबली, नो न्यू कम्पनी के सरस्वती तथा जन्नत, सागर किंग, कलश का मेलोडी, अर्का ज्योति, अर्का मानिक, दुर्गापर केशर, ब्लेक डायमंड, बेबी, माधुरी 64 तथा ब्लेक मैजिक आदि किसानों में बहुत लोकप्रिय है।

किसानों को खेती करने के पहले यह समझना चाहिए कि उन्हें स्थानीय या बाहर के बाज़ार में कहाँ माल बेचना है? वहाँ किस साईज़, कलर तथा स्वाद के फलों के अच्छे दाम किस सीज़न में मिलेंगे? हमें होलसेलर, रिटेलर, प्रोसेसर, एक्सपोर्टर, ई कॉमर्स कम्पनी या उपभोक्ता किस को माल बेचना है? क्योंकि इन में हर किसी को अलग-अलग तरह के फल अलग-अलग साइज़, स्वाद

रंग व पैकिंग में चाहिए। आपको यह भी देखना चाहिए कि आप आर्गेनिक या सामान्य कैसा उत्पादन लेना चाहते हैं। यदि आप एक्सपोर्ट के लिए उत्पादन करना चाहते हैं या अपना ब्रांड बनाना चाहते हैं तो आपको कौन कौन से सर्टिफिकेटस की ज़रूरत होगी? किन कम्पनियों से यह प्राप्त होंगे, उसकी प्रक्रिया क्या है आदि जानकारी लेनी चाहिए। क्योंकि कुछ सर्टिफिकेट के लिए पंजीयन फसल बोने के पहले ही होता है।

ई-फसल कम्पनी इनपुट सप्लाई करने के साथ किसानों तथा किसान संगठनों को यह जानकारी उपलब्ध करने का काम करती है। जिन्हें जानकारी चाहिए वे सम्पर्क कर सकते है। हम चाहते हैं कि किसान यह समझे कि कैसे बाज़ार किसानों के लिए काम करे न कि किसान बाज़ार के लिए काम करे। क्योंकि अब तरबूज़ केवल फल की तरह न खाया जा कर उसके पल्प, बीज, ज्यूस आदि अनेक तरह से प्रसंस्करण कर उत्पादों को बेचा जाता है। •

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण • खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड • कृषि यंत्र के लिए ऋण • दुग्ध डेयरी योजना

नववर्ष 2022 की समस्त किसान भाइयों को हार्दिक बधाइयाँ

श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री मनोज गुप्ता (प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता) | श्रीमती सुनीता गोढवाल (उपायुक्त सहकारिता आगर) | श्री एम.ए.कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री के.के. रायकवार (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री रविन्द्र शर्मा (शा.प्र. तनोड़िया) **श्री शेषनारायण शर्मा** (शा.प्र. आगर) **श्री राणासिंह शक्ति** (शा.प्र. सुसनेर)
श्री गोविंदसिंह राठौर (पर्य. तनोड़िया) **श्री सज्जनसिंह सिसोदिया** (पर्य. आगर) **श्री देवेन्द्र जोशी** (पर्य. सुसनेर)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कुबड़ियाखेड़ी, जि.आगर श्री गोविंदसिंह राठौर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. निपा. बैजनाथ, जि.आगर** श्री श्याम कारपेंटर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. झलारा, जि.आगर श्री मोहनसिंह तंवर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गंगापुर, जि.आगर** श्री माँगीलाल केसरिया (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नेवरीमाता, जि.आगर श्री नारायणसिंह यादव (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पालडा, जि.आगर** श्री कैलाश यादव (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पिपलोनकलां, जि.आगर श्री महेन्द्रसिंह राठौर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. झोंटा, जि.आगर** श्री अब्दुल रज्जाक खान (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मलवासा, जि.आगर श्री राधेश्याम राठौर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हरनावदा, जि.आगर** श्री अमृतलाल शर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. तनोड़िया, जि.आगर श्री संजय कारपेंटर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुसनेर, जि.आगर** श्री राणा छत्रपाल सिंह (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नरवल, जि.आगर श्री संतोष यादव (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खेराना, जि.आगर** श्री महेन्द्रसिंह कावल (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बापचा, जि.आगर श्री दुलेसिंह यादव(प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मैना, जि.आगर** श्री जब्बार खान (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. आगर, जि.आगर श्री अशोक कुम्भकार (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जामुन्या, जि.आगर** श्री देवीलाल (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कसाई देहरिया, जि.आगर श्री धर्मेन्द्र गुर्जर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मालनवासा, जि.आगर** श्री कालुसिंह (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ढोटी, जि.आगर श्री श्याम वर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मोडी, जि.आगर** श्री देवेन्द्र जोशी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. घुराशिया, जि.आगर श्री प्रवीण चौधरी (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गेलाना, जि.आगर** श्री मानसिंह (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. निपा. हनुमान, जि.आगर श्री शेखर शर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लटुरी गेह, जि.आगर** श्री कालूसिंह (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पिपलिया घाटा, जि.आगर श्री गंगाराम योगी (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गणेशपुरा, जि.आगर** श्री सौरभ जैन (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

जन-भागीदारी से जन-कल्याण

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का कहना है कि लोकतंत्र में जनता ही सरकार की सबसे बड़ी ताकत है। जनता का सहयोग सरकार के संकल्प को सिद्धि में बदल देता है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने देश के समक्ष जन-भागीदारी से जन-कल्याण का अनूठा मॉडल प्रस्तुत किया है। प्रदेश में नीति निर्माण से लेकर, निर्णय लेने, योजनाओं के क्रियान्वयन तथा उनकी मॉनीटरिंग तक में जनता की भागीदारी सुनिश्चित की जाती है। कोविड संकट काल में मध्यप्रदेश में जन-भागीदारी से कोविड पर प्रभावी नियंत्रण की पूरे देश में सराहना हुई है।

मध्यप्रदेश में नीति निर्माण एवं जन-कल्याण की विभिन्न योजनाएँ बनाये जाने में जनता की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा विभिन्न वर्गों की महापंचायतों का आयोजन किया गया तथा उनमें प्राप्त सुझावों के आधार पर योजनाएँ बनाई गईं। प्रदेश में किसान, गरीब, मजदूर, स्व-सहायता समूह, महिला, आदिवासी, शिल्पी, अनुसूचित जाति, कोटवार, घरेलू कामकाजी महिला, हाथ-ठेला एवं रिक्शा-चालक, केश-शिल्पी, वकील, खिलाड़ी, कारीगर, मछुआ, विद्यार्थी, वृद्धजन आदि विभिन्न पंचायतों का सफलता से आयोजन किया गया। लाड़ली लक्ष्मी, संबल, मेधावी विद्यार्थी, मुख्यमंत्री तीर्थ-दर्शन जैसी योजनाएँ इन्हीं पंचायतों की देन हैं।

निर्णय लेने एवं क्रियान्वयन में जन-भागीदारी

प्रदेश में जन-कल्याण के विभिन्न निर्णय लेने एवं उनके क्रियान्वयन में जनता की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है। कोविड प्रबंधन, कोविड वैक्सीनेशन, अंकुर जैसे कार्यक्रमों में जन-भागीदारी देश में मिसाल बनी है। प्रदेश में कोरोना संक्रमण रोकने एवं उपचार के लिये जिला, विकासखण्ड, ग्राम पंचायत एवं वार्ड स्तर पर 30 हजार 600 क्राइसिस मैनेजमेंट समूहों का गठन कर उनके माध्यम से प्रभावी कार्य किया गया। इन समूहों में प्रशासन के अधिकारी एवं जन-प्रतिनिधियों के साथ धर्मगुरु, गणमान्य नागरिक, स्वयंसेवक, विशेषज्ञ चिकित्सक आदि शामिल हुए। 'मैं कोरोना वॉलेंटियर' अभियान में कोविड जागरूकता के लिये लगभग एक लाख 43 हजार व्यक्तियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। 'योग से निरोग' कार्यक्रम के द्वारा होम आइसोलेशन में रह रहे लगभग 2 लाख कोविड मरीजों को 3 हजार योग प्रशिक्षकों द्वारा प्रतिदिन योग-अभ्यास ऑनलाइन करवाया गया। 'युवा शक्ति - कोरोना मुक्ति' अभियान में 10 लाख से अधिक विद्यार्थियों को कोविड टीकाकरण एवं कोविड अनुकूल व्यवहार का प्रशिक्षण दिया गया।

कोविड टीकाकरण में प्रदेश में जन-भागीदारी का अद्भुत उदाहरण देखा गया। प्रदेश में जहाँ शुरू के 4 महीनों में कोविड वैक्सीन के एक करोड़ डोज लगे, बाद में जन-भागीदारी के कारण प्रत्येक माह एक करोड़ से अधिक डोज लगे। यह जन-भागीदारी का ही नतीजा है कि प्रदेश में कोविड वैक्सीनेशन के कुल 10 करोड़ 24 लाख डोज लगाये जा चुके हैं। प्रदेश की 5 करोड़ 21 लाख 668 जनसंख्या को कोविड वैक्सीन के दोनों डोज़ लगाये जा चुके हैं।

कोविड प्रबंधन में भी जनता की सक्रिय भागीदारी रही। कोरोना कर्फ्यू लगाने अथवा हटाने के निर्णय से लेकर कांटेक्ट ट्रेसिंग, सेम्पलिंग, टेस्टिंग में सहयोग, होम आइसोलेशन के प्रकरणों की निगरानी, कोरोना मेडिकल किट वितरण, कोरोना

केयर सेंटर्स की व्यवस्थाएँ, कोविड अनुकूल व्यवहार के लिये जन-सामान्य को जागरूक करना, टीकाकरण के प्रति भय और भ्रम को मिटाना एवं टीकाकरण केन्द्रों की व्यवस्थाओं तक में जनता ने उत्साह के साथ सफलता से कार्य किया।

पर्यावरण सुधार के लिये प्रदेश के हरित क्षेत्र और प्राण वायु की वृद्धि के लिये अंकुर कार्यक्रम भी प्रदेश में जन-भागीदारी की अनूठी मिसाल है। यह कार्यक्रम विश्व पर्यावरण दिवस-5 जून, 2021 से प्रारंभ किया गया। 'वायुदूत-अंकुर' मोबाइल एप के माध्यम से नागरिकों का पंजीयन किया गया। नागरिक अपने संसाधनों से पौधे लगाते हैं एवं मोबाइल एप पर फोटो अपलोड करते हैं। पौध-रोपण के 30 दिन और 180 दिन बाद उसी पौधे का फोटो फिर से अपलोड करते हैं। इस कार्य में नागरिकों को प्रोत्साहित किये जाने के लिये उन्हें प्राण-वायु पुरस्कार एवं डिजिटल प्रमाण-पत्र दिये जा रहे हैं। वृक्षारोपण करने वालों को वृक्ष-वीर एवं वृक्ष-वीरांगना कहा जा रहा है। प्रदेश में अब तक 3 लाख 8 हजार नागरिक पंजीकृत हुए हैं तथा 4 लाख 39 हजार पौधे लगाये जा चुके हैं। अंकुर कार्यक्रम में फरवरी-2022 तक 10 हजार पौधे लगाये जाने का लक्ष्य है।

मॉनीटरिंग में जन-भागीदारी

प्रदेश में विभिन्न शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों के सुचारु क्रियान्वयन एवं उनकी मॉनीटरिंग के उद्देश्य से ग्राम पंचायत, विकासखण्ड, नगर परिषद, नगरपालिका, नगर निगम, जिला स्तर एवं राज्य स्तर पर दीनदयाल अंत्योदय समितियाँ गठित की गई हैं। इन समितियों में जिले के प्रभारी मंत्री द्वारा अशासकीय सदस्यों का नामांकन किया जाता है। ये समितियाँ जन-भागीदारी द्वारा विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की मॉनीटरिंग कर रही हैं। राशन वितरण, मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम, जननी सुरक्षा योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, छात्रवृत्ति वितरण, संबल योजना आदि की प्रभावी मॉनीटरिंग इन समितियों द्वारा की जा रही है।

वर्गीकृत विज्ञापन सेवा

'हरियाली के रास्ते' के पाठकों और तहसील, पंचायत स्तर के छोटे विज्ञापनदाताओं के लिए वर्गीकृत विज्ञापन सेवा में आप निम्न प्रकार से विज्ञापन प्रकाशित करा सकते हैं।

व्यक्तिगत क्लासीफाइड

विज्ञापन के लिए निर्धारित कैटेगरी

खरीदना/बेचना, ट्रैक्टर ट्रॉली, थ्रेशर, खेत, मकान, मोटर, साइकल, पशु, मोटर, जनरेटर आदि, बीज, औषधीय फसल

मात्र 800 रु. में 4 माह तक प्रत्येक संस्करण अधिकतम 25 शब्द

अतिरिक्त शब्दों के लिए 3 रु. प्रति शब्द अधिकतम 40 शब्दों तक

प्रकाशन शुल्क का अग्रिम भुगतान नगद/ मनी ऑर्डर/ बैंक ड्राफ्ट द्वारा भेज सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें :-

डिस्प्ले क्लासीफाइड

विज्ञापन के लिए निर्धारित कैटेगरी

बीज कंपनी, कीटनाशक, जैविक खाद, ट्रैवल्स, तीर्थयात्राएँ, आवश्यकता, ऑटोमोबाइल, कृषि सेवा केन्द्र , शिक्षण संस्थाएँ, प्रशिक्षण, बारदाने, कोल्ड स्टोरेज, गोदाम, होस्टल, वित्तीय सेवाएँ, चिकित्सा, एग्री क्लीनिक आदि

विज्ञापन दर : 15 रु./वर्ग सेमी/ प्रति अंक

आकार : न्यूनतम 4×5 सेमी = 20 वर्ग सेमी
अधिकतम 8×5 सेमी = 40 वर्ग सेमी

सम्पर्क करें : **हरियाली के रास्ते**
111/ए-ब्लॉक, शहनाई-।। रेसीडेंसी, कनाड़िया रोड, इंदौर
मो. 8989179472, 8989991569, 9752558186, ई-मेल : hariyalikeraste2010@gmail.com

नववर्ष की समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाइयाँ

किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण • खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड • कृषि यंत्र के लिए ऋण • दुग्ध डेयरी योजना

श्री बी.एल. मकवाना (प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री ओ.पी. गुप्ता (उपायुक्त सहकारिता)
श्री एम.ए.कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री विशेष श्रीवास्तव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से
श्री बालकृष्ण शर्मा (शा.प्र. नागदा)
श्री रमेशचंद्र विश्वकर्मा (पर्य. नागदा)
श्री नेपालसिंह डोडिया (पर्य. नागदा)
श्री महेशचंद्र शर्मा (शा.प्र. उन्हेल)
श्री अर्जुनसिंह देवड़ा (पर्य. उन्हेल)
श्री इंदरसिंह परमार (शा.प्र. घिनोदा)
श्री गोकल प्रसाद शर्मा (पर्य. घिनोदा)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हिर्डी, जि.उज्जैन
श्री नेपालसिंह डोडिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. झिरन्या शेख, जि.उज्जैन
श्री शादाबुद्दीन कुरैशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. वनवला, जि.उज्जैन
श्री भगवानसिंह राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. टूटियाखेड़ी, जि.उज्जैन
श्री अशोक पोरवाल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. झांझाखेड़ी, जि.उज्जैन
श्री अजयसिंह पंवार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पिप.सा. माता, जि.उज्जैन
श्री भँवरसिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बेरछा, जि.उज्जैन
श्री रमेशचंद्र विश्वकर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भाटीसुड़ा, जि.उज्जैन
श्री टीकमसिंह सिसौदिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बड़ागाँव, जि.उज्जैन
श्री ईश्वरसिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रूपेटा, जि.उज्जैन
श्री रविन्द्र कुमार शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रोहलखुर्द, जि.उज्जैन
श्री उदयसिंह राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बरखेड़ा माडन, जि.उज्जैन
श्री चंदरसिंह आंजना (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पालसोद, जि.उज्जैन
श्री राजेन्द्र सिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. आक्यानजीक, जि.उज्जैन
श्री राधेश्याम चौधरी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. आलोट जागीर, जि.उज्जैन
श्री रामसिंह सोलंकी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पिपलिया डाबी, जि.उज्जैन
श्री ओमप्रकाश उपाध्याय (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रामावलोदा, जि.उज्जैन
श्री नंदराम हलकारा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बेड़ावन, जि.उज्जैन
श्री अर्जुनसिंह देवड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. उन्हेल, जि.उज्जैन
श्री रामगोपाल अजमेरा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. घिनोदा, जि.उज्जैन
श्री आत्माराम भरावा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भाटखेड़ी, जि.उज्जैन
श्री अमित कपूर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बरखेड़ा, जि.उज्जैन
श्री अम्बाराम सोलंकी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बंजारी, जि.उज्जैन
श्री गोकुलप्रसाद शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. आक्या जागीर, जि.उज्जैन
श्री राधेश्याम भरावा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बेड़ावन्या, जि.उज्जैन
श्री सुरेशसिंह राठौर (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

प्राकृतिक खेती से 80% छोटे किसानों को लाभ होगा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्राकृतिक खेती विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती से जिन्हें सबसे अधिक फायदा होगा, वो हैं देश के 80 प्रतिशत किसान। वो छोटे किसान, जिनके पास 2 हेक्टेयर से कम भूमि है। इनमें से अधिकांश किसानों का काफी खर्च, केमिकल फर्टिलाइजर पर होता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर वो प्राकृतिक खेती की तरफ मुड़ेंगे तो उनकी स्थिति और बेहतर होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अब आजादी के 100वें वर्ष तक का जो हमारा सफर है, वो नई आवश्यकताओं, नई चुनौतियों के अनुसार अपनी खेती को ढालने का है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 6-7 साल में बीज से लेकर बाजार तक, किसान की आय को बढ़ाने के लिए एक के बाद एक अनेक कदम उठाए गए हैं। मिट्टी की जांच से लेकर सैकड़ों नए बीज तक, पीएम किसान सम्मान निधि से लेकर लागत का डेढ़ गुना एमएसपी तक, सिंचाई के सशक्त नेटवर्क से लेकर किसान रेल तक, अनेक कदम उठाए हैं। उन्होंने इस आयोजन से जुड़े सभी किसानों को बधाई दी।

गुजरात सरकार ने प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें आईसीएआर के केंद्रीय संस्थानों, कृषि विज्ञान केंद्रों और एटीएमए (कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी) नेटवर्क के माध्यम से जुड़े किसानों के अलावा 5000 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि इस संगोष्ठी का आयोजन प्राकृतिक खेती के प्रयोग को बढ़ावा देने और इससे होने वाले लाभों की किसानों को ठीक ढंग से जानकारी देने के लिए किया गया है। श्री शाह ने कहा पूरे देश में किसान प्राकृतिक खेती को अपनाएँ इसलिए उन्होंने ही इस मुहिम को गति देने का निश्चय भी किया है और एक अपील भी की है और इसी का परिणाम है कि देश भर में लाखों किसान आज धीरे-धीरे प्राकृतिक खेती को अपना रहे हैं। इसके लाभों को देखकर अनेकानेक किसान इसके प्रयोग को आगे बढ़ा रहे हैं।

मध्यप्रदेश के कृषि मंत्री श्री कमल पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश की खेती की उर्वरता को बचाने और किसानों की आय दोगुनी करने का संकल्प लिया है तथा उसे पूरा करने के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्री मोदी ने प्राकृतिक खेती के इस सेमीनार के माध्यम से देश के किसानों को जागरूक किया है। वे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किसानों को संबोधन वाले कार्यक्रम में शामिल हुए।

आयुक्त जनसम्पर्क ने पद संभाला

भोपाल। नव-नियुक्त आयुक्त जनसम्पर्क श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह ने जनसम्पर्क संचालनालय में पदभार ग्रहण किया। निवृत्तमान आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने चार्ज सौंपा और नवागत आयुक्त को विभागीय गतिविधियों और कार्य-प्रणाली की जानकारी दी। आयुक्त श्री सिंह ने पदभार ग्रहण करने के बाद संचालनालय के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली। संचालक श्री आशुतोष प्रताप सिंह, अपर संचालक श्री सुरेश गुप्ता, डॉ. एच.एल. चौधरी सहित संचालनालय के अधिकारी उपस्थित थे।

श्री जाटव ने हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया

भोपाल। संत रविदास हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम के अध्यक्ष श्री रणवीर जाटव ने मृगनयनी एम्पोरियम हमीदिया रोड स्थित कार्यालय में पदभार ग्रहण किया। प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश संत रविदास हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव ने उनका स्वागत किया, तथा विभाग की गतिविधियों से अवगत कराया।

केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह वैकुंठ मेहता राष्ट्रीय प्रबंध संस्थान के दीक्षांत समारोह में

आत्मनिर्भर भारत के लिए सहकारिता सर्वश्रेष्ठ

पुणे। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने पुणे में वैकुंठ मेहता राष्ट्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए छात्र-छात्राओं को जीवन के एक नये पड़ाव की शुरुआत पर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सब की शिक्षा दीक्षा एक ऐसे शहर में हुई है जो देश का ऐतिहासिक शहर है और पूरे देश में शिक्षा का केंद्र है। पुणे शहर से ही छत्रपति शिवाजी महाराज ने स्वदेश, स्वराज और स्वधर्म का नारा बुलंद किया था। यही नारा बाद में आज़ादी में परिवर्तित हुआ और 1947 में हमारा देश आज़ाद होकर आज हम स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि आज जब देश दुनिया के सामने आत्मनिर्भर बन कर खड़ा रहना चाहता है तो ऐसे में सहकारिता क्षेत्र की बहुत अधिक प्रासंगिकता है।आत्मनिर्भर का मतलब देश की सभी आवश्यकताओं का देश में ही उत्पादन करने के साथ ही देश के 130 करोड़ लोगों को अपना जीवन यापन करने के लिए आत्मनिर्भर बनाना भी है। 130 करोड़ लोगों को आत्मनिर्भर बनाने और देश में सम विकास लाने के लिए सहकारिता के अलावा और कोई क्षेत्र नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि 130 करोड़ लोगों का समावेशी, सम औरसर्वस्पर्शीय विकास सहकारिता क्षेत्र ही कर सकता है। कई कारणों से सहकारिता क्षेत्र धीरे धीरे क्षीण होता जा रहा था लेकिन आज सहकारिता क्षेत्र को फिर से मज़बूत कर उसे देश की जीडीपी में सबसे बड़ा कंट्रीब्यूटर बनाना है और इसके लिये आप सभी को सहकारिता के क्षेत्र में मन लगाकर काम करना होगा। सहकारिता मंत्री ने कहा कि देश में सहकारिता क्षेत्र को बढ़ाने का फ़ैसला लिया है और और अगले 25 साल के लिये एक ऐसी सहकारिता नीति बनानी होगी जिसको लागू किया जा सके। सहकारिता मंत्रालय ने इस नीति को बनाने का काम शुरू कर दिया है और कुछ ही समय में मोदी जी के नेतृत्व में हम देश के सामने एक नई सहकारिता नीति पेश करेंगे जो कोऑपरेटिव को हर गाँव तक पहुँचाएगी।

आईपीसी बैंक कर्मचारी यूथ क्लब का वार्षिक कार्यक्रम

इंदौर। खंडवा रोड स्थित चोखी ढाणी में इंदौर प्रीमियर को-ऑपरेटिव बैंक कर्मचारी यूथ क्लब के तत्वावधान में वार्षिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बैंक कर्मचारी परिवार सहित शामिल हुए और अनेक मनोरंजक खेल और स्वादिष्ट भोजन को आनंद लिया। मुख्य अतिथि श्री विश्वकिशोर वर्मा (उपाध्यक्ष, इन्दौर प्रीमियर को आपरेटिव बैंक एम्पलाईज ऑफिसर्स एसोसिएशन) ने तंबोला गेम के विजेताओं को पुरस्कृत किया। यूथ क्लब के फाउण्डर मेम्बर श्री गजेन्द्र आचार्य, श्री देवेन्द्र होलकर, श्री पुरुषोत्तम हासीजा, श्री ओमप्रकाश श्रोत्रिय, श्री हरिप्रसाद द्विवेदी, श्री अशोक नागौर, प्रवीण शर्मा, धीरज शर्मा सहित कई सदस्य उपस्थित थे। श्री योगेन्द्र महावर ने बताया कि आयोजन की सफलता का श्रेय युवा वर्ग को ही जाता है जिनके अथक प्रयासो और मेहनत ही इसकी सफलता की कहानी कहता है। कार्यक्रम का संचालन यूथ क्लब के अध्यक्ष श्री मनीष शर्मा ने किया और अंत में महासचिव श्री वीरेन्द्र पथरिया ने आभार माना।

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण	दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

नववर्ष समस्त किसान भाइयों के जीवन में ढेर सारी खुशियाँ लाए...

श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री पी.एन. गोडरिया (प्रशासक एवं उपायुक्त) | श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री पी.एस. धनवाल (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से : श्री अनिल दवे (शा.प्र. निसरपुर), श्री ओम नरेन्द्र सिसोदिया (शा.प्र. कानवन)
श्री अनिल राजपुरोहित (शा.प्र. बदनावर), श्री विनायक शर्मा (पर्यवेक्षक बदनावर)
श्री राजेन्द्र वर्मा (शा.प्र. केसूर), श्री बाबूलाल रघुवंशी (पर्यवेक्षक केसूर)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. निसरपुर, जि.धार श्री दशरथ पाटीदार (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. सन्दला, जि.धार श्री कांतिलाल पाटीदार (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. चिखल्दा, जि.धार श्री मोहम्मद मंसूरी (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. धारसीखेड़ा, जि.धार श्री ओमप्रकाश दशोरे (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. सुसारी, जि.धार श्री प्रवीण उपाध्याय (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. ढोलाना, जि.धार श्री विनायक शर्मा (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. कानवन, जि.धार श्री ओमप्रकाश चौहान (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. घटगारा, जि.धार श्री गोपाल सिसोदिया (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. गाजनोद, जि.धार श्री सदाशिव पाटीदार (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. कठोडिया, जि.धार श्री शंकरदास बैरागी (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. रेशमगारा, जि.धार श्री शरद गेहलोत (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बखतगढ़, जि.धार श्री धनपालसिंह चौहान (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बदनावर, जि.धार श्री वरदीचंद पाटीदार (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. केसूर, जि.धार श्री बाबूलाल रघुवंशी (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. काछी बड़ौदा, जि.धार श्री विनायक शर्मा (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. खाचरोदा, जि.धार श्री महेश जोशी (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने लखनऊ में सहकार भारती के 7वें राष्ट्रीय अधिवेशन का उद्घाटन किया

सहकारिता को मजबूत आंदोलन बनाना है

लखनऊ। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने उत्तर प्रदेश के लखनऊ में सहकार भारतीय के 7वें राष्ट्रीय अधिवेशन का उद्घाटन करते हुए कहा कि सहकार भारती का उद्देश्य सहकारिता को मजबूत कर कर, सहकारिता की भावना को मजबूत कर कर देश के विकास में सहकारिता योगदान कर पाए, इस प्रकार का मजबूत आंदोलन बनाना है। लगभग 27 प्रदेश, 600 से भी ज्यादा जिले और अनेक प्रकार की सहकारिता के क्षेत्र में सहकार भारती ने अपने काम को पहुंचाया है।

उन्होंने कहा कि बहुत सालों से देश भर के सहकारिता के साथ जुड़े हुए कार्यकर्ता, संगठन, सहकारी समितियां और अलग-अलग संगठनों की मांग थी कि सहकारिता को मजबूती प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के अर्थ तंत्र को गति देने में आने वाले दिनों में सहकारिता का योगदान बहुत बड़ा होने वाला है और आत्मनिर्भर भारत का स्वप्न सहकारिता आंदोलन के अलावा सिद्ध ही नहीं हो सकता क्योंकि सहकारिता ही एक ऐसा जरिया है जो छोटे से छोटे व्यक्ति को सम्मान दिलाने, आय बढ़ाने का कारण हो सकता है। किसी एक देश का आर्थिक विकास कई सारे रास्तों से संभव हो सकता है मगर समग्र आर्थिक विकास, हर व्यक्ति का आर्थिक विकास के अंदर योगदान हो और आर्थिक विकास का फायदा हर व्यक्ति तक पहुंचे यह सहकारिता के सिवाय संभव नहीं है।

श्री अमित शाह ने कहा कि देश में कई सारे ऐसे राज्य हैं जहां सहकारिता आंदोलन आज बहुत अच्छा चल रहा है, जैसे, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश। मगर कई सारे राज्य ऐसे भी है जहां आती-जाती सरकारों के कारण सहकारिता आंदोलन लगभग समाप्ति की कगार पर है। देश के हर कोने, जिले, तहसील में 10-15 साल में हर गांव के अंदर सहकारिता का कोई ना कोई सफल यूनिट चले इस प्रकार से इस आंदोलन को गति देनी चाहिए। एक प्रकार से सभी सहकारी समितियों में आपको एक संस्कार का आरोपन करना पड़ेगा, इस संस्कार को हर समिति में तक पहुंचाना पड़ेगा तभी जाकर इस आंदोलन को गति मिल सकती है। श्री अमित शाह ने कहा कि मोदी जी स्वयं मानते हैं कि सहकारिता के बगैर इस देश का समविकास करना असंभव है और अब कोऑपरेटिव के साथ कोई भी दोयम दर्जे का व्यवहार नहीं कर पाएगा और यह बहुत कम समय में दिखना भी शुरू होगा।

लोक प्रशासन में प्रधानमंत्री पुरस्कार

भोपाल। लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिये प्रधानमंत्री पुरस्कार वर्ष 2021 के लिये ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 3 जनवरी से शुरू हो गये है। रजिस्ट्रेशन के बाद आवेदन/ प्रस्ताव 20 जनवरी से 4 फरवरी 2022 तक ऑनलाइन जमा किये जा सकेंगे। कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय, प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग भारत सरकार की वेबसाईट http://darpg.gov.in में प्रस्ताव/ नामांकन ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन एवं सबमिशन किया जाना है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव और जिला कलेक्टर्स को कहा है कि प्राथमिकता के आधार पर विभाग/ जिले की ओर से निर्धारित समय-सीमा में डीएआरपीजी की वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन कर आवेदन जमा करें।

शासकीय कार्यों के लिये शासकीय ई-मेल आई.डी. के उपयोग के निर्देश

भोपाल। सामान्य प्रशासन विभाग ने शासन, शासकीय विभागों, शासकीय कार्यालयों द्वारा किये जाने वाले सभी पत्राचारों में जारीकर्ता अधिकारी का नाम, पदनाम, शासकीय दूरभाष एवं ई-मेल आई.डी. अंकित करने के निर्देश दिये है। साथ ही सभी को शासकीय ई-मेल का ही उपयोग करने को कहा गया है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भी समीक्षा बैठक के दौरान शासकीय कार्यों के लिये शासकीय ई-मेल आई.डी का ही उपयोग करने को कहा है। इस संबंध में स्मरण-पत्र सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किया है।

शिक्षित समुदाय हर्बल उत्पादों के उपयोग में आगे आयें

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने समाज के शिक्षित समुदाय का आव्हान किया है कि हर्बल उत्पादों के उपयोग के लिए आगे आयें। उसके लाभों के संबंध मे समाज में जानकारी का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। उन्होंने एलोपैथिक औषधियों का जिक्र करते हुए कहा कि तत्काल आराम देने वाली दर्दनाशक औषधियों के दीर्घ कालिक गम्भीर दुष्परिणामों को देखते हुए, वर्तमान में उनका उत्पादन बंद सा हो गया है। आयुर्वेद में ऐसा कोई दुष्प्रभाव नहीं मिलता है। राज्यपाल ने कहा कि विश्व में आयुर्वेद का ज्ञान भारत के गौरव का आधार है। आयुर्वेद का प्रचार भारतीय ज्ञान परंपरा का प्रसार है। वर्ष 2012 में जर्मनी में आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति भारतीय थे।

राज्यपाल श्री पटेल अंतर्राष्ट्रीय वन मेला भोपाल-2021 के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। पाँच दिवसीय मेला वन विभाग एवं राज्य लघु वनोपज संघ के तत्वावधान में 22 से 26 दिसंबर तक लाल परेड ग्राउन्ड भोपाल में लगाया गया।

वन मंत्री श्री कुँवर विजय शाह ने कहा कि प्रदेश सरकार ने वन मेले का आयोजन जड़ी-बूटी और औषधि उत्पादक और संग्राहकों के मध्य बिचौलियों को समाप्त करने के मंच के रूप में किया। मेले में क्रेता-विक्रेता सम्मेलन के द्वारा 13 करोड़ के व्यापार में मध्यस्थों की भूमिका को समाप्त किया गया है। जड़ी-बूटियों की प्रामाणिकता में सहयोग के साथ ही संग्राहकों और उत्पादकों को क्रेताओं से सीधे संपर्क की जानकारी उपलब्ध कराई गई।

प्रबंध संचालक राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ श्री पुष्कर सिंह ने बताया कि मेले की थीम लघु वनोपज से स्वास्थ्य पर दो दिवसीय कार्यशाला की गई थी, जिसमें राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ भौतिक और वर्चुअली सम्मिलित हुए। मेले के दौरान सांस्कृतिक संध्या के आयोजन भी किये गये। अपर प्रबंध संचालक राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ श्री अतुल श्रीवास्तव ने आभार प्रदर्शन किया। समापन समारोह में प्रमुख सचिव वन श्री अशोक वर्णवाल और प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री रमेश गुप्ता भी मौजूद थे।

अर्थ-व्यवस्था को गति देने में म.प्र. देगा सम्पूर्ण योगदान

जगदीश देवड़ा

नई दिल्ली। वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि देश की अर्थ-व्यवस्था को गति देने और राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने में मध्यप्रदेश अपना सम्पूर्ण योगदान देगा। उन्होंने केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन से प्रदेश के लिए पूँजीगत कार्यों को बढ़ावा देने के लिए 933.15 करोड़ के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया। नई दिल्ली में वित्त मंत्रियों की बैठक में भाग लेने पहुँचे श्री देवड़ा ने अपने संबोधन में कहा कि कोविड के कारण असामान्य रही आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने के उद्देश्य से भारत सरकार ने राज्य को विशेष सहायता योजना में पूँजीगत व्ययों के लिये और जीएसटी क्षतिपूर्ति के रूप में बेक-टू-बेक ऋण की सहायता उपलब्ध कराई। श्री देवड़ा ने कहा कि वर्तमान स्थिति में देश में आर्थिक गतिविधियाँ पहले की तुलना में बेहतर हुई है और अर्थ-व्यवस्था की गति तेज हुई है, परन्तु केन्द्र एवं राज्य सरकार दोनों की अर्थ-व्यवस्था के लिये अतिरिक्त राजकोषीय सहायता को निरंतर रखना अभी भी आवश्यक है। श्री देवड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2025 तक देश की अर्थ-व्यवस्था को 5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँचाने का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री जी द्वारा दिए गए लक्ष्य की पूर्ति के लिए मध्यप्रदेश सरकार, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में राज्य की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सुधार का प्रयास कर रही है। केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों के साथ आगामी यूनियन बजट 2022-23 के लिए पूर्व-बजट बैठक की अध्यक्षता की। केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री श्री भगवत कराड़, देश के राज्यों के वित्त मंत्री, वित्त सचिव डॉ. टी.वी. सोमनाथन, सचिव डीईए श्री अजय सेठ और सचिव, डीएफएस श्री देबाशीष पांडा के साथ वित्त विभाग के वरिष्ठ अधिकारी बैठक में शामिल हुए।

किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

नूतन वर्ष की समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

सौजन्य से

श्री भेरूलाल बामनिया (शा.प्र. डिगाँवमाली) श्री जगदीश पाटीदार (शा.प्र. सीतामऊ) श्री सुनील खड़कोदकर (शा.प्र. मल्हारगढ़) श्री ललित अग्रवाल (शा.प्र. बूढ़ा) श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) श्री सुनील सिंह (प्रशासक एवं आयुक्त सहकारिता) श्री एम.ए.कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक) श्री पी.एन. यादव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

श्री मुन्नालाल चौहान (पर्य. डिगाँवमाली) श्री डुंगरसिंह देवड़ा (पर्य. सीतामऊ) श्री रामप्रसाद मालवीय (पर्य. मल्हारगढ़) श्री हिम्मतसिंह चंद्रावत (पर्य. बूढ़ा)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गुजरबर्डिया , जि.मंदसौर
श्री रायसिंह धनगर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नेतावली, जि.मंदसौर
श्री रायसिंह धनगर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अफजलपुर, जि.मंदसौर
श्री मन्नालाल चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पानपुर, जि.मंदसौर
श्री मोहनलाल गायरी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. उदपुरा, जि.मंदसौर
श्री भारतसिंह गुर्जर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रिण्डा, जि.मंदसौर
श्री पन्नालाल पाटीदार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बिलांत्री, जि.मंदसौर
श्री भारतराम चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सीतामऊ, जि.मंदसौर
श्री मदनलाल प्रजापति (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. साखतली, जि.मंदसौर
श्री हरीशचंद्रसिंह राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लावरी, जि.मंदसौर
श्री राजेन्द्रसिंह राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भगोर, जि.मंदसौर
श्री ओमप्रकाश शुक्ला (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खजूरीनाग, जि.मंदसौर
श्री मदनसिंह भाटी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सेदरामाता, जि.मंदसौर
श्री कृष्णपालसिंह भाटी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. साताखेड़ी, जि.मंदसौर
श्री परसराम बोरवाना (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लदुना, जि.मंदसौर
श्री राधेश्याम जोशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दीपाखेड़ा, जि.मंदसौर
श्री राधेश्याम जोशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. तीतरोद, जि.मंदसौर
श्री राधेश्याम जोशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मल्हारगढ़, जि.मंदसौर
श्री यदुनंदन बटवाल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बरदेव, जि.मंदसौर
श्री प्रकाशचंद्र प्रजापति (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पहेड़ा, जि.मंदसौर
श्री रामस्वरूप व्यास (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बर. पंथ, जि.मंदसौर
श्री सत्यप्रकाश नागर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बूढ़ा, जि.मंदसौर
श्री हिम्मतसिंह चंद्रावत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. टकरावद, जि.मंदसौर
श्री हिम्मतसिंह चंद्रावत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. संजीत, जि.मंदसौर
श्री सीताराम डांगी (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

नूतन वर्ष की समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाइयाँ

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण	दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री मनोज गुप्ता (प्रशासक एवं उपायुक्त सह.)
श्री एम.ए.कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री के.के. रायकवार (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री अशोक चौहान (शा.प्र. मोहन बड़ोदिया)
श्री दिलीप सिंह (पर्य. मोहन बड़ोदिया)
श्री बाबूलाल परमार (शा.प्र. सलसलाई)
श्री बाबूलाल राजपूत (पर्य. सलसलाई)
श्री प्रहलादसिंह दशोरिया (शा.प्र. अरनियाकलां)
श्री दुलेसिंह सोलंकी (पर्य. अरनियाकलां)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मोहन बड़ोदिया, जि.शाजापुर
श्री राजेश मालवीय (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. करजू, जि.शाजापुर
श्री चंदनसिंह चंद्रवंशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मोहना, जि.शाजापुर
श्री रामेश्वर इटावदिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धिनका, जि.शाजापुर
श्री रूगनाथसिंह मेवाड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धतरावदा, जि.शाजापुर
श्री रमेशचंद्र चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. देहरीपाल, जि.शाजापुर
श्री गफूर खाँ मंसूरी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बरनावाद, जि.शाजापुर
श्री माँगीलाल चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बिजाना, जि.शाजापुर
श्री नरेन्द्र कुमार गुर्जर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सारसी, जि.शाजापुर
श्री दीपक आर्य (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सलसलाई, जि.शाजापुर
श्री रामप्रसाद मेवाड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. केवड़ाखेड़ी, जि.शाजापुर
श्री मानसिंह परमार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भैंसराद, जि.शाजापुर
श्री शेरसिंह पँवार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दास्ताखेड़ी, जि.शाजापुर
श्री हरिदास वैष्णव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गुलाना, जि.शाजापुर
श्री मोहनदास बैरागी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गोदना, जि.शाजापुर
श्री रामनारायण परमार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मंगलाज, जि.शाजापुर
श्री मोहनसिंह मेवाड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. तोलाया, जि.शाजापुर
श्री कुमेरसिंह मेवाड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अरनियाकलाँ, जि.शाजापुर
श्री देवकरन वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अरनियाखुर्द, जि.शाजापुर
श्री माखनसिंह परमार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बेरछा दातार, जि.शाजापुर
श्री कैलाश खिंची (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ढाबला घोसी, जि.शाजापुर
श्री भँवरलाल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पोचानेर, जि.शाजापुर
श्री एलमसिंह परमार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रनायल, जि.शाजापुर
श्री शिवनारायण (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रोलाखेड़ी, जि.शाजापुर
श्री संतोष परमार (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

श्री तोमर द्वारा 'मसाला सांख्यिकी एक नजर में 2021' पुस्तक का विमोचन

देश का मसाला उत्पादन बढ़कर 107 लाख टन हुआ

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने 21 दिसंबर, 2021 को -मसाला सांख्यिकी एक नजर में 20217 पुस्तक का विमोचन किया। इस पुस्तक में सभी मसालों के आंकड़ों का संग्रह किया गया है। इन आंकड़ों में क्षेत्र, उत्पादन, उत्पादकता, निर्यात, आयात, कीमत और देश में उत्पादित विभिन्न मसालों के उत्पादन के मूल्य शामिल हैं। श्री तोमर ने कहा कि देश के सभी बागवानी फसलों से प्राप्त कुल निर्यात आय में मसालों का योगदान 41 फीसदी है। वहीं, यह कृषि कमोडिटिज में केवल समुद्री उत्पादों, गैर-बासमती चावल और बासमती चावल से पीछे चौथे स्थान पर है। देश में इन मसालों के उत्पादन में शानदार बढ़ोतरी कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की विभिन्न विकास कार्यक्रमों के कारण हुई है। इनमें एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच), राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई), परंपरागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई) और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) आदि हैं।

सुपारी और मसाला विकास निदेशालय ने अपने रोपण सामग्री उत्पादन कार्यक्रम व प्रौद्योगिकी प्रसार कार्यक्रम के जरिए उच्च उपज देने वाली किस्मों के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने देश में गुणवत्तापूर्ण मसालों के उत्पादन में भारी बढ़ोतरी करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कोरोना महामारी की अवधि के दौरान विशेष रूप से मसालों को स्वास्थ्य पूरक के रूप में मान्यता देने की वजह से मसालों की मांग में काफी बढ़ोतरी हुई है। यह हल्दी, अदरक, जीरा और मिर्च आदि मसालों के निर्यात में बढ़ोतरी के आंकड़ों में साफ दिखता है। इस पुस्तक का प्रकाशन कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के तहत सुपारी और मसाला विकास निदेशालय (डीएएसडी) ने किया है। यह राष्ट्रीय स्तर पर मसालों के क्षेत्र और उत्पादन अनुमानों के संग्रह व संकलन के लिए नोडल एजेंसी है। यह पुस्तक देश में पिछले सात वर्षों के दौरान यानी 2014-15 से 2020-21 तक मसाला क्षेत्र की प्रगति को रेखांकित करती है।

स्वैच्छिक पुनर्स्थापन पर 15 लाख का मुआवजा : वन मंत्री

भोपाल। प्रदेश के संरक्षित क्षेत्रों और टाईगर रिजर्वस कॉरीडोर क्षेत्र के ग्राम से स्वैच्छिक पुनर्स्थापन स्वीकार करने वाले परिवार इकाइयों को प्रति परिवार अब 15 लाख रूपए दिए जाने का प्रावधान किया गया है। वन मंत्री डॉ. कुँवर विजय शाह ने राज्य शासन द्वारा लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए बताया है कि इसके पहले वर्ष 2008 से संरक्षित ग्रामों से विस्थापन के लिए मुआवजा राशि प्रति परिवार इकाई 10 लाख रूपए दी जाती थी।

कुँवर विजय शाह

वन मंत्री डॉ. शाह ने बताया कि 13 साल की इस अवधि में समय के साथ इस राशि को पर्याप्त न मानकर राज्य ने विभिन्न औपचारिक और अनौपचारिक मंचों से इसे बढ़ाने के प्रस्ताव को ध्यान में रखकर केन्द्र सरकार से अनुरोध किया गया। प्रस्ताव पर भारत सरकार के पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण नई दिल्ली ने प्रस्तावित मुआवजा राशि को अपनी मंजूरी दे दी। वन मंत्री ने बताया कि मंत्रि-परिषद की 7 दिसम्बर 2021 को हुई बैठक में पुनर्वास के लिए मुआवजा पैकेज में बढ़ोत्तरी सहित योजना क्र. 5109 की निरंतरता को अनुमोदित किया गया।

वन मंत्री डॉ. शाह ने बताया कि वर्ष 2022-23 में पुनर्स्थापन के लिए 300 करोड़ रूपए का प्रावधान रखा गया है। इसमें कैम्पा मद से 285 करोड़ और योजना क्रमांक 5109 में पुनर्स्थापन के लिए 15 करोड़ रूपये स्वीकृत किए गए हैं। इस व्यवस्था के होने से संजय टाइगर रिजर्व नौरादेही अभयारण्य और रातापानी अभयारण्य के आस-पास रहने वाले परिवारों का पुनर्स्थापन हो सकेगा।

वन मंत्री ने बताया कि मुआवजा पैकेज में वृद्धि होने दुर्गम वन क्षेत्रों के भीतर बसे ग्रामीणों को पुनर्स्थापित होकर विकास की मुख्य-धारा से जुड़ने का प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही दुर्गम वन क्षेत्रों में मानवीय व्यवधान कम होने से मानव-वन्य-प्राणी द्वंद में भी कमी आएगी और वन्य-प्राणी संरक्षण और अधिक सुदृढ़ हो सकेगा। उन्होंने बताया कि ऐसे वन क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामवासियों ने स्वैच्छिक रूप से पुनर्स्थापित का विकल्प चुना, जिसमें 16 हजार परिवार इकाइयों को नवीन रहवास स्थलों में पुनर्स्थापित कराया जा चुका है।

इंदौर ने देश-विदेश में प्रदेश की शान बढ़ाई : मुख्यमंत्री

इंदौर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि इंदौर ने स्वच्छता के मामले में देश ही नहीं विदेशों में प्रदेश की शान बढ़ाई है। इंदौर क्लीन, ग्रीन, आईटी, हाईटेक सिटी के बाद अब मेट्रो सिटी का खिताब हासिल करने जा रहा है। अत्याधुनिक मेट्रो रेल का कार्य पूरी गति से आरम्भ हुआ है। सार्वजनिक परिवहन के क्षेत्र में यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। रिंग के रूप में निर्मित होने वाली इस परियोजना से नगरवासी लाभान्वित होंगे। इससे न केवल रोज़गार के अवसर मिल रहे हैं वरन सौर ऊर्जा के ज़रिए इसके संचालन से पर्यावरण को भी लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इंदौर में मेट्रो रेल परियोजना के प्रायोरिटी कॉरिडोर के 16 मेट्रो स्टेशन एवं 11 कि.मी. वायाडक्ट कार्य का शिलान्यास एवं भूमि-पूजन किया। शिलान्यास किए गए पैकेज इन 2×3 की लागत 1416 करोड़ 85 लाख रुपये है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वर्ष 2028 के आगामी सिंहस्थ के लिए नागरिकों के आवागमन को देखते हुए इस परियोजना को उज्जैन तक रैपिड रेल अथवा मेट्रो रेल के रूप में बढ़ाने के लिए सर्वे के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इंदौर-पीथमपुर मेट्रो का भी सर्वे कराया जाएगा। शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, पर्यावरण, सर्विस सेक्टर, महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में इंदौर वर्ष 2047 में कैसा होगा, इसका रोडमैप भी बनवाया जाएगा।

जल-संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर, सांसद श्री शंकर लालवानी, विधायक श्री महेंद्र हार्डिया, श्री आकाश विजयवर्गीय, श्रीमती मालिनी गौड़, श्री रमेश मेंदोला एवं अन्य जन-प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कारपेंटर और प्लंबर भी सहकारी समितियों से मिलेंगे

भोपाल। मध्यप्रदेश में सहकारिता के क्षेत्र को विस्तार देने के लिए अब सेवा प्रदाता समितियों का गठन किया जाएगा। बड़े शहरों में एक से अधिक और जिला मुख्यालय पर कम से कम एक समिति होगी, जिसमें निजी तौर पर कारपेंटर, प्लंबर सहित अन्य सेवाएँ देने वालों को जोड़ा जाएगा। यह नवाचार इसलिए किया जा रहा है ताकि उपभोक्ताओं को एक जगह से सारी सेवाएँ मिल जाए और जवाबदेही भी तय होगा। इनका शुल्क राज्य स्तर से निर्धारित होगा।

अरविंदसिंह सेंगर

संयुक्त पंजीयक श्री अरविंद सेंगर ने बताया कि शहरों का तेजी से विस्तार हो रहा है। निजी तौर पर कई कॉलोनियाँ बन गई हैं और निर्माण भी होता जा राह है। रहवासियों को आए दिन नल, बिजली, दरवाजा, खिड़की की मरम्मत कराने के लिए प्रशिक्षित व्यक्तियों की जरूरत होती है। अभी निजी तौर पर ये सेवाएँ मिलती हैं पर इसके लिए इंतजार करना पड़ता है। शुल्क भी मनमाना लिया जाता है। कई अन्य शिकायतें भी मिलती हैं। इसलिए तय किया गया कि राज्य स्तर पर सेवा प्रदाता महासंघ बनाया जाएगा। समितियों से कारपेंटर, प्लंबर सहित उन सभी को जोड़ा जाएगा जो निजी तौर पर सेवाएँ उपलब्ध कराते हैं। इनके फोन नंबर समिति के पास होंगे। समिति अपना एक नंबर सार्वजनिक करेगी और इस पर जब किसी सेवा के लिए संपर्क साधा जाएगा तो उस क्षेत्र के संबंधित सेवा प्रदाता को अवगत करा दिया जाएगा।

श्री सेंगर ने बताया कि इस सेवा से जुड़ने वाले लोगों के कौशल उन्नयन के लिए कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के माध्यम से प्रशिक्षण दिलाया जा रहा है। साथ ही लोक सेवा प्रबंधन विभाग निश्चित समय सीमा में सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए लोक सेवा गारंटी कानून के तहत प्रविधान कर रहा है। इसी कड़ी में सहकारिता विभाग ने तय किया है कि उपभोक्ताओं को वे सभी सेवाएँ जो निजी तौर पर उपलब्ध होती हैं, उन्हें सहकारी समितियों के माध्यम से दिया जाएगा। इसके लिए सेवा प्रदाता समितियाँ गठित की जाएँगी।

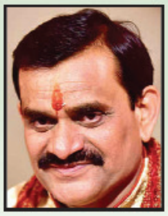

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण	दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण	किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

प्रदेश के समस्त नागरिकों को नूतन वर्ष की हार्दिक बधाइयाँ

श्री जगदीश कन्नौज
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री विनोद सिंह
(प्रशासक एवं उपायुक्त सह.)

श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री राजेन्द्र आचार्य
(प्रभारी प्रबंधक)

सौजन्य से
श्री जगदीश सेन (शा.प्र. खामखेड़ा)
श्री तुलसीराम पाटीदार (पर्य. खामखेड़ा)
श्री हीरालाल यादव (शा.प्र. बेड़िया)
श्री अफजल खान (शा.प्र. भगवानपुरा)
श्री के.एल. आड़तिया (पर्य. भगवानपुरा)
श्री अजय कापसे (शा.प्र. झिरन्या)
श्री देवराम राठौर (पर्य. झिरन्या)
श्री सुरेन्द्र दांगी (शा.प्र. टेमला)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. खामखेड़ा, जि.खरगोन श्री ओमप्रकाश विर्ले (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. भूलगाँव, जि.खरगोन** श्री प्रेमलाल बिर्ला (प्रबंधक)	**आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. पाडल्या, जि.खरगोन** श्री राधेश्याम अरसे (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. मुलठान, जि.खरगोन श्री दिनेश शर्मा (प्रबंधक)	**आ.जा.सेवा सह.संस्था मर्या. भगवानपुरा, जि.खरगोन** श्री के.एल. आढ़तिया (प्रबंधक)	**आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. चिरिया, जि.खरगोन** श्री चरणदास राठौर (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. कमोदवाड़ा, जि.खरगोन श्री तुलसीराम पाटीदार (प्रबंधक)	**आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. भग्यापुर, जि.खरगोन** श्री के.एल. आढ़तिया (प्रबंधक)	**आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. मिटावल, जि.खरगोन** श्री मुन्नालाल तेजी (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. खेड़ी बु., जि.खरगोन श्री मोहन मालाकार (प्रबंधक)	**आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. धूलकोट, जि.खरगोन** श्री जीवनसिंह रतोरिया (प्रबंधक)	**आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. रतनपुर, जि.खरगोन** श्री देवीसिंह जी (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. बेड़िया, जि.खरगोन श्री देवेन्द्र बिर्ला (प्रबंधक)	**आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. पीपलझोपा, जि.खरगोन** श्री रमेशचंद्र सेंगर (प्रबंधक)	**आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. चैनपुर, जि.खरगोन** श्री सीताराम पाटीदार (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. निपानी, जि.खरगोन श्री रमेश बिर्ला (प्रबंधक)	**आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. झिरन्या, जि.खरगोन** श्री सिंगदार सोलंकी (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. टेमला, जि.खरगोन** श्री रेवाराम पाटीदार (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. रावेरखेड़ी, जि.खरगोन श्री प्रेमलाल बिर्ला (प्रबंधक)	**आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. आभापुरी, जि.खरगोन** श्री धर्मेन्द्र सोलंकी (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. रजुर, जि.खरगोन** श्री सुखदेव पाटीदार (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

संवेदनाओं से ही उपजी लाड़ली लक्ष्मी योजना : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि संवेदनाओं से ही लाड़ली लक्ष्मी योजना उपजी है। संवेदना के बिना सेवा का भाव पैदा नहीं हो सकता है। संवेदना और सेवा भारत के मूल में है, भारत की जड़ों में है। दूसरों की सेवा का भाव संवेदना से ही पैदा होता है। मुख्यमंत्री श्री चौहान कुशाभाऊ ठाकरे सभागार भोपाल में स्वदेश ग्वालियर समूह की 50 वर्षों की स्वर्णिम यात्रा पर आयोजित 'भारतीय राजनीति में सेवा, संवेदना एवं संस्कृति' विमर्श को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम में अतिथियों ने मुख्यमंत्री श्री चौहान के व्यक्तित्व और कृतित्व पर केन्द्रित ग्रंथ विलक्षण जननायक का विमोचन भी किया। महामंडलेश्वर स्वामी अवेधशानंद गिरि जी महाराज, प्रखर विचारक श्री शिव प्रकाश, मध्य स्वदेश के प्रबंध संचालक श्री यशवर्धन जैन, समूह संपादक श्री अतुल तारे मंचासीन थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान की धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह, जन-प्रतिनिधि, समाजसेवी, पत्रकार और नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि गुरु सही राह दिखाते हैं, तो हम अच्छे कार्य कर पाते हैं। संवेदनाएँ सेवा में परिवर्तित होती हैं। नित्य अपने आपको सुधारने की कोशिश करते रहें। अच्छे संस्कारों से ही हम आगे बढ़ पाते हैं। महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज ने कहा कि सेवा, संवेदना और संस्कृति एक दूसरे के अभिन्न अंग हैं। ईश्वर भी सेवा में ही लगा है। सेवा से ही ईश्वर की प्राप्ति होती है। जो व्यक्ति स्वार्थ और लालसा से दूर होता है वह सेवा कर सकता है। सेवा ईश्वरीय कार्य है। उन्होंने कहा कि सबके सुख के लिए कार्य करना हमारा भाव होना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री चौहान की सेवा और संवेदना के कई उदाहरण दिए। विशिष्ट अतिथि श्री शिव प्रकाश ने कहा कि हम सबके लिए राजनीति में सेवा, संवेदना और संस्कृति होना आनंददायी है। वेदना को समझकर अपने अंदर अनुभूत करना संवेदना है। संवेदना की अनुभूति राजनीति में सक्रियता को जन्म देती है। गरीबों की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। मध्य स्वदेश के समूह संपादक श्री अतुल तारे ने कहा कि सेवा, संवेदना और संस्कृति राजनीति के मूल्य हैं। समाज को दिशा देने में इनकी अहम भूमिका है। विलक्षण जननायक पुस्तक समाज के लिए उपयोगी साबित होगी। समूह के प्रबंध संपादक श्री सौमित्र जोशी ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन वंदे-मातरम गान के साथ हुआ।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दिए निर्देश

ओलावृष्टि से हुई फसलों की क्षति का तत्काल सर्वेक्षण हो

शिवराजसिंह चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि हाल ही में प्रदेश के कुछ जिलों के ग्रामों में हुई असमय वर्षा और ओलावृष्टि से किसानों की फसलों को पहुँचे नुकसान का शीघ्र सर्वे किया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जहाँ-जहाँ क्षति हुई है, तत्काल सर्वे कराया जाए। साथ ही क्षति का आकलन कर राहत राशि के भुगतान की व्यवस्था भी की जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए हैं कि फसल बीमा योजना का लाभ दिलवाना भी सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश सरकार संकट की घड़ी में हमेशा किसानों के साथ है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अभी जिन किसानों की फसलों का नुकसान हुआ है, वे किसान संकट में हैं, लेकिन उन्हें इस संकट से निकालने का कार्य किया जाएगा। किसानों को चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों और प्रभावित जिले में कलेक्टर्स से चर्चा कर फसलों के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण • खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड • कृषि यंत्र के लिए ऋण • दुग्ध डेयरी योजना

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री चंद्रमोहन ठाकुर (कलेक्टर एवं प्रशासक)

श्री संजय दलेला (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री महेन्द्र दीक्षित (उपायुक्त सहकारिता)

श्री कमल मकाश्रे (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री मुकेश श्रीवास्तव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से
श्री देवकरण जावरिया (शा.प्र. आष्टा)
श्री धरमसिंह परमार (पर्य. आष्टा)
श्री हुकुमसिंह राजपूत (शा.प्र.कोठरी)
श्री जगदीश शर्मा (पर्य.कोठरी)
श्री उदयसिंह ठाकुर (शा.प्र. जावर)
श्री रामसिंह वर्मा (पर्य. जावर)
श्री दयाराम पाटीदार (शा.प्र. मेहतवाड़ा)
श्री मनोहरसिंह ठाकुर (पर्य. मेहतवाड़ा)
श्री रमेश दायमा (शा.प्र. लाड़कुई)
श्री राधेश्याम सोलंकी (पर्य.लाड़कुई)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. डाबरी, जि.सीहोर
श्री रूपचंद्र वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. खड़ीहाट, जि.सीहोर
श्री बद्रीप्रसाद वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. पगारिया राम, जि.सीहोर
श्री नरेन्द्र पाठक (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. बमूलिया भाटी, जि.सीहोर
श्री देवीसिंह जायसवाल (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. भंवरा, जि.सीहोर
श्री नरेन्द्र पाठक (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. बागेर, जि.सीहोर
श्री माँगीलाल ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. मुगली, जि.सीहोर
श्री राजाराम वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. लसुड़िया पार, जि.सीहोर
श्री रामेश्वर विश्वकर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. बेदाखेड़ी, जि.सीहोर
श्री जगदीश शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. गवाखेड़ा, जि.सीहोर
श्री अजबसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. कोठरी, जि.सीहोर
श्री इन्दरसिंह चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. निपानियाकलां, जि.सीहोर
श्री जगदीश शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. अमलाहा, जि.सीहोर
श्री चन्दरसिंह वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. धामन्दा, जि.सीहोर
श्री घीसीलाल वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. कजलास, जि.सीहोर
श्री नियाज मोहम्मद (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. जावर, जि.सीहोर
श्री इन्दरसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. मुरावर, जि.सीहोर
श्री इन्दरसिंह राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. भँवरीकला, जि.सीहोर
श्री रामसिंह वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. मेहतवाड़ा, जि.सीहोर
श्री मनोहरसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. ग्वाली, जि.सीहोर
श्री दीनदयाल दुबे (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. भाऊखेड़ा, जि.सीहोर
श्री जयसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. फूडरा, जि.सीहोर
श्री यशवंतसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. लाड़कुई , जि.सीहोर
श्री जनार्दन शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. भादाकुई, जि.सीहोर
श्री मोहन मीणा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. छिदगाँव, जि.सीहोर
श्री अशोक मीणा (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

ड्रोन तकनीक से किसान होंगे लाभान्वित

नई दिल्ली। ड्रोन तकनीक को अपनाना समय की मांग है और इससे किसानों को फायदा होगा। कृषि में ड्रोन के इस्तेमाल के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी करते हुए कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में 2014 से सभी नीतियों का उद्देश्य 2022 तक किसान की आय को दोगुना करना है। उन्होंने कहा कि किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) और कृषि बुनियादी कोष (एआईएफ) के सृजन से छोटे किसानों के जीवन में बदलाव आएगा। श्री तोमर ने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों में टिड्डियों के हमलों को रोकने के लिए पहली बार ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था। उन्होंने कहा कि सरकार कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों को शामिल करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है ताकि कृषि क्षेत्र की उत्पादकता के साथ-साथ दक्षता बढ़ाने के संदर्भ में स्थायी समाधान किया जा सके।

कीटनाशक के इस्तेमाल के लिए ड्रोन विनियमन के लिए एसओपी में वैधानिक प्रावधान, उड़ान की अनुमति, क्षेत्र दूरी संबंधी प्रतिबंध, वजन का वर्गीकरण, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों पर प्रतिबंध, ड्रोन का पंजीकरण, सुरक्षा बीमा, पायलट प्रमाणन, संचालन योजना, हवाई उड़ान क्षेत्र, मौसम की स्थिति, संचालन पूर्व, पश्चात एवं संचालन के दौरान, आपातकालीन हैंडलिंग योजना के लिए एसओपी जैसे महत्वपूर्ण पहलू शामिल हैं। कार्यक्रम में कृषि राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी और सुश्री शोभा करंदलाजे शामिल थे। आईसीएआर के वरिष्ठ अधिकारी, राज्य सरकार के अधिकारी और पूरे देश में कस्टम हायरिंग सेंटर के संचालक इस कार्यक्रम में वेबकास्ट के माध्यम से शामिल हुए।

6 हजार अवैध कॉलोनी होंगी वैध : श्री भूपेन्द्र सिंह

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया है कि शहरी क्षेत्रों में अनाधिकृत कॉलोनियों के नियमितिकरण के लिये नियमों को अंतिम रूप दे दिया गया है। जल्द ही इसका प्रकाशन किया जायेगा। इससे प्रदेश की लगभग 6 हजार कॉलोनियों के नियमितीकरण का रास्ता साफ होगा। नियमितीकरण के बाद इन कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को भवन निर्माण की अनुमति मिलने के साथ ही बैंक लोन की सुविधा भी मिल सकेगी। नगरीय निकायों में 31 अगस्त से 27 दिसम्बर तक कम्पाउंडिंग के 5320 प्रकरण प्राप्त हुए हैं। इनमें से 4264 प्रकरण स्वीकृत किये जा चुके हैं। इससे नगरीय निकायों को 54 करोड़ 45 लाख रुपये की राशि प्रशमन शुल्क के रूप में प्राप्त हुई है। इंदौर नगरपालिक निगम द्वारा सर्वाधिक 1975 प्रकरण स्वीकृत किये गये हैं। इससे निगम को 41 करोड़ 89 लाख रुपये का शुल्क प्राप्त हुआ है। मंत्री श्री सिंह ने इस उपलब्धि के लिये इंदौर नगर निगम को बधाई देते हुए कहा है कि अन्य निकायों को भी इसका अनुकरण करना चाहिये। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री ने नागरिकों से अपील की है कि अनुज्ञा के बिना या प्रदान की गई अनुज्ञा के उल्लंघन में निर्मित संन्निर्माण के प्रशमन के लिये 28 फरवरी, 2022 तक आवेदन कर शासन द्वारा दी जाने वाली 20 प्रतिशत छूट का लाभ जरूर लें। उन्होंने बताया कि नागरिकों के हित में किये गये विशेष प्रयासों से राज्य शासन द्वारा 10 अगस्त, 2021 को कॉलोनियों के नियमितीकरण के संबंध में नगरपालिका अधिनियम में आवश्यक संशोधन किया गया था। इसमें कॉलोनियों के नियमितीकरण के वैधानिक प्रावधान सम्मिलित किये गये।

भूपेन्द्र सिंह

नगर निगम	स्वीकृत	प्राप्त शुल्क
इंदौर	1975	41.89 करोड़
भोपाल	1083	4.97 करोड़
ग्वालियर	138	1.68 करोड़
जबलपुर	188	1.22 करोड़
उज्जैन	183	95.87 लाख
सतना	14	58.66 लाख
रीवा	64	55.19 लाख
रतलाम	13	44.35 लाख
छिंदवाड़ा	11	36 लाख
देवास	17	35.84 लाख
सागर	56	21 लाख
मुरैना	18	20.92 लाख
सिंगरौली	19	17.29 लाख
बुरहानपुर	12	13.71 लाख
खण्डवा	13	12.17 लाख
कटनी	18	9.40 लाख

मुख्यमंत्री ने की सहकारिता और कृषि विभाग की समीक्षा

नवीन क्षेत्रों में हो सहकारिता का उपयोग : श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि गैर पारम्परिक क्षेत्रों में सहकारिता के उपयोग को सुनिश्चित करना आवश्यक है। ग्रामीण परिवहन सेवा, खाद्य प्र-संस्करण, पर्यटन और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सहकारिता का अच्छा उपयोग हो सकता है। विभाग में कम्प्यूटर के इस्तेमाल को भी बढ़ावा दिया जाए। बड़े नगरों में गृह निर्माण सहकारी समितियों की अनियमितताओं पर अंकुश लगाने का कार्य भी निरंतर किया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान सहकारिता विभाग की गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) को सक्षम बनाने अभियान को भी गति देना जरूरी है। यह समितियाँ सहकारिता को बढ़ाने का आधार हैं। इनसे जुड़े कर्मचारियों को उपयोगी प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्म-निर्भर भारत के आव्हान और आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश में सहकार से समृद्धि के भाव को अंगीकार कर नवीन सहकारी नीति तैयार की जाए। जिन जिला सहकारी बैंकों का परफार्मेंस बेहतर नहीं है, उन्हें निरंतर शासकीय अंशपूँजी देने का औचित्य नहीं है। अन्य राज्यों के सहकारी क्षेत्र में हुए अच्छे कार्यों का मध्यप्रदेश में भी अनुसरण किया जाए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कृषि और पशुपालन के साथ ही नए-नए क्षेत्रों में सहकारिता का उपयोग किया जाए। मत्स्य पालन, बकरी पालन, ग्रामीण परिवहन सेवा, हेल्थ सेक्टर, पर्यटन, विभिन्न खाद्य उत्पादों के प्र-संस्करण कार्य में सहकारिता से सकारात्मक परिवर्तन संभव है। सहकारिता के पहुँच और उसके व्यापक प्रभाव को समझते हुए इसके लिए रोडमैप तैयार करें। बैठक में मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, कृषि उत्पादन आयुक्त श्री शैलेन्द्र सिंह, अपर मुख्य सचिव सहकारिता श्री अजीत केसरी उपस्थित थे।

शरबती गेहूँ मध्यप्रदेश की पहचान

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने किसान-कल्याण एवं कृषि विकास विभाग की समीक्षा में कहा कि शरबती गेहूँ मध्यप्रदेश की पहचान है। इसका क्षेत्र बढ़ाने के प्रयास हों। मिट्टी परीक्षण प्रयोगशालाओं को प्राथमिकता के साथ शुरू करायें। उन्होंने भण्डारण प्र-संस्करण बुनियादी ढाँचा विकास के लिए बेहतर कार्य करने के निर्देश दिए। कस्टम, हायरिंग सेंटर में हम देश में नम्बर वन हैं। इनका संचालन ठीक ढंग से हो। बैठक में किसान-कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वर्ष 2022 के विभागीय विजन की जानकारी ली। उन्होंने फसलों के विविधीकरण को बढ़ावा देने, जैविक एवं प्राकृतिक खेती और मोटे अनाज को बढ़ावा, कृषि निर्यात को बढ़ावा और कृषि में आधुनिक तकनीकी का उपयोग करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कृषि निर्यात के लिए मिशन मोड में जुट जाये। रोडमैप बनाकर कार्य करें। नरवाई जलाने की घटनाओं को प्रदेश में कम किया गया है। ऐसी घटनाओं को पूरी तरह नियंत्रित करें। 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना में बेहतर कार्य करें। कृषि के क्षेत्र में स्टार्टअप को बढ़ावा दें।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जाये। देश और धरती को बचाने के लिए जैविक खेती जरुरी है। जैविक खेती में मध्यप्रदेश देश में नम्बर एक है। इसे बनाये रखने की जरुरत है। जैविक खेती का रकबा 17.31 लाख हैक्टेयर है। संभावनाओं का पता लगाकर निर्यात की ठोस रणनीति बनाये। खेती को असली ताकत बनाना है।

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

नूतन वर्ष पर समस्त कृषक बंधुओं
और प्रदेशवासियों का

हार्दिक अभिनंदन

समस्त किसानों को
0%
ब्याज पर ऋण

सौजन्य से
श्री शैलेन्द्र शर्मा
(शा.प्र. बांदरी)
श्री हृदयेश बिलगैया
(शा.प्र. बीना)

श्री पी.के. सिद्धार्थ
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री पी.आर. कावड़कर
(प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)

श्री एम.के. ओझा
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री डी.के. राय
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अटाटीला, जि.सागर
श्री मनोहरलाल कौशिक (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सेमरखेड़ी, जि.सागर
श्री बृजभानसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बिदवासन, जि.सागर
श्री सुनील तिवारी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. आगासौद, जि.सागर
श्री रामकिशोर नायक (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सागौनी, जि.सागर
श्री विजय सिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पुरैना, जि.सागर
श्री राजेन्द्र तिवारी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पिठौरिया, जि.सागर
श्री महेन्द्र मिश्रा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कंजिया, जि.सागर
श्री राजपाल यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. झीकनी बरोदिया, जि.सागर
श्री देवसिंह राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बिलाखना, जि.सागर
श्री रंधीरसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. छोटी बीजरी, जि.सागर
श्री निखिलेश गोस्वामी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बिहरना, जि.सागर
श्री यशवंत कुर्मी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पिड़रूवा, जि.सागर
श्री सूरज नारायण रावत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भानगढ़, जि.सागर
श्री शंकरलाल गोस्वामी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बीना इटावा, जि.सागर
श्री अनुज मिश्रा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पिपरासर, जि.सागर
श्री गुन्नालाल लोधी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धनौरा, जि.सागर
श्री वीरेन्द्रसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मण्डी बामोरा, जि.सागर
श्री कुलदीप सिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रामपुर हींगटी, जि.सागर
श्री देशराज गौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सतोरिया, जि.सागर
श्री महेन्द्र सिंह कुर्मी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. किर्रावदा, जि.सागर
श्री विशालसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गढ़ा पड़रिया, जि.सागर
श्री विजेन्द्र कुमार रावत (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

सी.एम. हेल्पलाइन से नागरिकों को मिल रहीं सेवाएँ

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि सी.एम. हेल्पलाइन-181 से नागरिकों को सेवाएँ देना बहुत अच्छी पहल है। सी.एम. हेल्पलाइन-181 का केवल शिकायतों के लिये नहीं, नागरिकों को सेवाएँ देने के लिये बेहतर उपयोग किया जाये। मुख्यमंत्री श्री चौहान मंत्रालय में लोक सेवा प्रबंधन विभाग की समीक्षा कर रहे थे। समीक्षा बैठक में सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सी.एम. हेल्पलाइन के माध्यम से नागरिकों तक पहुँच बढ़ाने के लिये सी.एम. जनसेवा 181 के माध्यम से आय प्रमाण-पत्र, मूल निवासी प्रमाण-पत्र, चालू खसरा की प्रतिलिपि, बी-1 खतौनी की प्रतिलिपि और चालू नक्शा की प्रतिलिपि की 5 प्रमुख नागरिक सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं। यह एक अच्छा प्रयास है। सी.एम. जनसेवा 181 के माध्यम से और अधिक सेवाएँ नागरिकों को दी जायें। उन्होंने कहा कि नागरिकों को सेवा देना सरकार का दायित्व है। लोक सेवा केन्द्र के माध्यम से कई प्रकार की सेवाएँ नागरिकों को निश्चित समय-सीमा में मिल रही हैं। प्रमुख सचिव लोक सेवा प्रबंधन श्री मनीष रस्तोगी ने बताया कि इसके माध्यम से वर्तमान में 563 प्रकार की सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं। आगामी समय में सेवाओं की संख्या को बढ़ाया जायेगा। सभी सेवाओं को ऑनलाइन देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्ष 2022-23 में 730 ग्राम पंचायतों पर उप लोक सेवा केन्द्र और जिला स्तर पर उप लोक सेवा केन्द्र खोले जाने की कार्यवाही प्रचलन में है।

सड़कों की गुणवत्ता सुधारें : मंत्री श्री पटेल

हरदा। किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने हरदा में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक में सड़कों की गुणवत्ता सुधारने और सड़कों के दोनों ओर वृक्षारोपण कराने के निर्देश दिये। बैठक की अध्यक्षता करते हुए सांसद श्री डी.डी. उइके ने कोरोना की तीसरी संभावित लहर के मद्देनजर सभी आवश्यक तैयारियों के प्रबंध पुख्ता करने के निर्देश दिये। जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र जैन, श्री अमरसिंह मीणा, श्री राजेश वर्मा और अन्य जन-प्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

कृषि मंत्री श्री पटेल ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के महाप्रबन्धक को निर्देश दिये कि ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित कराई जाने वाली सड़कों में सड़क के दोनों ओर नाली निर्माण आवश्यक रूप से कराया जाए। नाली निर्माण से गाँव में कीचड़ और गंदगी की समस्या से निजात मिलेगी तथा सड़कें क्षतिग्रस्त नहीं होंगी। मंत्री श्री पटेल ने सड़कों की गुणवत्ता में सुधार के साथ सड़कों के दोनों ओर वृक्षारोपण कराने के निर्देश भी दिये।

सांसद श्री उइके ने कहा कि कोरोना की संभावित तीसरी लहर से निपटने के लिये सभी आवश्यक तैयारियाँ सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र में जल-जीवन मिशन में संचालित पेय जल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी की। पेयजल योजनाओं की गुणवत्ता की जाँच अन्य तकनीकी विभागों के इंजीनियर से कराने के निर्देश दिये गये। बैठक में बताया कि 3 जनवरी से 15 से 18 वर्ष आयु सीमा के किशोरों का कोविड वैक्सीनेशन प्रारंभ करने की तैयारियाँ की जा रही हैं। जिले में लगभग सभी नागरिकों को कोविड वैक्सीन के दोनों डोज लगाये जा चुके हैं।

बजट में सहकारी क्षेत्र में पारदर्शिता पर रहेगा जोर

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2022-23 के आम बजट में नव सृजित केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय के गठन की प्रक्रिया को अंतिम रूप देने के लिए विशेष प्रविधान किये जा सकते हैं। सहकारिता क्षेत्र की सबसे बड़ी टैक्स विसंगतियों के दूर होने का पूरा अनुमान है। आम बजट में सहकारी संस्थाओं के लिए यह बड़ा तोहफा साबित होगा जिसके संकेत कई मौकों पर दिये भी जा चुके हैं। सहकारी क्षेत्र में दूसरी सबसे बड़ी विसंगति पारदर्शिता का अभाव है। सरकार के स्तर पर इसके लिए पूरी तैयारी कर ली गई है। असकी घोषणा आम बजट में हो सकती है।

सहकारिता में पारदर्शिता के लिए प्राथमिक सहकारी संस्थाओं से लेकर उच्च संस्थानों तक में कम्प्यूटरीकरण की सख्त जरूरत है। राज्यों के साथ केंद्रीय संस्थानों यानी मल्टी को-ऑपरेटिव तक में इसका अभाव है। मंत्रालय के स्तर पर अभी तक सहकारिता के संस्थानों के बारे में पूरा ब्यूरा तक नहीं है। मंत्रालय इसके लिए डाटा बेस तैयार करने में जुटा है। आम बजट में प्राथमिक सहकारी समितियों से लेकर मल्टी को-ऑपरेटिव बैंकों के कम्प्यूटरीकरण के लिए साढ़े तीन हजार करोड़ रुपये के आवंटन की घोषणा हो सकती है।

पिछली सरकारों में नहीं हुई सुनवाई

टैक्सेशन की विसंगतियों को लेकर सहकारी संस्थाएँ परेशान हैं। पिछले वर्षों में पेश होने वाले आम बजट से पहले सहकारी संस्थाओं के मुखिया कृषि और सहकारिता मंत्री के साथ वित्तमंत्री के यहाँ इस बाबत गुहार लगाते थे लेकिन बात नहीं बनी। नए सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के पदभार संभालने के बाद उनके स्वागत में आयोजित समारोह में यह बात दोहराई गई तो उन्हें आश्वासन दियागया कि इसकी जानकारी मंत्रीजी के पास है। आम बजट में इस समस्या के सुलझ जाने की संभावना है। दरअसल सहकारी क्षेत्र की संस्थाओं पर मिनिमम अल्टरनेटिव टैक्स (एमएटी) जहाँ 18 प्रतिशत लगाया जाता है वहीं कंपनी एक्ट के तहत गठित होने वाले फार्मर्स प्रोड्युसिंग ऑर्गेनाइजेशन (एफपीओ) पर मात्र 15 प्रतिशत का टैक्स लगाया जाता है। इसी तरह कार्पोरेट सेक्टर की कंपनियों की कुल टैक्सेबल आमदनी पर 15 प्रश का सरचार्ज वसूला जाता है जबकि सहकारी संस्थाओं की टैक्सेबल आमदनी पर यही सरचार्ज 18.5 फीसद हो जाता है।

सहकारी समितियों से लेकर सहकारी संस्थाओं में कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों के प्रशिक्षण का ढाँचा चरमराया हुआ है। प्रशिक्षण देने वाली संस्था की भूमिका अहम होगी। इसके लिए पर्याप्त धन के साथ पूरी व्यवस्था के ओवर हॉलिंग की जरूरत महसूस की जा रही है। नए मंत्रालय में कामकाज के लिए अफसरों व कर्मचारियों की भी जरूरत है जिनके पदों को सृजित कर उन पर होने वाले खर्च का भी प्रविधान किया जा सकता है।

अंशधारकों का हो रहा नुकसान

देश में 95 हजार प्राथमिक कृषि क्रेडिट सोसायटियाँ (पैक्स) रजिस्टर्ड हैं। जिसमें से 60 हजार से अधिक समितियाँ ही सक्रिय हैं। लगभग 35 हजार निष्क्रिय समितियों में से ज्यादातर कर्जदार होकर डिफॉल्टर हो चुकी हैं। लिहाजा निलंबित हैं। इसी वजह से इन समितियों को बैंकों से न तो लोन मिल पा रहा है और न ही उनमें किसी तरह का कामकाज हो पा रहा है। सहकारी क्षेत्र से जुड़े लोगों का कहना है कि इन समितियों के रहते उन ग्राम पंचायतों में दूसरी समितियों का गठन नहीं हो पा रहा है जिससे अंशधारकों को नुकसान हो रहा है। इनके पुनरुद्धार के लिए भी इस बार बजट में कुछ घोषणाएँ की जा सकती हैं।

जिला सहकारी बैंक झाबुआ में सुशासन दिवस मनाया

झाबुआ। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटलबिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस 25 दिसंबर पर सुशासन दिवस जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. झाबुआ के प्रधान कार्यालय पीली कोठी पर मनाया गया। बैंक के अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा सुशासन की शपथ ग्रहण की गई। इस अवसर पर बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर.एस. वसुनिया, फील्ड प्रभारी श्री एच.ए.के. पाण्डेय, प्रभारी विपणन श्री हेमन्त नीमा, प्रभारी स्टोर श्री भगवानसिंह नायक, प्रभारी लेखा श्री महेन्द्रसिंह जमरा, प्रभारी स्थापना श्री मनोज कोठारी सहित प्रधान कार्यालय एवं मुख्य शाखा झाबुआ के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

रोजगार के अवसर देने में भी इंदौर बनेगा नंबर वन

इंदौर। इंदौर जिले के प्रभारी एवं गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा है कि मध्यप्रदेश में रोजगार की अपार संभावनाएँ मौजूद हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इंदौर युवाओं के लिए रोजगार के अधिकतम अवसर सृजित करने और रोजगार उपलब्ध कराने में भी नंबर वन रहेगा। डॉ. मिश्रा इंदौर में स्वामी विवेकानंद की जयंती, राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर आयोजित रोजगार मेले को संबोधित कर रहे थे। इंदौर में 40 हजार से अधिक युवाओं को 228 करोड रुपए से अधिक के ऋण के स्वीकृति-पत्र वितरित किए गए। जाल सभागृह में आयोजित कार्यक्रम में गृह मंत्री डॉ. मिश्रा और पर्यटन तथा संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने 127 युवाओं को साढ़े 14 करोड़ रुपए से अधिक की राशि के स्वीकृति-पत्र वितरित किए। कार्यक्रम में भोपाल के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के संबोधन को भी वर्चुअली सुना गया।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए शासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। हमारी सरकार गाँव, गरीब और किसानों की सरकार है। हम सबका साथ-सबका विकास में विश्वास रखकर निरंतर लोकहित के कार्य कर रहे हैं। उन्होंने आशा जताई कि इंदौर जिस प्रकार से हर क्षेत्र में अग्रणी रहा है, उसी प्रकार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने में भी अग्रणी रहेगा।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के आदर्श रहे हैं। आज का युवा उनसे प्रेरणा लेकर उत्साह, लगन और परिश्रम से कार्य कर भारत को आत्म-निर्भर बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेगा। सांसद श्री शंकर लालवानी ने कहा कि रोजगार की गतिविधियों से जोड़ने का सरकार के द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। निश्चित ही इससे अधिक से अधिक युवा लाभान्वित होंगे। इंदौर कलेक्टर श्री मनीष सिंह ने बताया कि जिले में युवाओं को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम आदि में लाभान्वित किया गया है। विधायक श्री महेंद्र हार्डिया और श्री आकाश विजयवर्गीय, अध्यक्ष इंदौर विकास प्राधिकरण श्री जयपाल सिंह चावड़ा, पूर्व विधायक श्री राजेश सोनकर और श्री जीतू जिराती सहित जन-प्रतिनिधि मौजूद थे।

श्री दंढोतिया का सेवानिवृत्ति पर सम्मान किया गया

अलीराजपुर। ऑडिट ऑफिसर श्री विद्याराम दंढोतिया का 62 वर्ष की आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्ति पर सहायक आयुक्त सहकारिता अलीराजपुर श्री राजेश कनेश की अध्यक्षता में जिला सहकारी बैंक के नोडल अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा शॉल-श्रीफल व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री महेश चंद पालीवाल अंकेक्षक ने किया। इस

अवसर पर बैंक, समितियों व सहकारिता विभाग के कर्मचारी-अधिकारी उपस्थित रहे। अतिथियों ने श्री दंढोतिया के सरल स्वभाव तथा कर्मठता की प्रशंसा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर समिति बोरखड मे प्रशासक व संस्था प्रबंधक, नोडल अधिकारी व विपणन समिति प्रबंधक द्वारा भी स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण ● खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड ● कृषि यंत्र के लिए ऋण ● दुग्ध डेयरी योजना

नूतन वर्ष पर समस्त
किसान भाइयों को बधाइयाँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सौजन्य से
श्री प्रेमसिंह हाड़ा (शा.प्र. बोड़ा)
श्री वीरेन्द्र कुमार सुमन (पर्य. बोड़ा)
श्री मेहताबसिंह राजपूत (शा.प्र. तलेन)
श्री राकेश कुमार जैन (पर्य. तलेन)
श्री रमेशचंद्र पाण्डे (शा.प्र. पचोर)
श्री कमलसिंह राजपूत (पर्य. पचोर)

श्री हर्ष दीक्षित (कलेक्टर एवं प्रशासक)
श्री संजय दलेला (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री जे.पी. सोनकुसरे (उपायुक्त सहकारिता)
श्री कमल मकाश्रे (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री दिलीप चौहान (मुख्य कार्यपालन अधिकारी)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. बोड़ा, जि.राजगढ़
श्री वीरेन्द्र कुमार सुमन (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. भैंसाना, जि.राजगढ़
श्री प्रह्लाद यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. मंडावर, जि.राजगढ़
श्री वीरेन्द्र कुमार सुमन (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. ढाबला, जि.राजगढ़
श्री विक्रमसिंह चावड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. हिनोत्या, जि.राजगढ़
श्री कमलेन्द्रसिंह मकवाना (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. उमरी, जि.राजगढ़
श्री उत्तम कुमार भानेरिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. सूकली, जि.राजगढ़
श्री रामचरण यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. तुर्कीपुरा, जि.राजगढ़
श्री नरेन्द्रसिंह राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. नाहली, जि.राजगढ़
श्री राकेश कुमार जैन (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. इकलेरा, जि.राजगढ़
श्री इन्दरसिंह जौधाना (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. बाबड़ीखेड़ा, जि.राजगढ़
श्री बिहारीलाल केशवाल (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. तलेन, जि.राजगढ़
श्री भूपेन्द्रसिंह उमठ (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. परसूखेड़ी, जि.राजगढ़
श्री हलकेलाल सेन (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. पा.आंजना, जि.राजगढ़
श्री जितेन्द्र भारद्वाज (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. टिकोद, जि.राजगढ़
श्री कमलसिंह यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. पचोर, जि.राजगढ़
श्री बालचंद्र नागर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. उदनखेड़ी, जि.राजगढ़
श्री मोहनसिंह राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. सुस्तानी, जि.राजगढ़
श्री भगवानसिंह राणा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. करनवास, जि.राजगढ़
श्री बनेसिंह यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. बोकड़ी, जि.राजगढ़
श्री तुलसीराम नागर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. सुल्तानिया, जि.राजगढ़
श्री कमलसिंह राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. ओढ़पुर, जि.राजगढ़
श्री दिलीपसिंह परमार (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. पानिया, जि.राजगढ़
श्री मोहनसिंह गोस्वामी (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. बाँसखेड़ा, जि.राजगढ़
श्री बलवंतसिंह नागर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. देवलखेड़ा, जि.राजगढ़
श्री लक्ष्मीचंद्र यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. पटा धाकड़, जि.राजगढ़
श्री कमलसिंह राजपूत (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

किसान भाईयों को पाला से फसलों के बचाव की सलाह

भोपाल। भोपाल संभाग में अचानक तापमान में हुई गिरावट को देखते हुए रबी फसलों में शीतलहर या पाला पड़ने की संभावना बन रही है। संयुक्त संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास भोपाल श्री बी.एल.बिलैया ने कृषक बंधुओं को सलाह दी है कि पाला से बचाव के लिए फसलों में हल्की सिंचाई करें। पर्याप्त नमी होने से फसलों में नुकसान की संभावना कम होती है। पाला होने की स्थिति में शाम के समय खेत की मेड़ पर धुआँ करें और सिंचाई शाम - रात्रि के समय करें इसके अलावा सल्फर का 2 मि.ली. प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें या नहीं तो पाला लगने के तुरंत बाद यानी अगले दिन प्रातः काल ग्लूकोन डी 10 ग्राम प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें। संयुक्त संचालक श्री बिलैया ने बताया कि सर्दी के मौसम में पानी का जमाव हो जाता है जिससे कोशिकायें फट जाती है एवं पौधे की पत्तिया सूख जाती है परिणास्वरूप फसलों में भारी क्षति हो जाती है। पालों से पौधों तथा फसलों पर प्रभाव पाले के प्रभाव से पौधों की कोशिकाओं में जल संचार प्रभावित होता है। प्रभावित फसल अथवा पौधे का बहुभाग सूख जाता है जिससे रोग एवं कीट का प्रकोप बढ़ जाता है। पाले के प्रभाव से फल और फूल नष्ट हो जाते है। पाले के प्रभाव से सब्जिया अधिक प्रभावित होती है एवं पूर्णतः नष्ट हो जाती है। जिले के समस्त कृषक बंधुओं को सलाह दी गई है कि उपरोक्तानुसार अपनी फसलो को पाला से बचाव के उपाय अपनायें।

बी.एल. बिलैया

श्री गोयल ने बीज एवं फार्म विकास निगम का पदभार संभाला

भोपाल। पूर्व विधायक श्री मुन्नालाल गोयल ने अध्यक्ष मध्यप्रदेश राज्य बीज एवं फार्म विकास निगम का पदभार ग्रहण किया। निगम मुख्यालय में पदभार ग्रहण के मौके पर निगम के उपाध्यक्ष श्री राजकुमार कुशवाहा एवं बीज निगम के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। पदभार ग्रहण करने के उपरांत श्री गोयल ने कहा कि वे सौंपी गई जिम्मेदारी का पूरी कर्तव्यनिष्ठा से निर्वहन करेंगे। इसके पूर्व श्री गोयल का बीज मुख्यालय पहुँचने पर पुष्प-गुच्छों से हार्दिक स्वागत किया गया।

मुन्नालाल गोयल

बैठक में फसल ऋणमान तय

झाबुआ। कलेक्टर सभागृह में तकनीकी समूह की बैठक कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुई। बैठक मे उपायुक्त सहकारिता श्री अम्बरीश वैद्य, नाबार्ड डीडीएम श्री नितिन अलोने, कृषि वैज्ञानिक डॉ. वी.के.सिंह, सहायक संचालक कृषि श्री एस.एस.चौहान, सहायक संचालक उद्यानिकी श्री अजय चौहान, सहायक संचालक मत्स्योद्योग श्री एन.पी. रैकवार, प्रबंधक म.प्र.ग्रामीण बैंक श्री शरद कदम, आत्मा परियोजना श्री एम.एस धारवे, पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ. के.एल.डामोर, कृषि उपज मण्डी के श्री चिमनसिंह मण्डलोई एवं जिला सहकारी बैंक झाबुआ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर.एस. वसुनिया सहित कृषि एवं बैंक क्षेत्र से जुडे जिले के अधिकारियों-कर्मचरियों के साथ उन्नतशील किसान रामचन्द्र, रामु, टीटू नूरजी आदि भी उपस्थित हुए। बैठक में श्री वसुनिया द्वारा कृषि ऋण हेतु प्रस्तावित वित्तीय मानों से अवगत कराया जाकर फसलों के औसत उत्पादन एवं उत्पादन लागत के संबंध मे चर्चा की गई। किसानों एवं कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग व वैज्ञानिकों से विचार विमर्श पश्चात् खरीफ 2022 एवं रबी 2022-23 हेतु फसलों के वित्तीय ऋणमान निर्धारित किये गये।

पंचायतों का फिर से होगा परिसीमन

भोपाल। मध्यप्रदेश के राज्यपाल द्वारा गुरूवार को मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश, 2021 प्रख्यापित किया गया है। इस अध्यादेश के द्वारा मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम, 1993 में एक नयी धारा 10-क जोड़ी गई है। इसके द्वारा यह प्रावधान किया गया है कि यदि पंचायतों के कार्यकाल के समाप्ति के पूर्व किए गए पंचायतों अथवा उनके वार्डो अथवा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन अथवा विभाजन के प्रकाशन की तारीख से अठारह माह के भीतर राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा किसी भी कारण से निर्वाचन की अधिसूचना जारी नहीं की जाती है तो ऐसा परिसीमन अथवा विभाजन अठारह माह की अवधि की समाप्ति पर निरस्त समझा जाएगा। ऐसी स्थिति में इन पंचायतों और इनके वार्डो और निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन अथवा विभाजन नये सिरे से किया जाएगा। प्रदेश में वर्ष 2020 के पंचायतों के सामान्य निर्वाचन के लिए सितम्बर 2019 में परिसीमन की कार्यवाही की गई थी, जो इस अध्यादेश के परिणामस्वरूप निरस्त हो गई है। अब पंचायतों और उनके वार्डो तथा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन और विभाजन की कार्यवाही पुनः की जाएगी, जिसके आधार पर निर्वाचन की लंबित प्रक्रिया संपन्न होगी।

सहकारिता मंत्री अरविंद सिंह भदौरिया ने अधिकारियों पर जताई नाराजगी

कर्मचारियों के वेतन का बजट अफसरों को नहीं पता

भोपाल। प्रदेश में अफसरशाही कितनी लापरवाह है सहकारिता विभाग से पता चल रहा है। दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में शासन के आदेश पर सर्वहारा वर्ग की सेवा करते सहकारिता कर्मचारियों के मामले में यह स्थिति सामने आई। महामारी की तीसरी लहर जैसी भीषण परिस्थितियों में कर्मचारी आंदोलन पर जाने वाले थे। लेकिन विभाग के मंत्री अरविंद भदौरिया ने इन्हें मना लिया। लेकिन अधिकारियों पर उन्होंने अपनी नाराजगी साफ तौर पर जाहिर की।

पिछले आधा माह से पैक्स संस्थाओं के माध्यम से जनता को राशन वितरण कर रहे कर्मचारियों का दर्द अपने शोषण को लेकर था। इनकी पीड़ा है कि वे क्षमता से अधिक कार्य रहे हैं लेकिन न तो सरकारी सेवकों के समान वेतन है न ही समय पर पगार मिल रही है। कई जिलों में तीन साल से वेतन नहीं मिला है फिर भी काम कर रहे हैं। इसी को लेकर सहकारिता समिति कर्मचारी महासंघ के माध्यम से यह सेवक भोपाल में डेरा डाले हुए थे। अधिकारियों से लगातार गुहार की गई। जब बात नहीं बनी तो विभाग के मंत्री अरविंद भदौरिया को मंगलवार की शाम सभी कार्यक्रम रद्द करते हुए मंत्रालय पहुंचना पड़ा। कर्मचारी महासंघ की बैठक वल्लभ भवन मंत्री के केबिन में आयोजित की गई। जिसमें महासंघ के संरक्षक ओ.पी. गोस्वामी, प्रदेश अध्यक्ष कु बीएस चौहान, प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष लखन यादव अपर मुख्य सचिव सहकारिता अजीत केशरी सहकारिता आयुक्त एव पंजीयक नरेशकुमार पाल, अपर आयुक्त अरुण माथुर, संयुक्त आयुक्त अरविंद सेगर सहकारी संस्थाएं पीसी तिवारी अपेक्स बैंक प्रबंध संचालक मौजूद हुए।

बैठक में शासकीय कर्मचारी के समक्ष वेतन प्रतिमाह भुगतान करने जैसी प्रमुख मांग पर कर्मचारी अपनी पीड़ा बताते रहे। यह तर्क भी रखा कि जब श्रम अधिनियम के तहत प्रतिमाह समय पर वेतन भुगतान मिलना चाहिए तो विभाग में कर्मचारियों के साथ यह न्याय क्यों नहीं हो रहा है। इस विषय पर मंत्री के समक्ष विस्तार के साथ चर्चा की गई। मंत्री श्री भदौरिया और अपर मुख्य सचिव श्री अजीत केसरी द्वारा महासंघ की न्यायोचित मांग को जायज बताया। उन्होंने कहा कि पैक्स के समस्त कर्मचारियों को हर माह नियमित वेतन भुगतान किया जाना आवश्यक है। आयुक्त एव पंजीयक से पूछा गया कि आपके पैक्स समितियों में कितने कर्मचारी हैं। आपको वेतन देने के लिए शासन से कितना बजट चाहिए। परंतु यह जिमेदार अधिकारी जानकारी नहीं दे सके। जिस पर मंत्री द्वारा नाराजगी जाहिर की गई।

श्री भदौरिया ने मौके पर यह निर्देश दिए कि एक सप्ताह के अंदर समस्त जानकारी तैयार कर शासन को प्रेषित करें। जिससे पैक्स के समस्त कर्मचारियों को वेतन हेतु बजट स्वीकृत किया जा कर आदेश जारी किए जा सकें। क्योंकि कर्मचारियों को वर्षों से वेतन भुगतान नहीं किया जा रहा है। बजट की विस्तृत स्थिति बताई जाए। ताकि वित्त विभाग के समक्ष पूरी स्थिति को रखकर इस राशि को लिया जा सके। प्रदेश के पैक्स कर्मचारीयों की वेतन भुगतान का निराकरण किया जा सके। कर्मचारियों की ओर से संगठन के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर बी. एस. चौहान ने यह पक्ष भी रखा कि पूर्व आदेश को निरस्त किया जाए जिसमें सक्षमता शद जुड़ा है। उसे विलोपित करना जरूरी है। समस्त पैक्स संस्थाओं में एक अलग वेतन खाता खोला जाना चाहिए। जिसमें तीन माह का वेतन हमेशा एडवांस जमा रहे।

ग्राम पंचायतों की मतदाता सूची तैयार करने नया कार्यक्रम जारी

भोपाल। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा ग्राम पंचायत की फोटो युक्त मतदाता सूची तैयार करने के लिए नया कार्यक्रम घोषित किया है। इस संबंध में पूर्व में 29 दिसंबर 2021 को जारी कार्यक्रम को निरस्त कर दिया गया है। मतदाता सूची 1 जनवरी 2022 के आधार पर तैयार की जाएगी। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री बी.एस. जामोद ने जानकारी दी है कि उप जिला निर्वाचन अधिकारी और मास्टर ट्रेनर्स का राज्य स्तरीय प्रशिक्षण वीडियो कांफ्रेंसिंग से 14 जनवरी को दिया जाएगा। रजिस्ट्रीकरण, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और मास्टर ट्रेनर्स की नियुक्ति और जिला स्तरीय प्रशिक्षण 14 से 17 जनवरी के बीच किया जाएगा। उन्होंने बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एक जनवरी 2022 की स्थिति में प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची के आधार पर मतदाताओं को यथा स्थान प्रवेश करने के लिए समय सारणी निर्धारित की गई है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा ग्राम पंचायत एवं उनके वार्डों के परिसीमन की कार्रवाई के बाद मतदाताओं को उनके क्षेत्र अनुसार यथा स्थान प्रविष्ट किया जाकर ग्राम पंचायत की मतदाता सूची का प्रकाशन एवं अनुवर्ती कार्रवाई की जाएगी। पूरी प्रक्रिया में कोविड-19 से संबंधित गाइडलाइंस का पालन करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

बी.एस. जामोद

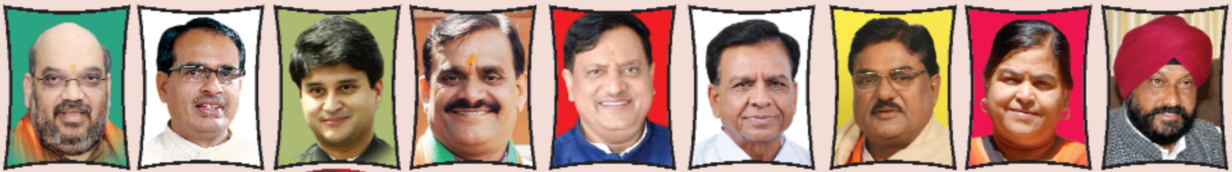

सौजन्य से

श्री गोपालसिंह राठौर
(पर्य. जीरन)

श्री बालकृष्ण पाराशर
(पर्य. जावद)

श्री विनोद कुमार शर्मा
(पर्य. रतनगढ़)

श्री श्रवण कुमार अहीर
(पर्य. दढ़ौली)

श्री दिनेश सोलंकी
(पर्य. सिंगोली)

श्री अरुण शर्मा
(पर्य. करजु)

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण

नूतन वर्ष की आप सभी को मंगल कामनाएँ...

श्री बी.एल. मकवाना · श्री सुनील सिंह · श्री एम.ए. कमाली · श्री संजयसिंह आर्य · श्री पी.एन. यादव

श्री यशवंत चौहान (शा.प्र. जीरन) · श्री लक्ष्मीनारायण मीणा (शा.प्र. जावद) · श्री मोहनलाल भील (शा.प्र. रतनगढ़) · श्री विनय अग्रवाल (शा.प्र. दढ़ौली) · श्री शंकरलाल धाकड़ (शा.प्र. सिंगोली) · श्री धर्मेन्द्र जाजू (शा.प्र. करजु)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जीरन, जि.नीमच
श्री गोपालसिंह राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कांकरिया तलाई, जि.नीमच
श्री विनोद कुमार शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हरवार, जि.नीमच
श्री विक्रमसिंह सोनीगरा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जाट, जि.नीमच
श्री अजित कुमार दख (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चल्दु, जि.नीमच
श्री मांगूसिंह शक्तावत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दडोली, जि.नीमच
श्री ओमप्रकाश जोशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कोटड़ी इस्त, जि.नीमच
श्री तख्तसिंह शक्तावत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रामनगर, जि.नीमच
श्री राधेश्याम प्रजापत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जावद, जि.नीमच
श्री गोपालप्रसाद शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. डिकेन, जि.नीमच
श्री श्रवण अहीर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बावल, जि.नीमच
श्री बालकृष्ण पाराशर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सिंगोली, जि.नीमच
श्री दिनेश कुमार सोलंकी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अठाना, जि.नीमच
श्री धर्मेन्द्रसिंह चंद्रावत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धारडी, जि.नीमच
श्री प्रकाशचंद्र धाकड़ (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. केशरपुरा, जि.नीमच
श्री अमृतराम शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. झातला, जि.नीमच
श्री रतनलाल धाकड़ (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खोर, जि.नीमच
श्री बालकृष्ण पाराशर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. शहनातलाई, जि.नीमच
श्री जगदीश सोनी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुवाखेड़ा, जि.नीमच
श्री धर्मेन्द्रसिंह चंद्रावत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. करजु, जि.मंदसौर
श्री अरुण कुमार शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रतनगढ़, जि.नीमच
श्री संतोष कुमार शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नंदावता, जि.मंदसौर
श्री अरुण कुमार शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. आ. गरवाड़ा, जि.नीमच
श्री मदनलाल शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. देहरी, जि.मंदसौर
श्री अरुण कुमार शर्मा (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

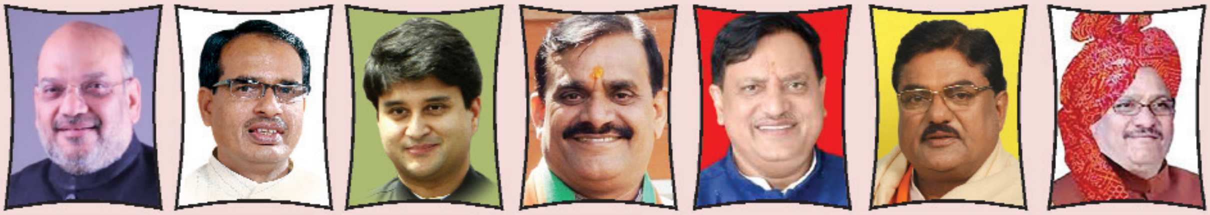

श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री विनोद सिंह (प्रशासक एवं उपायुक्त सह.) | श्री गजेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री राजेन्द्र आचार्य (प्रभारी प्रबंधक)

नूतन वर्ष की समस्त नागरिकों को हार्दिक बधाई

- किसान क्रेडिट कार्ड (फसल ऋण)
- ट्रैक्टर एवं अन्य कृषि यंत्रों हेतु ऋण
- दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
- मत्स्य पालन हेतु ऋण
- स्थायी विद्युत कनेक्शन के लिए ऋण
- स्वरोजगार क्रेडिट कार्ड योजना के तहत ऋण
- कृषक को खेत पर शेड बनाने के लिए ऋण
- कम्बाइन हार्वेस्टर एवं रिपर कम बाइंडर क्रय ऋण

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सौजन्य से

श्री हीरालाल पटेल (शा.प्र. बेड़िया)-श्री आर.एन. शर्मा (शा.प्र. काटकूट)
श्री जगदीश यादव (पर्य. काटकूट)-श्री अफजल खान (शा.प्र. भगवानपुरा)
श्री कन्हैयालाल आड़तिया (पर्य. भगवानपुरा)-श्री रमेशचंद यादव (शा.प्र. बामंदी)
श्री भगवान पाटीदार (शा.प्र. सिनगुन)-श्री शोभाराम अवधरे (पर्य. सिनगुन)
श्री गजानंद विहाने (शा.प्र. आंजनगाँव)-श्री त्रिलोक बिर्ला (शा.प्र. कानापुर)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बेड़िया, जि.खरगोन
श्री देवेन्द्र बिरला (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. भूलगाँव, जि.खरगोन
श्री प्रेमलाल पटेल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. रावेरखेड़ी, जि.खरगोन
श्री प्रेमलाल बिरला (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. भो. निपानी, जि.खरगोन
श्री रमेश बिरला (प्रबंधक)

वृह.सेवा सहकारी संस्था मर्या. काटकूट, जि.खरगोन
श्री नजर अली खान (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बड़ैल, जि.खरगोन
श्री एच.एस. परिहार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. थरवर, जि.खरगोन
श्री मनोहर वर्मा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सोरठी बारूल, जि.खरगोन
श्री भूरेसिंह चौहान (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. भगवानपुरा, जि.खरगोन
श्री के.एल. आड़तिया (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. भग्यापुर, जि.खरगोन
श्री के.एल. आड़तिया (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. धूलकोट, जि.खरगोन
श्री जीवनसिंह रतोरिया (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पीपलझोपा, जि.खरगोन
श्री अशफाक शेख (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बामंदी, जि.खरगोन
श्री विजय पाटीदार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बलकवाड़ा, जि.खरगोन
श्री कर्मेन्द्र मंडलोई (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. साटकुर, जि.खरगोन
श्री हुकुम पटेल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सिनगुन, जि.खरगोन
श्री शोभाराम अवचरे (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. मलतार, जि.खरगोन
श्री तिलक यादव (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. डाबरी, जि.खरगोन
श्री परसराम कामले (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. आंजनगाँव, जि.खरगोन
श्री विनोद बिल्लौरे (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कालधा, जि.खरगोन
श्री विष्णु लाड़ (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कानापुर, जि.खरगोन
श्री तरवरसिंह सोलंकी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. मर्दाना, जि.खरगोन
श्री राकेश बिरला (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

सहकारी बैंक झाबुआ में अमानतदारों का सम्मान

झाबुआ। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. झाबुआ के महाप्रबंधक श्री आर.एस.वसुनिया के मार्गदर्शन मे बचत पखवाडा कार्यक्रम मुख्य शाखा परिसर में मनाया गया। कार्यक्रम में 7 वरिष्ठ अमानतदारों का शॉल, साफा एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया। उल्लेखनीय है कि बैंक द्वारा समस्त शाखाओं में दिनांक 1 से 15 दिसम्बर तक बचत पखवाडा मनाया गया। इसके तहत बैंक की वित्तीय स्थिति को सुदृढ बनाने के लिये अमानतों पर ब्याज दरों में वृद्धि की जाकर अधिक से अधिक अमानतों का संग्रहण किया जा सकें। जिसका व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार किया जा रहा है तथा इस दौरान अमानतदारो का भी सहयोग मिल रहा है। इस सप्ताह मे लगभग 50.00 लाख की अमानत प्राप्त की गई है। मुख्य शाखा के अमानतदार श्री कमलकांत मालवीय, पन्नालाल परमार, डॉ. लोकेन्द्रसिंह राठौर, कोकिला जैन, विरेन्द्र सकलेचा, अब्दूल वाहिद शेख एवं गौरव मांगीलाल का सम्मान किया गया। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक दिलीप वाणी, सहायक लेखापाल राजेन्द्र माहेश्वरी, कु. आकांक्षा मगरे, राकेश कलेसिया, बल्लूसिंह वाखला आदि उपस्थित हुये। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सुशीला डामोर द्वारा किया गया।

अमानतदारों का सम्मान

अलीराजपुर। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. झाबुआ की अलीराजपुर शाखा में बचत पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस दौरान बैंक के सम्मानित व वरिष्ठ अमानतदारों का सम्मान किया गया। इस दौरान 30 लाख रु. की अमानत राशि जमा हुई। कार्यक्रम में बैंक के नोडल अधिकारी श्री राजेश राठौड़ ने बैंक द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि सीसीबी झाबुआ की झाबुआ और अलीराजपुर जिले में 20 शाखाएँ संचालित हैं। दोनों जिलों में 2 लाख 95 हजार 582 अमानतादरों का 455.99 करोड़ रु. की अमानत जमा है। 750 करोड़ का ऋण वितरण किया गया है। बैंक महाप्रबंधक श्री आर.एस. वसुनिया ने कहा कि बैंक की सभी शाखाओं में एटीएम तथा मोबाइल बैंकिंग एवं आभूषण तारण ऋण प्रारंभ करने का लक्ष्य है। कार्यक्रम में मकू परवाल, मुस्तन इब्राहीम किराना, श्रीनिवास गुप्ता, कमल जैन, कृष्णकांत माहेश्वरी, पिंकेश जैन, उषा जोशी, रेणुका तंवर का सम्मान जे.एस. भाभर, शैलेष थेपड़िया, महेन्द्रसिंह राठौर ने शॉल-श्रीफल देकर किया। इस मौके पर पर्यवेक्षक महेन्द्रसिंह राठौर, संजय अवासिया, डी.एस. डोडवे संस्था प्रबंधक, देवेन्द्र पाठक, विजय नासा, मुलेश उपस्थित थे।

बाँस की फसल अन्य फसलों से सुरक्षित और लाभदायक

भोपाल। बाँस की फसल अन्य फसलों की तुलना में सुरक्षित और अधिक लाभदायक है। बाँस की फसल की खासियत यह भी है कि यह किसी भी मौसम में खराब होती। प्रमुख सचिव, वन श्री अशोक वर्णवाल ने यह बात हरदा में बाँस वृक्षरोपण के लिए कृषकों की एक दिवसीय कार्यशाला में कही।

प्रमुख सचिव श्री वर्णवाल ने बताया कि बाँस की फसल इस दृष्टि से भी बेहत्तर है कि इसे एक बार लगाने के बाद हर साल इसका उत्पादन प्राप्त होता है। बाँस की फसल में खर्चा कम होने के साथ मानव श्रम भी बहुत कम लगता है।

श्री बैकुंठ मेहता राष्ट्रीय सहकारी प्रशिक्षण संस्थान पुणे में आयोजित जिला सहकारी बैंक लिमिटेड के अध्यक्षों के प्रशिक्षण एवं अध्ययन भ्रमण कार्यक्रम में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. झाँसी (उ.प्र.) के अध्यक्ष श्री जयदेव पुरोहित सहित अन्य बैंकों के अध्यक्षों को महाराष्ट्र के सहकारी आंदोलन को बारीकी से जानने समझने का मौका मिला।

सहकारी बैंकों का परिचालन पूर्ण ईमानदारी से करें

भोपाल। सहकारिता आयुक्त एवं अपेक्स बैंक प्रशासक श्री नरेश पाल कुमार ने कहा कि सहकारी आंदोलन को मजबूत बनाने के लिए हमें पैक्स को और मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक एवं नाबार्ड के निर्धारित मानदण्डों का पालन करते हुए सहकारी बैंकों का पूर्ण ईमानदारी एवं निष्ठा से परिचालन बैंक के प्रशासक एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी करें। किसी भी प्रकार की गबन-धोखाधड़ी यदि जानकारी में आती है तो उस पर शीघ्र संवैधानिक कार्यवाही करें।

अपेक्स बैंक के सुभाष यादव समन्वयन भवन में संपन्न हुई सहकारिता विभाग के संयुक्त आयुक्त, उपायुक्त, सहायक आयुक्त एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की सहकारी बैंकों-पैक्स के सुदृढ़ीकरण पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में श्री कुमार ने यह बात कही। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए श्री कुमार ने कहा कि पहले सहकारिता विभाग एवं सहकारी बैंकों के बीच समन्वय की जो कमी दिखाई पड़ती थी, वह समाप्त हुई है। विगत 6 माह के दौरान लगातार इस प्रकार की कार्यशालाएँ आयोजित होने के सकारात्मक परिणाम सामने आये हैं। सभी कार्यशालायें रविवार अवकाश के दिन आयोजित हुईं, लेकिन उसमें भी अधिकारियों-कर्मचारियों की पूर्ण तन्मन्यता से उपस्थित होकर सीखने की ललक एक शुभ संकेत है। उन्होंने आग्रह किया कि सभी अधिकारी अपने जिले के सहकारी बैंक के अधिकारियों से सतत् संवाद बनाएँ। संयुक्त आयुक्त सहकारिता श्री अरविंद सिंह सेंगर ने कहा कि ऋण वितरण, वसूली, एन.पी.ए. प्रबंधन एवं अमानत संग्रहण के प्रयासों में तत्परता के साथ तेजी लायें। व्यवसाय संवर्द्धन की दिशा में कृषि ऋण के साथ-साथ अकृषि ऋण वितरण पर ध्यान देने की आवश्यकता है। संयुक्त आयुक्त सहकारिता श्री अभय खरे ने कहा कि विभाग और बैंकों के बीच बेहतर समन्वय अत्यन्त जरूरी है, हम जिला बैंकों पर फोकस करते हैं, जबकि हमारा ध्यान पैक्स पर होना चाहिये। नाबार्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल के उप महाप्रबंधक श्री कमर जावेद ने सहकारी बैंकों के सुदृढ़ीकरण हेतु ध्यान रखने योग्य सभी आवश्यक बिन्दुओं को तथा नाबार्ड एवं भारतीय रिजर्व बैंक को भेजी जाने वाली सावधिक विवरणियों तथा इनके दिशा-निर्देशों पर विस्तृत प्रकाश डाला। श्री हेमंत जैन, सी.ए. ने बैंकिंग एवं व्यवहार में ध्यान रखने योग्य बिन्दुओं पर प्रकाश डाला। टी.सी.एस. भोपाल के श्री अजय कुलकर्णी ने बैंकों में सीबीएस साफ्टवेयर के संबंध में रखी जाने वाली सावधानियों के संबंध में प्रस्तुति दी। उपायुक्त सहकारिता श्री उमेश तिवारी, अपेक्स बैंक के सहायक महा प्रबंधक श्री के.टी. सज्जन एवं प्राचार्य, अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कॉलेज श्री आर.पी. हजारी ने बैंक-पैक्स को सुदृढ़ करने के उपाय एवं योजनाओं के साथ बैंक एवं विभागीय समन्वय, विभागीय -बैंक के अधिकारियों के दायित्व एवं पैक्स की मॉनीटरिंग पर विस्तार से अवगत कराया। अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री पी.एस.तिवारी ने आभार प्रदर्शन करते हुए कहा कि संभागीय संयुक्त विभागीय अधिकारियों एवं बैंकों के अधिकारियों के बीच समन्वय की दिशा माननीय आयुक्त महोदय के विशेष प्रयासों से आयोजित यह कार्यशाला मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने प्रदेश भर से आये सहकारिता के विभाग के संयुक्त, उप, सहायक आयुक्तों, नाबार्ड, अपेक्स बैंक एवं जिला बैंकों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों का पूरी तन्मयता से दिनभर चली इस कार्यशाला में ज्ञान-अर्जन करने के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। कार्यशाला का संचालन डॉ.रवि ठक्कर, सहायक महाप्रबंधक अपेक्स बैंक ने किया। बैठक में संयुक्त आयुक्त श्री बी.एस.शुक्ला, अनिल वर्मा, श्रीमती गीता झा दिशोरिया, श्री संजय दलेला, अपेक्स बैंक के वि.क.अ.श्रीमती अरूणा दुबे, श्री के.के. द्विवेदी, श्री अरविंद बौद्ध, सहायक महाप्रबंधक, श्री आर.एस.चंदेल सहित सहकारिता अधिकारियों और सहकारी बैंकों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों ने कार्यशाला में भाग लिया। इस अवसर पर अपेक्स बैंक के डेस्क केलेण्डर का विमोचन सभी अतिथियों द्वारा किया गया।

कोरोना से होने वाली मृत्यु के कारणों की छानबीन करें

इंदौर। संभागायुक्त डॉ. पवन कुमार शर्मा ने कोरोना से संबंधित डेथ ऑडिट कमेटी की बैठक ली। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि कोरोना से होने वाली मृत्यु के कारणों की विशेष छानबीन की जाए। इनके सेम्पल त्वरित रूप से परीक्षण के लिए भेजे जाएं। बैठक में अपर आयुक्त श्रीमती रजनी सिंह, संयुक्त आयुक्त श्रीमती सपना सोलंकी, श्री रजनीश कसेरा, डीन मेडिकल कॉलेज डॉ. संजय दीक्षित, डॉ. सलिल भार्गव, डॉ. साकल्ले सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं चिकित्सकगण उपस्थित थे।

बैठक में यह तथ्य संज्ञान में लाया गया कि हृदय रोग अथवा हेड इन्ज्यूरी सहित अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रस्त मरीज़ों को कोरोना पॉज़िटिव रहने पर उन्हें अन्य अस्पताल में शिफ़्ट कर दिया जाता है। इस संबंध में संभागायुक्त डॉ. शर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि ऐसा किसी भी क़ीमत पर नहीं किया जाए एवं कोरोना उपचार के मापदंडों के अनुरूप उसी अस्पताल में गंभीर बीमारी का इलाज जारी रखा जाए। संभागायुक्त डॉक्टर शर्मा ने संयुक्त संचालक स्वास्थ्य को निर्देश दिए कि संभाग के सभी ज़िलों में डॉक्टरों के रिक्त पदों की जानकारी प्रस्तुत करें। संभागायुक्त ने यह भी निर्देश दिए की पॉज़िटिव आने वाले मरीज़ों में से कितने टीकाकृत थे और कितने टीकाकृत नहीं थे, इसका स्पष्ट रूप से डाटा रखा जाए।

मप्र डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा मनाया रोजागार दिवस

खरगोन। मप्र डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत खरगोन के द्वारा शासकीय स्नाताकोत्तर महाविद्यालय में स्वरोजगार एवं रोजगार दिवस कार्यक्रम का आयोजन कृषि मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री कमल पटेल एवं क्षेत्रीय सांसद श्री गजेन्द्र सिंह पटेल की अध्यक्षता एवं जिला कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री दिव्यांक सिंह जिला पंचायत खरगोन, मुख्य प्रबंधक जिला उद्योग एवं व्यापार कैन्द्र एसएस मण्डलोई, जिला रोजगार अधिकारी श्री राजपाल जी, पुर्व विधायक श्री बाबुलाल महाजन, आजीविका मिशन जिला परियोजना प्रबंधक श्रीमती सीमा निगवाल व लीड बैंक प्रबंधक श्री प्रदीप मुरुडकर की उपस्थिति मे संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वामी विवेकानंद के आदर्शो के अनुरुप देश कि युवाशक्ति का उनके जीवन शैली से परिचय व प्रदेश के युवाओं को रोजगार व स्व रोजगार से जोडना रहा। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा समूह की दीदीओ से वर्चुअल संवाद किया गया।

बड़वानी जिले में 8245 युवाओं को वितरित हुआ 4657.8 लाख का ऋण

बड़वानी। युवा दिवस के उपलक्ष्य में राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेरसिंह सोलंकी एवं कलेक्टर श्री शिवराजसिंह वर्मा तथा केबिनेट मंत्री श्री प्रेमसिंह पटेल के प्रतिनिधि श्री कृष्णा गोले ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत प्रतीकात्मक रूप से 100 युवाओं को स्वीकृत ऋण के प्रपत्र एवं वाहनों की चाबी वितरित की। डॉ. सुमेरसिंह सोलंकी ने बताया कि केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार युवाओं को स्वरोजगारमुखी बनाने के लिये कई योजनाऐं संचालित कर रही है। इस योजनाओ के तहत बड़ी संख्या में युवा महिला-पुरूष लाभान्वित हो रहे है। कलेक्टर श्री शिवराजसिंह वर्मा ने बताया कि युवा दिवस पर सम्पूर्ण जिले में 1910 युवाओं को 960.49 लाख रूपये के स्वीकृति पत्र सौपे जा रहे है। इसमें से 100 युवाओ को कोविड प्रोटोकाल के मददेनजर प्रतीकात्मक रूप से स्वीकृति पत्र दिये जा रहे है। जबकि अन्य युवाओं को भी उनके स्वीकृति संबंधित शाखा प्रबंधको के माध्यम से दिये जायेंगे। कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक उद्योग श्री के.एस. सोलंकी ने भी संबोधित किया।

नूतन वर्ष की समस्त किसान भाइयों और प्रदेशवासियों को अनेक बधाइयाँ
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण ● खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड ● कृषि यंत्र के लिए ऋण ● दुग्ध डेयरी योजना
समस्त किसान भाइयों को 0% ब्याज दर पर फसल ऋण
श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री एम.एल. गजभिये (प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)
श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री अनिल हर्षवाल (प्रभारी सीईओ)
सौजन्य से
श्री इसीदौर चम्पावत (शा.प्र. महू)
श्री शरीफ मोहम्मद (पर्य. महू)
श्री राधेश्याम मिश्रा (शा.प्र. मानपुर)
श्री राजेन्द्र पटेल (पर्य. मानपुर)
श्री देवकरण चौधरी (शा.प्र. दतोदा)
श्री ओमप्रकाश पाटीदार (पर्य. दतोदा)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. सीतापाट, जि.इंदौर
श्री दिनेश बरनासिया (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. सातेर किशनगंज, जि.इंदौर
श्री सुरेशचंद्र शर्मा (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. जामली, जि.इंदौर
श्री शरीफ मोहम्मद (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. मानपुर, जि.इंदौर
श्री सुमित शर्मा (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. कोदरिया, जि.इंदौर
श्री ओमप्रकाशसिंह चौहान (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. यशवंत नगर, जि.इंदौर
श्री राजेन्द्र पटेल (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. गवली पलासिया, जि.इंदौर
श्री रामसिंह राठौर (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. खुर्दी, जि.इंदौर
श्री बहादुरसिंह गौड़ (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. मेण, जि.इंदौर
श्री दिनेश बरनासिया (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. कमदपुर, जि.इंदौर
श्री सदाशिव परसावदिया (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. बड़गोंदा, जि.इंदौर
श्री ओमप्रकाशसिंह चौहान (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. शेरपुर, जि.इंदौर
श्री सुदामा चौधरी (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. महूगाँव, जि.इंदौर
श्री मोहनसिंह कुशवाह (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. हासलपुर, जि.इंदौर
श्री राजेन्द्र पटेल (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. भगोरा, जि.इंदौर
श्री प्रमोद दुबे (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. दतोदा, जि.इंदौर
श्री शेखर भारती (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. भाटखेड़ी, जि.इंदौर
श्री रामसिंह राठौर (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. सिमरोल, जि.इंदौर
श्री प्रदीप दुबे (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. कैलोद, जि.इंदौर
श्री महेश चौधरी (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. जोशी गुराड़िया, जि.इंदौर
श्री कैलाश जोशी (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. हरसोला, जि.इंदौर
श्री राजेश पाटीदार (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. चोरल, जि.इंदौर
श्री प्रदीप दुबे (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. आम्बाचंदन, जि.इंदौर
श्री मोहनसिंह कुशवाह (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. कालाकुण्ड, जि.इंदौर
श्री अनिल बर्वे (प्रबंधक)
समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

● आचार्य पं. रामचंद्र शर्मा 'वैदिक'
अध्यक्ष : म.प्र. ज्योतिष एवं विद्वत् परिषद
376, म.गाँ. मार्ग (बड़े गणपति के पास), इंदौर
फोन : 0731-2414181, मो. 9755014181

मेष

काम में मन नहीं लगेगा। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। थकान व कमजोरी महसूस हो सकती है। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा।

वृषभ

मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा। व्यवसाय लाभदायक रहेगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

मिथुन

भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय भविष्य में लाभ देगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। प्रसन्नता रहेगी। फालतू खर्च होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

कर्क

नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। बेरोजगारी दूर होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। व्यापार लाभप्रद रहेगा। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कोई बड़ी समस्या का हल मिल सकता है।

सिंह

स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से हानि होगी। समय पर कार्य न होने से तनाव रहेगा। दूसरे आप से अधिक अपेक्षा करेंगे। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आय में निश्चितता रहेगी।

कन्या

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा से लाभ होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। सुख के साधनों पर अधिक व्यय होगा। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी।

तुला

योजना फलीभूत होगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। कार्यसिद्धि होगी। नए अनुबंध होने से प्रसन्नता रहेगी। पूंजी की व्यवस्था होने से कार्य में गति आएगी। भाइयों तथा मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक

तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में कार्य की अधिकता रह सकती है। अधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

धनु

किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। आवश्यक वस्तु समय पर न मिलने से तनाव रहेगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। लाभ के अवसर हाथ से निकल सकते हैं। समय पर ठीक निर्णय ले पाएंगे।

मकर

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। मन की चंचलता बढ़ेगी। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। परिवार के सदस्यों के साथ समय प्रसन्नतादायक व्यतीत होगा।

कुम्भ

स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। ऐश्वर्य के साधनों पर अधिक व्यय हो सकता है। रोजगार मिलेगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। नौकरी में अधिकार वृद्धि संभव है। चोट व रोग से बचें। प्रसन्नता बनी रहेगी।

मीन

पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पठन-पाठन व लेखन में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। बुद्धि के प्रयोग से बड़ी समस्या का हल कर पाएंगे।

रश्मिका मंदाना ने बढ़ाई फीस

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'पुष्पा : द राइज' बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर हिट रही। रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म 83 भी इस फिल्म के आगे फीकी पड़ती दिखी। क्योंकि एक तरफ जहां रणवीर सिंह की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक कमाई करने के लिए भी लड़ती नजर आ रही थी वहीं अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा बिना किसी रुकावट के जबरदस्त बिजनेस कर रही थी। फिल्म का पहला पार्ट ब्लॉकबस्टर हिट होने के बाद अब जल्द ही इसका दूसरा पार्ट भी रिलीज होगा जिसका नाम मेकर्स ने 'पुष्पा - द रूल' तय किया है। एक तरफ जहां फिल्म का दूसरा पार्ट बनाए जाने की खबरें आ रही हैं वहीं बताया ये भी जा रहा है कि फिल्म की लीड एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने इस फिल्म के बाद अपनी फीस बढ़ा दी है।

सबसे महंगी फिल्म करेंगी रश्मिका?

बॉलीवुड लाइफ की एक रिपोर्ट के मुताबिक पहले पार्ट के लिए ही रश्मिका ने तकरीबन 2 करोड़ रुपये फीस चार्ज की थी। अब खबर है कि दूसरे पार्ट के लिए वह 3 करोड़ रुपये फीस मांग रही हैं। इससे भी दिलचस्प बात ये है कि पुष्पा के मेकर्स रश्मिका को इतनी फीस देने के लिए राजी हो गए हैं। हालांकि अभी तक इस मामले में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। •

विक्रम वेधा के ऋतिक का लुक

बॉलीवुड के ग्रीक गॉड कहलाने वाले अभिनेता ऋतिक रोशन के जन्मदिन के खास मौके पर उनकी अपकमिंग फिल्म विक्रम वेधा से उनका फर्स्ट लुक रिवील किया गया है। विक्रम वेधा तमिल में इसी नाम से बनी ब्लॉकबस्टर फिल्म का रीमेक है। तमिल फिल्म में आर माधवन और विजय सेतुपति ने अहम भूमिका निभाई थी। माधवन के ट्वीट करते हुए कमेंट किया, 'ये है वो वेधा, जिसे मैं देखना चाहता हूं। बहुत शानदार भाई.. ये कमाल है।' माधवन के इस ट्वीट को फैन्स खूब पसंद कर रहे हैं। ऋतिक रोशन की आगामी फिल्म विक्रम वेधा 30 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में ऋतिक गैंगस्टर वेधा का किरदार निभाएंगे। भारतीय लोककथा विक्रम और बेताल पर आधारित यह फिल्म एक सख्त पुलिस अधिकारी विक्रम की कहानी बयां करती है, जो एक ताकतवर गैंगस्टर वेधा को पकड़कर उसके मार गिराता है। फिल्म में विक्रम का किरदार सैफ अली खान निभा रहे हैं। इस फिल्म में राधिका आप्टे भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। तमिल फिल्म का निर्देशन करने वाले पुष्कर और गायत्री इसके हिंदी रीमेक के भी निर्देशक हैं। एस शशिकांत और भूषण कुमार इसके निर्माता हैं। •

अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
नूतन वर्ष की समस्त कृषक बंधुओं को हार्दिक बधाइयाँ
समस्त किसान भाइयों को
0%
ब्याज दर पर फसल ऋण
श्री जगदीश कन्नौज
(संयुक्त आयुक्त एवं प्रशासक)
श्री अम्बरीश वैद्य
(उपायुक्त)
श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री आर.एस.वसुनिया
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. झाबुआ

अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
नववर्ष पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ
समस्त किसानों को
0%
ब्याज पर ऋण
श्री बी.एल. मकवाना
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री सुनील सिंह
(प्रशासक एवं उपायुक्त)
श्री एम.ए.कमाली
(संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री आलोक कुमार जैन
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. रतलाम

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक बृजेश त्रिपाठी द्वारा वी.एम. ग्राफिक्स, के-29, एलआयजी कॉलोनी, इंदौर से मुद्रित एवं 111-ए ब्लॉक, शहनाई-II, रेसीडेन्सी कनाड़िया रोड, इन्दौर से प्रकाशित (फोन : 0731-2595563, 9752558186, 8989179472, संपादक : बृजेश त्रिपाठी, प्रकाशन दिनांक : 17